शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 08 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-338

बल्लारी मातृ मृत्यु मामले में समिति की रिपोर्ट आने के बाद आगे की होगी कार्रवाई @ नम्मा बेंगलूरु

यूनुस ने पाकिस्तानी आतंकियों के लिए भारत में प्रवेश का रास्ता खोला

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के लिए खोला दरवाजा, सुरक्षा मंजूरी की शर्त हटी

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश ने आतंकवाद और संगठित अपराध से क्षेत्र की रक्षा के लिए बनाए गए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों को खत्म कर दिया है। बांग्लादेश सरकार के इस कदम से पूरे दक्षिण एशिया में सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। यह गहरी चिंता का विषय है, इस पर भारत समेत दुनिया को ध्यान देने की आवश्यकता है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी को अचानक वापस लेने और पाकिस्तानी माल को सीमा शुल्क निरीक्षण से छूट देने का फैसला लेकर यूनुस शासन ने भारतीय उपमहाद्वीप में घुसपैठ का खुला प्रवेश द्वार बना दिया है। यह विवादास्पद नीतिगत बदलाव न केवल बांग्लादेश की उसकी खुद की सुरक्षा को कमजोर करने वाला, बल्कि पाकिस्तानी आतंकवादियों, तस्करों और नार्को-सिंडिकेट के लिए भारत को निशाना बनाने का रास्ता भी आसान करने वाला है। इससे क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता की स्थिति पैदा हो गई है। लंबे समय से वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान आतंकवाद-संरक्षक राष्ट्र के रूप में जाना जाता है। कई देशों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने नागरिकों को पाकिस्तान का वीजा जारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके विपरीत, मोहम्मद यूनुस और

पाकिस्तानी कार्गो के लिए सीमा शुल्क भी हटाया गया

इस्लामवादियों, जेहादियों, खिलाफत-उग्रवादियों और धार्मिक कट्टरपंथियों की उनकी टीम बांग्लादेश के उन सुरक्षा उपायों को खत्म कर रहा है जो पहले पाकिस्तान से संभावित खतरों को कम करते थे। इस्लामवादी, जेहादी और खिलाफत-संचालित विचारधारा के लिए आलोचना की जाने वाली इस सरकार ने खुले तौर पर भारत विरोधी, हिंदू विरोधी और पाकिस्तान समर्थक रुख अख्तियार कर लिया है। इसका एक ज्वलंत उदाहरण 2 दिसंबर 2024 से बांग्लादेशी वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी को अचानक वापस ले लेना है।

खतरनाक नीतिगत बदलावः बांग्लादेश

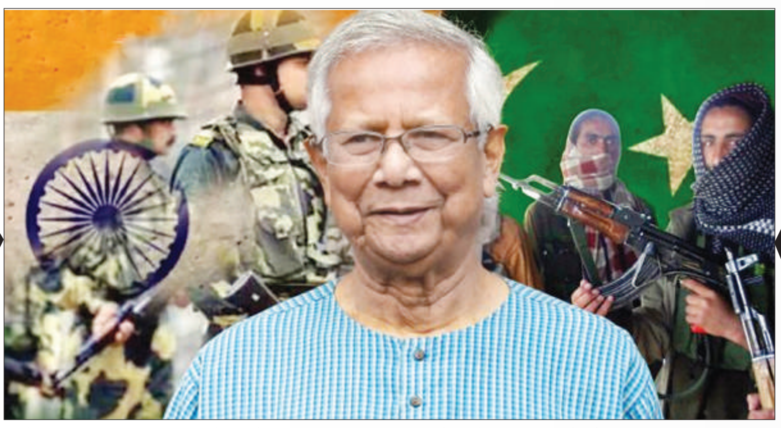

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक वर्गीकृत विज्ञप्ति से पता चलता है कि पाकिस्तान में बांग्लादेश उच्चायोग के चांसरी प्रमुख और अन्य बांग्लादेशी मिशनों को गृह मंत्रालय के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों या पाकिस्तानी मूल के व्यक्तियों के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता वाले प्रावधान को समाप्त करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश 19 फरवरी 2019 को लागू की गई नीति को पलट देता है, जिसमें संभावित खतरों को कम करने के लिए सुरक्षा मंजूरी अनिवार्य थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देशों ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पाकिस्तानियों पर सख्त वीजा प्रतिबंध लागू किए हैं या उन्हें बनाए रखा है। सऊदी अरब ने भी आपराधिक गतिविधियों के आरोपों पर नियमित रूप से पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित किया है। इसके विपरीत, यूनुस प्रशासन ऐसे उपायों में ढील

शुभ-लाभ चिंता

देकर भीषण जोखिम को बांग्लादेश में आमंत्रित कर रहा है। सीमा शुल्क छूट और बढ़ा हुआ जोखिमः 29 सितंबर 2024 को, यूनुस शासन ने एक गजट अधिसूचना जारी की, जिसमें सीमा शुल्क अधिकारियों को

भारत समेत पूरे प्रायद्वीप पर भीषण खतरे का समय

राष्ट्रीय चयनात्मकता मानदंड के तहत पाकिस्तान से आने वाले शिपमेंट को अनिवार्य निरीक्षण से बाहर रखने का निर्देश दिया गया। यह निर्णय प्रभावी रूप से पाकिस्तान से आने वाले सामानों को पूरी तरह से सीमा शुल्क जांच से बचने की अनुमति देता है, जिससे एक स्पष्ट खामी पैदा होती है जिसका पाकिस्तानी आतंकवादियों, तस्करों और संगठित अपराध नेटवर्क द्वारा फायदा उठाया जा सकता है।

पाकिस्तानी कार्गो के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकताओं को खत्म करने और सीमा शुल्क निरीक्षण को हटाने से इस पूरे क्षेत्र में भीषण खतरा सामने आता दिख रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह फैसला लश्कर-ए-तैयबा, सिपह-ए-सहबा पाकिस्तान, लश्कर-ए-झांगवी, तहरीन-ए-जाफरिया पाकिस्तान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), हिज्ब उल मुजाहिदीन, हरकत उल अंसार, अंसार उल इस्लाम, तहरीक-ए-जेहाद-ए-इस्लाम, अल कायदा, आईएसआईएस, हिज्ब उत तहरीर, हिज्ब उल अहरार, इस्लामिक जेहाद यूनियन, हक्कानी नेटवर्क और अन्य आतंकवादी समूहों जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के सदस्यों के लिए बांग्लादेश में बिना किसी पहचान के घुसने का दरवाजा खोलने वाला है। ये आतंकी समूह पहले से ही वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े हुए हैं, अब बांग्लादेश के साथ अपनी छिद्रपूर्ण सीमाओं के माध्यम से भारत में घुसपैठ करने का आसान रास्ता बना लेंगे।

इसके अतिरिक्त, पाकिस्तानी आतंकवादी समूह, दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी जैसे कई अन्य नार्को-सिंडिकेट और पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) को ▶10पर

राहुल गांधी की हरकतों से इंडी गठबंधन टूटने की कगार पर

विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए ममता तैयार

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

राहुल गांधी की सस्ती और ओछी हरकतों के कारण अब इंडी गठबंधन का टूटना सुनिश्चित दिखने लगा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने गठबंधन का नेतृत्व करने का सांकेतिक बिगुल फूंक दिया है। उधर, महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी ने महाअघाड़ी गठबंधन से अलग होने का बाकायदा ऐलान भी कर दिया है।

ममता बनर्जी ने कहा, गठबंधन मैंने बनाया था, अब इसे संभालने की जिम्मेदारी जिन लोगों पर थी वे उसे नहीं चला पा रहे तो इस पर मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस इतना ही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता बनर्जी ने इंडी गठबंधन को लेकर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अगर मौका मिला तो वह गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि वह गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। ममता बनर्जी ने कहा, अगर मौका मिला तो मैं गठबंधन को अच्छे से चला सकती हूं। मैं बंगाल से

मैंने बनाया था गठबंधन, मैं इसका नेतृत्व करने में सक्षम : ममता

महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी से अलग हट गई समाजवादी पार्टी

बाहर तो नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं। उल्लेखनीय है कि इंडी ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। सीएम ममता बनर्जी की यह टिप्पणी उनकी पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी की टिप्पणियों के बाद आई है, जिन्होंने कांग्रेस और ब्लॉक के अन्य सहयोगियों से अहंकार को अलग रखने और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया था। भाजपा ने महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड संख्या में सीट हासिल कीं, जिससे पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को प्रचंड जीत मिली, जबकि झारखंड में झामुमो के शानदार प्रदर्शन से इंडी गठबंधन ने मजबूत वापसी की।

ममता बनर्जी के बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। एक ओर जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना उनसे वार्ता की बात कह रही है। वहीं, कांग्रेस ने मसले को हल्का बनाने की कोशिश करते हुए कहा कि ममता सिर्फ मीडिया के सवाल का जवाब दे रही थीं। जबकि ममता बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे जता दिए हैं। ▶10पर

बांग्लादेश सरकार के इशारे पर इस्लामिक उत्पात बेतहाशा जारी

ढाका में उपद्रवियों ने श्रीकृष्ण मंदिर को फूंक डाला

मायावती ने की बांग्लादेश में हो रहे धार्मिक अत्याचार की कड़ी निंदा

बांग्लादेश में हिंदू दलित मारे जा रहे, कांग्रेस-सपा को संभल की पड़ी

ढाका/कोलकाता, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश सरकार के इशारे पर कट्टरपंथी उपद्रवियों ने आज तड़के राजधानी ढाका स्थित इस्कॉन के नमहट्टा श्रीकृष्ण मंदिर में आग लगा दी। श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर पूरी तरह जल कर खाक हो गया। इस घटना पर बांग्लादेश सरकार चुप्पी साधे हुई है। भारत में भी दोगले प्रगतिशीलों और बेईमान धर्मनिरपेक्षों ने चुप्पी साध रखी है। बसपा नेता मायावती ने ऐसे बेईमान धर्मनिरपेक्षी नेताओं पर करारा प्रहार करते हुए कहा है कि संभल पर चिल्लाने वाले नेता बांग्लादेश में हिंदू दलितों पर हो रहे हमलों पर चुप हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ दिनों पहले हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। शनिवार की सुबह इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा ▶10पर

हिंदू दलित मर रहे सपा-कांग्रेस संभल में लगे : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने कहा कि बांग्लादेश में जिन हिंदुओं पर जुल्म हो रहा है, उनमें ज्यादातर दलित शामिल हैं। लेकिन राजनीतिक दलों के नेता मुसलमानों को खुश करने के लिए चुप बैठे हैं। मायावती ने कहा, इस समय संसद चल रहा है। संसद में विपक्ष दल देश और जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल संभल की रट लगा रहे हैं। खासकर सपा और कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोटों को रिझाने में लगी है। इतना ही नहीं ये पार्टियां मुस्लिम समाज को भी तुर्क और गैर तुर्क के भेद पर आपस में लड़ा रही हैं। ▶10पर

बदले हुए भारत के बारे में बेधड़क बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर

चीन का दृढ़ता से किया मुकाबला, बालाकोट में घुसकर मारा

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। बदली विदेश नीति के कारण भारत की एक अलग छवि दुनिया के सामने है। उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है। जयशंकर ने कहा, हमने सीमा मसले पर चीन की चुनौतियों का पूरी दृढ़ता से मुकाबला किया।

विदेश मंत्री ने पड़ोसी देश पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर लगाम कसने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, चाहे आतंकवाद हो या बालाकोट भारत पूरी ताकत के साथ जवाब दे रहा है। पूर्व में 26/11 (मुंबई हमले) का जवाब नहीं दिया था, लेकिन हमने उरी का

भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदला

जवाब दिया और बालाकोट में भी घुसकर मारा। उन्होंने कहा, किसी ने भी हमसे जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी की उम्मीद नहीं की थी। जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार में हम पहले से ज्यादा महत्वाकांक्षी हो गए हैं। हम सपने देखने लगे हैं और उन्हें पूरे करने के लिए कोशिश भी करने लगे हैं, क्योंकि हमें विश्वास है सरकार हमारे साथ है। सरकार के कुछ ऐसे उल्लेखनीय काम हैं, जिससे पता चलता है कि हम किस समय में और किस दौर में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, जो पहले हमारे नागरिकों के सपने हुआ करते थे, अब उनकी डिमांड बन गए हैं।

जयशंकर ने कहा, भारत और जापान के बीच सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

▶10पर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जताया अंदेशा

जीएसटी बढ़ाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंदेशा जताया है कि केंद्र सरकार जीएसटी स्लैब बढ़ाने की तैयारी कर रही है। राहुल ने कहा, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण सामने आने वाला है। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स (जीएसटी) से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। राहुल ने कहा, सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स

जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना

स्लैब लाने जा रही है। इसके जरिए लोगों की जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपए से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है। यह घोर अन्याय है। अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज माफ करने के लिए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स से लूटा जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के खिलाफ हम मजबूती से आवाज उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

कार्टून कॉर्नर

ओपीएस बनाम एनपीएस बनाम यूपीएस जारी

कर्मचारियों को भूलभुलैया में भटका रही सरकार

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने ओपीएस बनाम एनपीएस बनाम यूपीएस में कर्मचारियों को उलझा रखा है। केंद्र सरकार जान बूझकर कर्मचारियों को भूलभुलैया में भटका रही है, क्योंकि सरकार पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने से कन्नी काट रही है। केंद्र सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए यूपीएस लागू किए जाने की घोषणा के बावजूद पुरानी पेंशन या उस जैसे आर्थिक फायदे देने की मांग को लेकर कर्मचारी लामबंद हैं।

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि उनकी दो मांगें सामने हैं। पहली, वीआरएस के लिए 50 प्रतिशत पेंशन का आधार 25 साल सेवा के अनिवार्य सेवाकाल को बीस वर्ष किया जाए। दूसरा, सेवानिवृत्ति/अनिवार्य सेवानिवृत्ति/ स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी अंशदान की जीपीएफ की तरह पूर्ण वापसी हो और 50 फीसदी पेंशन की पक्की गारंटी मिले। कुछ दिन पहले बीएसएफ से वीआरएस लेने वाले

ओपीएस लागू करने से कन्नी काटने में लगा केंद्र

सिपाही संदीप कुमार (सामान्य ड्यूटी) को बीस वर्ष, तीन माह और 26 दिन की सेवा के बाद एनपीएस में 11500 रुपए मासिक पेंशन मिली है। अगर वे ओपीएस में होते तो उन्हें 32742 रुपए प्रति माह मिलते। यूपीएस में बतौर पेंशन, 29194 रुपए हर माह उनके खाते में आते।

ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल बताते हैं, यूपीएस को लेकर कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। इस बाबत केंद्र सरकार से वार्ता जारी है। उक्त दो मांगों को लेकर वित्त मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही वित्त मंत्री, कर्मचारी संगठनों से बातचीत करेंगी। पटेल ने दावा किया है कि यूपीएस का नोटिफिकेशन जारी होने से पहले सरकार, कर्मचारियों की दो मांगों पर सहानुभूति से विचार कर सकती है। पहली मांग है, जब एनपीएस में पहले से ही यह व्यवस्था है कि आप चाहें तो रिटायरमेंट पर 100 प्रतिशत फंड को एन्युटी के लिए ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,490/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,980/- (प्रति किलोग्राम)

मुडा घोटाला मामला

याचिकाकर्ता कृष्णा ने महाधिवक्ता पर आरोपियों को बचाने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में याचिकाकर्ता ने शनिवार को दावा किया कि महाधिवक्ता आरोपियों को बचा रहे हैं और सरकार के हितों की रक्षा नहीं कर रहे हैं। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इस संबंध में महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को पत्र लिखकर मैसूरु शहर के बाहरी इलाके में कसाबा होबली के केसारे गांव में सर्वे नंबर 464 में स्थित संपत्ति के संबंध में शहरी विकास सचिव को दी गई उनकी कानूनी राय पर आपत्ति जताई है। कृष्णा ने कहा कि उनके पास शहरी विकास विभाग के सचिव को महाधिवक्ता द्वारा दी गई राय की प्रति है और वे इससे हैरान हैं।

कृष्णा ने अपने पत्र में कहा एक जिम्मेदार अधिकारी होने के नाते आपने ऐसी राय दी है जो आरोपियों को बचाएगी। कानून से अनभिज्ञ व्यक्ति की तरह आपने सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के मामले में उल्लंघन किया है और मैं इस संबंध में स्पष्टीकरण और अधिकृत दस्तावेज मांग रहा हूं। हमारा देश लोकतांत्रिक देश है और जनता सर्वोच्च है। आपको जनता द्वारा दिए गए पैसे से वेतन और सुविधाएं दी गई हैं और आप जनता के प्रति जवाबदेह हैं। मैं संविधान के अनुच्छेद 51 ए के प्रावधानों के अनुसार आपके कार्यों पर सवाल उठाने और आपके खिलाफ कार्रवाई की मांग

करने के लिए यह याचिका प्रस्तुत कर रहा हूं। कानून कहता है कि 100 रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति का अनिवार्य रूप से पंजीकरण होना चाहिए। क्या केवल श्वेत पत्र पर बयान के आधार पर लाखों से अधिक की संपत्ति हस्तांतरित करना अवैध नहीं है?

क्या आप जैसे अधिकारियों के लिए इसका समर्थन करना उचित है? त्यागपत्र के अनुसार, संपत्ति के अधिकार माइलरप्पा को हस्तांतरित किए गए थे। 23 साल बाद 1993 में यह निंगा उर्फ जावरा की संपत्ति कैसे हो सकती है? 1993 के बयान में 1968 के त्यागपत्र का उल्लेख होना चाहिए था। क्या इस मामले को छिपाना और बयान दिलवाना कानून के खिलाफ नहीं है? क्या यह अपराध नहीं है? क्या आपके अनुसार यह बयान वैध है? उन्होंने आगे सवाल उठाया है कि

प्रभाव का इस्तेमाल करके भूखंड आवंटित करवाए

इन सभी तथ्यों से यह साबित होता है कि सीएम सिद्धरामैया ने विपक्ष के नेता रहते हुए प्रभाव का इस्तेमाल करके अपनी पत्नी के नाम पर भूखंड आवंटित करवाए थे। अपने 10 पन्नों के ज्ञापन में, कृष्णा ने चेतावनी दी, मैं यह संदेश देना चाहता हूं कि यदि आप इस संबंध में स्पष्टीकरण नहीं देते हैं, तो कार्रवाई शुरू करने के लिए उचित अधिकारियों के समक्ष आपके खिलाफ शिकायत दर्ज कराना अपरिहार्य हो जाएगा। यह मामला सीएम सिद्धरामैया के परिवार को मैसूरु शहर के प्रमुख इलाके में केसारे गांव में अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में मुडा द्वारा 14 भूखंड आवंटित करने से जुड़ा है। फिलहाल कर्नाटक लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले की जांच कर रहे हैं। याचिकाकर्ता कृष्णा ने हाईकोर्ट में मामले को सीबीआई को सौंपने की अपील की है। ईडी ने हाल ही में लोकायुक्त को एक पत्र लिखा था जिसमें कहा गया है कि उसकी जांच में पाया गया है कि आवंटन अवैध रूप से किए गए थे।

राजस्व अधिकारियों के लिए चौथे आरोपी, भूमि मालिक जे. देवराजू के नाम पर भूमि हस्तांतरित करना कैसे संभव था। कृष्णा ने पत्र में कहा इस बात की जांच करनी होगी कि किसके प्रभाव में यह सब किया गया। आपने (महाधिवक्ता) शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए अपनी राय क्यों नहीं दी? क्या ऐसी राय देना आपका कर्तव्य नहीं है? आपने कहा है कि दूसरे आरोपी पार्वती, सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को भूमि का आवंटन कानूनी है। कृष्णा ने कहा जबकि सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि 50:50 अनुपात के तहत भूमि आवंटन नहीं किया जाना चाहिए, फिर भी 50:50 अनुपात में आवंटन की अनुमति दिखाने के बाद फर्जी आवंटन पत्र बनाए गए। क्या यह अपराध है या नहीं? बैठक के मिनट्स को धोखाधड़ी से बनाया गया और इसके आधार पर आवंटन पत्र बनाया गया और भूमि आवंटन किया गया, क्या यह अपराध नहीं है? उन्होंने पत्र में दावा किया कि दी गई सलाह के अनुसार, आपने सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को भूखंड आवंटित करना उचित समझा। एक नियम है, जिसके अनुसार, आवंटन उसी इलाके में किया जाना चाहिए, जहां अधिग्रहित भूमि स्थित है। इस नियम के अनुसार, पार्वती को देवनुरु तीसरे चरण के इलाके में भूखंड आवंटित किए जाने चाहिए थे। उन्हें विजयनगर इलाके में भूखंड क्यों आवंटित किए गए।

गूगल मैप पर भरोसा करना पड़ा महंगा

बिहार का परिवार कर्नाटक के घने जंगल में फंसा

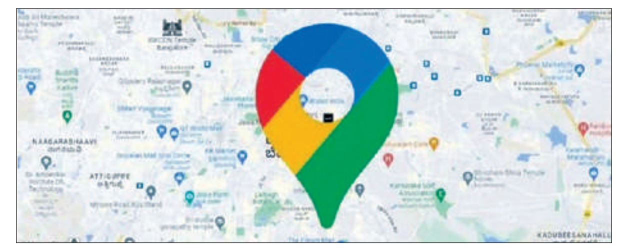

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बिहार से गोवा जा रहे एक परिवार को गूगल मैप पर भरोसा करना महंगा पड़ गया। गूगल मैप के नेविगेशन के कारण उन्हें पूरी रात कर्नाटक के बेलगावी जिले में खानापुर क्षेत्र के जंगल में गुजा-रनी पड़ी। गूगल मैप ने परिवार को जंगल के रास्ते छोटा रूट दिखाया। खतरे से अंजान परिवार ने गूगल पर भरोसा कर उस रास्ते पर वाहन मोड़ लिया। कुछ ही देर में उन्होंने खुद को एक चुनौतिपूर्ण स्थिति में पाया। जंगल में न तो मोबाइल नेटवर्क आ रहा था और न ही बाहर निकलने का स्पष्ट रास्ता दिख रहा था। परिवार ने जंगल से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढने का बहुत प्रयास किया और अंत में थक कर उन्हें वहीं रात गुजारनी पड़ी। अगले दिन सुबह चार किलोमीटर चलने के बाद उनके मोबाइल में नेटवर्क आने लगा। उन्होंने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल किया। स्थानीय पुलिस ने उनके कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। अधिकारियों ने जंगल में फंसे परिवार का पता लगाया और उन्हें सुरक्षित वहां से बाहर निकाला। पिछले महीने गूगल मैप पर भरोसा करने के चक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। गूगल मैप ने उन्हें बरेली में एक निर्माणाधीन पुल के पास लाकर खड़ा कर दिया, जहां उनकी कार नदी में डूब गई। मृतकों की पहचान विवेक और अमित के तौर पर की गई। वे गुरुग्राम से एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश में बरेली के लिए निकले थे, लेकिन गूगल मैप उन्हें उनके गणतव्य तक पहुंचाने के बदले उन्हें मौत का रास्ता दिखा दिया।

चेन्नई वाली किंग्स ने जीती प्रतियोगिता

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा राजस्थान समाज स्मैशिंग लीग वालीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन सीरवी समाज के आरएस रोड बडेर में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आयोजक भरत सीरवी, उत्तम, राकेश पंवार, मुकेश पंवार, धर्माराम सेंणचा, दिनेश पंवार, दिलीप, अनिल सेंणचा व संस्था के मोटाराम सोलंकी, कबूतर भंडार के आंनद राम हाम्बड, सीए माधवसिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस टूर्नामेंट में कुल 11 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला मैसूरु रॉयल टीम व चेन्नई वाली किंग्स के बीच हुआ।

जिसमें चेन्नई वाली किंग्स टीम विजेता रही। मुख्य अतिथि सीरवी समाज के आर एस रोड वडेर के अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर नगद राशि प्रदान की।

वन क्षेत्रों में आदिवासी परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए सिद्धु निवास योजना

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

आजादी से पहले से ही जंगलों में रहने वाले चामराजनगर के आदिवासी समुदाय आज भी दूरदराज के जंगलों में अस्थायी झोपड़ियों और जीर्ण-शीर्ण घरों में रहते हैं। उन्हें उचित आवास उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने आदिवासी परिवारों के लिए घर बनाने की विशेष योजना के तहत राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। ये घर सिद्धु निवास नाम से उपलब्ध कराए जाएंगे। सीमावर्ती जिले चामराजनगर में 32,000 से अधिक आदिवासी परिवार जंगलों में और उसके आसपास रहते हैं। इनमें से अधिकांश परिवार ऐसे घरों में रहते हैं जो खराब स्थिति में हैं, अक्सर छोटे मिट्टी के घरों या

अस्थायी झोपड़ियों में। ऐतिहासिक रूप से, सरकार वन क्षेत्रों में जेनु कुरुबा जनजाति जैसे कुछ समुदायों को घर प्रदान करती रही है, जिसमें प्रत्येक घर की कीमत लगभग 4.5 लाख होती है। हालांकि, चामराजनगर में जेनु कुरुबा के अलावा कई अन्य आदिवासी समुदाय भी जंगलों में रहते हैं। जिला प्रशासन ने अब इन समुदायों के लिए भी घर बनाने का प्रस्ताव रखा है और 2,995 घरों के निर्माण के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। जिला प्रशासन ने आदिवासी समुदायों की आवास आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि 243 परिवारों के पास घर बनाने के लिए उचित आवास या जमीन भी नहीं है। इन परिवारों के लिए प्रशासन ने नई योजना के तहत जमीन और आवास दोनों उपलब्ध कराने का फैसला किया है। 2,995 घरों के निर्माण की अनुमानित लागत 150 करोड़ है, जिसमें प्रति घर औसतन 5 लाख की लागत आएगी। स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ जिला प्रशासन ने इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि अगर सरकार द्वारा मंजूरी दी जाती है, तो इस योजना का नाम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर सिद्धु निवास रखा जाएगा। जिला प्रशासन ने जंगलों में और उसके आसपास रहने वाले आदिवासी परिवारों के लिए उचित आवास सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार को यह विशेष प्रस्ताव सौंपा है। लोगों के कल्याण के लिए अपनी चिंता के लिए जाने जाने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से इस प्रस्ताव पर फैसला लेने की उम्मीद है। अगर सरकार इसे मंजूरी दे देती है, तो यह इन समुदायों के सामने लंबे समय से चली आ रही आवास संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। स्थानीय अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि इस प्रस्ताव को जरूरी मंजूरी मिल जाएगी।

हासन से मेंगलूरु तक एक औद्योगिक गलियारे की घोषणा की जानी चाहिए: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी.देवेगौड़ा ने कहा कि चेन्नई-बेंगलूरु और हैदराबाद-बेंगलूरु दोनों औद्योगिक गलियारों को मिलाकर हासन से मेंगलूरु तक एक औद्योगिक गलियारे की घोषणा की जानी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर यह कॉरिडोर बनेगा तो बड़े पैमाने पर व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने तो चेन्नई-बेंगलूरु कॉरिडोर की घोषणा की गई, लेकिन यह अब तक पूरा नहीं हो सका है। अब चंद्रबाबू नायडू ने हैदराबाद-बेंगलूरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर इन दोनों कॉरिडोर को मिला दिया जाए और हासन, मेंगलूरु औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण किया जाए तो यह उस क्षेत्र के लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक होगा। यदि हासन हवाई अड्डे का विकास किया जाता है, तो पर्यटन और वाणिज्य का भी विकास होगा। हासन में हवाई अड्डे के लिए 1,200 करोड़ की लागत से निविदा बुलाई गई थी। पांच मुख्यमंत्रियों ने शासन किया है। हालांकि, एयरपोर्ट के निर्माण में देरी हो रही है। अब यदि एयरपोर्ट विकसित हो जाता है तो इससे व्यावसायिक विकास के साथ-साथ किसानों के कृषि उत्पादों के निर्यात में भी आसानी होगी।

उन्होंने कहा कि निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

हासन जिले में बेलूर, हलेबिदु, श्रवणबेलगोला तीन महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र हैं। इन स्थानों के लिए बस सुविधा प्रदान की जाती है। यदि पर्यटन विभाग द्वारा ही हवाई अड्डे से इन पर्यटन स्थलों तक टैक्सी सेवा प्रदान की जाए तो पर्यटकों के लिए यह अधिक सुविधाजनक होगा। पर्यटन का भी विकास होगा। हासन में कांग्रेस ने जनकल्याण सम्मेलन की परंपरा का इस्तेमाल देवेगौड़ा को गाली देने के लिए किया है। इसमें कोई दिक्कत नहीं है और लोग आगे निर्णय लेंगे। लोग जानते हैं कि देवेगौड़ा ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना के साथ क्या किया है। बहुत सारे लोगों ने मुझे निशाना बनाया है। फिर भी हम अभी भी जीवित हैं। लक्ष्य को बाधित नहीं किया जा सकता। उन्होंने गरजते हुए कहा, इसे करने दीजिए, कोई भी इसके लिए मना नहीं करेगा। मैंने खुद चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार के रूप में हारने वाले निखिल कुमारस्वामी को सक्रिय रहने के लिए कहा है। लड़ने का साहस है। इसलिए मैंने पार्टी संगठन में शामिल होने का सुझाव दिया। निखिल कुमारस्वामी को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने और लोगों की सेवा करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने भरोसा जताया कि उनके लिए भी अच्छे दिन आएंगे। कुमारस्वामी और मैं एक साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले और एनडीए गठबंधन में शामिल हुए। ऐसे में जेडीएस राज्य में भाजपा के साथ संघर्ष में शामिल होगी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र सोमवार से बेलगावी में होगा और दोनों दलों के विधायक मिलकर तय करेंगे कि क्या मुद्दे प्रस्तावित करने हैं और कैसे लड़ना है।

भाजपा के असंतुष्टों के व्यवहार से आलाकमान चिंतित

पार्टी के दायरे से बाहर जाकर काम न करने की सख्त हिदायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा के अंदर चल रही गुटीय लड़ाई को खत्म करने जा रहे प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल ने सभी को पार्टी के दायरे से बाहर जाकर काम न करने की सख्त हिदायत दी है। पार्टी कार्यालय में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, कोर कमेटी के सदस्य बी.एस.येदियुरप्पा, डी.वी.सदानंद गौड़ा, आर.अशोक और अन्य ने ताजा घटनाक्रम को लेकर चर्चा की। हाल ही में कर्नाटक में भाजपा के अंदर चल रहे घटनाक्रम पर कार्यकर्ता अपना असंतोष जाहिर कर रहे हैं। वह जहां भी जाते हैं, यहां के विकास के बारे में सवाल पर सवाल पूछते हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे किसी का नाम रोशन नहीं होगा। सदन के अंदर और बाहर सरकार से लड़ने के लिए बहुत सारे हथियार हैं। हम अपने आंतरिक कलह के कारण सत्ताधारी दल को हथियार पर हथियार दे रहे हैं। अग्रवाल इस बात से नाराज हैं कि इससे पार्टी संगठन को झटका लगा है। आप लगातार एक दूसरे की आलोचना करते जा रहे हैं। लोग आपको देखते हैं और आपसे बात करते

हैं। आमतौर पर सत्ता पक्ष को विपक्ष द्वारा रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ कर्नाटक में हालात अलग हैं। सत्र के सिर्फ दो दिन बचे हैं। सदन में मुडा, वक्फ, वाल्मीकि घोटाला समेत कई मुद्दों पर चर्चा हो सकती थी। हमारे भीतर का संघर्ष विपक्ष के लिए भोजन है। सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में आपसी दुर्व्यवहार में कमी लाने का सुझाव दिया गया है। यह मत सोचिए कि हम विजयेंद्र गुट या यतनाल गुट हैं, भाजपा में केवल एक ही गुट है। एक बार पार्टी ने निर्णय ले लिया तो कोई भी उस पर सवाल नहीं उठा सकता। विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने के बाद जिसे पसंद या नापसंद हो उसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने उन्हें चेतावनी दी कि वे उनके खिलाफ खुला बयान न दें। एक व्यक्ति को जिम्मेदारी देने के पीछे वरिष्ठों ने कई तरह के गणित लगाए हैं। उन्होंने विजयेन्द्र विरोधी गुट को चेतावनी दी कि एक बार उनका निर्णय अंतिम हो जाने पर कोई भी इस पर सवाल नहीं उठा सकता। विजयेंद्र पर भी कुछ आरोप लगाए गए हैं। मेरा सुझाव है कि आप इसे ठीक कर लें। सभी को विश्वास में लेकर पार्टी का आयोजन करना चाहिए। मालूम हो कि अग्रवाल ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि भाजपा में गुटबाजी की पुनरावृत्ति नहीं होगी और ऐसे लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है।

मरणोपरांत नेत्रदान करवाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा उत्तमचंद छल्लानी का मरणोपरांत नेत्रदान करवाया गया। शुक्रवार को श्रीरामपुरम स्थित निवास स्थान पर स्वर्गीय भिकमचंद छल्लानी के सुपुत्र स्वर्गीय उत्तमचंद छल्लानी का स्वर्गवास हो गया। जिनका परिषद की सजगता एवं परिवार की जागरूकता से शहर के डॉ. राजकुमार आई बैंक के सहयोग से नेत्रदान करवाया गया। इस पर अभातेयुप का श्रद्धांजलि स्वर सर्टिफिकेट परिषद परिवार द्वारा छल्लानी परिवार को प्रदान किया गया एवं परिवार की ओर से नेत्रदान की सहमति प्रदान करने पर परिषद ने छल्लानी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेडीएस का मेगा सम्मेलन 15 को

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन में कांग्रेस के मेगा सम्मेलन के बाद अब जेडी(एस) की बारी है। क्षेत्रीय पार्टी 15 दिसंबर को शहर में केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी के जन्मदिन के अवसर पर उनके सम्मान में एक कार्यक्रम

आयोजित करेगी। जेडी(एस) की जिला इकाई के नेता 15 दिसंबर को शाम 5 बजे सर एम विश्वेश्वरैया स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। पूर्व मंत्री सी एस पुट्टराजू की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। पुट्टराजू ने कहा कि इस अवसर पर दिव्यांगों को दोपहिया वाहन वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा, केंद्र द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा की जाएगी।

बल्लारी मातृ मृत्यु मामले में समिति की रिपोर्ट आने के बाद आगे की होगी कार्रवाई: सिद्धरामैया

इस संबंध में बल्लारी का दौरा कर चुका हूं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा कि बल्लारी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मातृ मृत्यु के मामले में कार्रवाई शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कारणों की जांच के लिए गठित विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद वे आगे की कार्रवाई करेंगे। वे चामराजनगर जिले के कोल्लेगल तालुक के नरीपुरा हेलीपैड पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें पिछले महीने हुई इन मातृ मृत्यु से संबंधित बीआईएमएस पर लोकायुक्त की छापेमारी के बारे में पूछा गया था। सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैं इस संबंध में बल्लारी का दौरा कर चुका हूं। कैबिनेट में इस पर चर्चा हो चुकी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को बीआईएमएस का दौरा किया। हालांकि यह संदेह है कि ये मातृ मृत्यु एक दवा के कारण हुई, लेकिन औषधि नियंत्रक

को पहले ही निलंबित कर दिया गया है और दवा आपूर्तिकर्ता को काली सूची में डाल दिया गया है। हमने इन मौतों के कारणों की जांच के लिए विकास आयुक्त के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है। मातृ मृत्यु से संबंधित भाजपा नेता श्रीरामुलु के विरोध के बारे में सीएम सिद्धरामैया ने दोहराया एक बार समिति रिपोर्ट दे देती है तो हम उन लोगों पर आगे की कार्रवाई शुरू करेंगे जिन्होंने गलती की है। बल्लारी जिले में प्रसव के बाद एक और महिला की मौत के बाद कर्नाटक कांग्रेस सरकार दबाव में है। सिजेरियन सर्जरी से मरने वाली नई महिलाओं की संख्या छह हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घटना पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा था कि लोगों को इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए और इसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया सरकार ने पहले ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा कर दी है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे कि आगे कोई और मौत न हो। नवीनतम पीड़ित की पहचान 25 वर्षीय सुमाया के रूप में हुई है। बल्लारी के विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (वीआईएमएस) में इलाज के दौरान गुरुवार रात उसकी मौत हो गई। मंत्री ने जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अगर कोई स्वस्थ महिला लापरवाही या दोषपूर्ण दवाओं के कारण दम तोड़ देती है, तो यह अस्वीकार्य है। लोगों को ऐसी विफलताओं के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करना चाहिए। मंत्री राव ने इसमें शामिल दवा कंपनी के बारे में भी चिंता जताई। उन्होंने कहा दवा आपूर्ति करने वाली कंपनी की भूमिका संदेह के घेरे में है। ये कंपनियां अक्सर संरक्षण के साथ काम करती हैं। हम अपनी प्रणाली और दवा खरीद प्रक्रिया में कमियों की पहचान करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रणालीगत मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए राव ने कहा चिकित्सा आपूर्ति और खरीद के प्रभारी अधिकारियों को अक्सर चार से छह महीने के भीतर स्थानांतरित कर दिया जाता है। इन भूमिकाओं के लिए ईमानदार और सक्षम अधिकारियों को नियुक्त किया जाना चाहिए। सरकार ने राज्य औषधि नियंत्रक को निलंबित करके तथा खत द्रव आपूर्ति के लिए जिम्मेदार पश्चिम बंगाल स्थित कंपनी के विरुद्ध मुकदमा चलाने के लिए कदम उठाकर तत्काल कार्रवाई की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी किया गया है, तथा उसके परिसर और सुविधाओं का निरीक्षण किया गया है। खत द्रव सहित कंपनी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले सभी उत्पादों के उपयोग को रोक दिया गया है। खत द्रव से संबंधित रिपोर्टों में विसंगति प्रतीत होती है। राव ने कहा जबकि राज्य प्रयोगशाला ने खत द्रव को असुरक्षित बताया, केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला ने इसे सुरक्षित माना। हमने इन रिपोर्टों की विश्वसनीयता के बारे में भारत के औषधि नियंत्रक को लिखा है तथा कानूनी कार्रवाई का अनुरोध किया है। नवीनतम पीड़िता सुमाया को 10 नवंबर को भर्ती कराया गया था। 12 नवंबर को सिजेरियन सर्जरी के बाद, उसे खत द्रव दिया गया, जिसके बाद उसे गुर्दे की समस्या हो गई, जिसके कारण अंततः कई अंग विफल हो गए। वह डायलिसिस पर थी, लेकिन 5 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। सुमाया से पहले, बल्लारी जिले में प्रसव के बाद की जटिलताओं के कारण रोजम्मा, नंदिनी, मुस्कान, महालक्ष्मी और ललितम्मा की भी मौत हो गई थी। इन घटनाओं ने पूरे राज्य में व्यापक चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है।

सरकार ने कोविड अनियमितताओं के घोटाले की आगे की जांच का लिया निर्णय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी विधानमंडल के सत्र में विपक्षी दलों का मुकाबला करने की प्रारंभिक तैयारियों के तहत, राज्य सरकार ने कोविड अनियमितताओं के घोटाले की आगे की जांच करने का निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट उप-समिति की बैठक विधानसौधा में हुई और घोटालों की विस्तृत जानकारी की जांच की गई। जस्टिस माइकल कुन्हा ने मामले में राज्य सरकार को पहले ही अंतरिम रिपोर्ट सौंप दी है और इसके आधार पर राज्य सरकार ने एसआईटी जांच समेत कई कदम उठाए हैं। बाजार दर से अधिक कीमत पर पीपीई किट की खरीद सहित कई खामियों की जांच की गई है। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता सहित गिरोह के नेताओं की भूमिका पाई गई। इस पृष्ठभूमि में, कुछ निजी कंपनियों ने कोविड की स्थिति को प्रभावित और दुरुपयोग किया है और करोड़ों के लूटपाट का आरोप है। बेलगावी सत्र में विपक्षी दल मुडा घोटाला, वक्फ, वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के धन के अवैध हस्तांतरण, बल्लारी जिले में मातृ मृत्यु सहित कई मुद्दे उठा कर सरकार पर हमला करने के लिए तैयार हैं। राज्य सरकार ने कोविड हथियार को जवाबी रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करने का फैसला किया है। मामले में माइकल कुन्हा द्वारा दी गई रिपोर्ट का गहनता से अध्ययन किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है कि कहीं कोई गड़बड़ी न हो। बैठक में मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, दिनेश गुंडूराव, शरण प्रकाश पाटिल और अन्य ने भाग लिया।

होटल कर्मचारी की गला रेतकर हत्या का मामला हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या निकला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी एसपी डॉ. अरुण कुमार ने स्पष्ट किया है कि होटल कर्मचारी श्रीधर (38) की मौत, जिसका शव शुक्रवार सुबह मणिपाल में अनंत कल्याण नगर के पास खून से लथपथ मिला था, की पुष्टि आत्महत्या के रूप में हुई है, न कि हत्या के रूप में। शुरू में, यह संदेह था कि कासरकोडा निवासी श्रीधर की बीयर की बोतल से गला रेतकर हत्या की गई थी।

हालांकि, घटनास्थल की गहन जांच और पास की एक दुकान से सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि मृतक ने खुद ही अपना गला रेत लिया था। मणिपाल के एक होटल में काम करने वाले और सिंडिकेट सर्किल के पास सहकर्मियों के साथ रहने वाले श्रीधर ने कथित तौर पर सुबह जल्दी उठकर बीयर की बोतल से जानलेवा हमला किया। यह हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें वह मौके पर जाता हुआ दिखाई दे रहा है, अचानक अपना गला रेतता है और बेहोश हो जाता है।

आत्महत्या के इस दुर्लभ और वीभत्स तरीके से मृतक का गला लगभग पूरी तरह से कट गया। घटनास्थल पर बीयर की बोतल और एक खाली बैग मिला, लेकिन कोई अन्य महत्वपूर्ण वस्तु नहीं मिली। पुलिस को संदेह है कि मृतक ने यह कठोर कदम उठाने से पहले नशीले पदार्थों का सेवन किया होगा। केएमसी मणिपाल में पोस्टमार्टम किया गया।

जांच में किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना से इनकार किया गया है, लेकिन लोगों ने चिंता जताई है और पुलिस से अनुरोध किया है कि वह इस बात की पुष्टि करने के लिए गहन जांच करे कि इसमें कोई बाहरी संलिप्तता तो नहीं है। डॉ. अरुण कुमार ने पुष्टि की कि सीसीटीवी फुटेज आत्महत्या के निष्कर्ष की पुष्टि करती है। हालांकि, चल रही जांच के कारण फुटेज को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

वोक्कालिगा संत के खिलाफ कार्रवाई, मुस्लिम नेता के खिलाफ नहीं: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शुक्रवार शाम को राज्य सरकार की आलोचना करते हुए सवाल किया कि मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग करने वाले वोक्कालिगा संत के खिलाफ कार्रवाई क्यों की गई, जबकि न्यायपालिका का अपमान करने वाले मुस्लिम नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। बेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा सरकार ने वक्फ भूमि अतिक्रमण पर अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए विश्व वोक्कालिगा महासंघ मठ के प्रमुख कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की। हालांकि, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना अबू तालिब रहमानी द्वारा खुले तौर पर यह कहने के बावजूद कि वे संसद और न्यायपालिका का अपमान करते हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्र सरकार के प्रस्तावित वक्फ विधेयक को चुनौती देने के लिए बेंगलूरु में आयोजित एक बैठक के दौरान रहमानी ने कहा था, हम अदालतों के सामने भीख नहीं मांगेंगे। अगर संसद आपकी है, तो सड़कें हमारी हैं? 2022

में मेंगलूरु शहर में कुकर विस्फोट की घटना के बाद शिवकुमार द्वारा जारी किए गए बयान का हवाला देते हुए अशोक ने दावा किया यह उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कुकर भाइयों के पक्ष में पक्षपात को दर्शाता है, क्योंकि वह उनके खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार करते हैं। अशोक ने जोर देकर कहा कि वोक्कालिगा संत के प्रति उनका समर्थन अटूट है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार अपनी सुविधा के अनुसार मुसलमानों और वोक्कालिगा के पक्ष में झूलते रहते हैं। गृह मंत्री जी. परमेश्वर कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार द्वारा मुख्यमंत्री के पद और सत्ता के बंटवारे पर की गई टिप्पणियों से नाराज हैं। वोक्कालिगा संत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने का प्रस्ताव रखा था और बाद में अपने बयान पर खेद जताया था। कर्नाटक सरकार ने संत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और उन्हें पूछताछ के लिए तलब करने के लिए नोटिस जारी किया है। भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर संत को परेशान किया गया तो सरकार को परिणाम भुगतने होंगे। अशोक ने राज्य सरकार की भी आलोचना की और उस पर दोहरा मापदंड दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया जिस व्यक्ति ने बेंगलूरु में पूज्य संत स्वर्गीय शिवकुमार स्वामीजी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया, उसे भी कांग्रेस भाई मान सकती है। अगर हालात ऐसे हैं, तो हिंदुओं की दुर्दशा के बारे में सोचना चाहिए। जबकि मुस्लिम नेता कहते हैं कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है, कांग्रेस नेता डॉ. बी.आर. अंबेडकर के संविधान को दिखावा के तौर पर पेश करते हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है। अशोक ने बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे की स्थिति पर भी निशाना साधा और इसे गड्ढों का शहर कहा। उन्होंने मांग की कि शहर में एक भी सड़क ऐसी नहीं है, जिसमें गड्ढे न हों। बीबीएमपी आयुक्त दावा करते हैं कि उन्होंने लाखों गड्ढे भरे हैं, लेकिन बाद में वे फिर से अलग-अलग संख्या बताते हैं। कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि ब्रांड बेंगलूरु परियोजना के तहत बीबीएमपी को कितना धन मिला है, न कि केवल हमारे कर, हमारे अधिकार के नारे पर जोर देते हुए और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए। बेंगलूरु के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 100 करोड़ रुपये का धन मिलना चाहिए।

लौह अयस्क की अवैध तस्करी मामला : अदानी कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे राज्य सरकार : बीके हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने मांग की है कि राज्य सरकार को बेलेकेरी बंदरगाह पर जब्त किए गए लौह अयस्क की अवैध तस्करी के लिए अदानी कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जुलाई 2011 में लोकायुक्त की रिपोर्ट में बेलेकेरी बंदरगाह अयस्क तस्करी घोटाले में शामिल चार कंपनियों के नामों का स्पष्ट उल्लेख किया गया था। मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड, सालगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, राजमहल सेंसाकी कंपनियों की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा जब्त किए गए आठ लाख मीट्रिक टन से अधिक

अयस्क की विदेशों में तस्करी के घोटाले में अदानी इंटरप्राइजेज भी शामिल है। लोकायुक्त ने अयस्क तस्करी मामले की जांच करने वाले वन अधिकारी यू.बी.सिंह की जानकारी के आधार पर रिपोर्ट दी थी। इसमें पेज संख्या 51 से 56 के बीच स्पष्ट उल्लेख है कि अदानी कंपनी ने अपनी शाखा को ई-मेल भेजकर सभी अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को पैसे का भुगतान कर दिया। हालांकि रिकॉर्ड है, लेकिन इसके खिलाफ कोई जांच नहीं की गई है। अमेरिका में रिश्वतखोरी मामले में अदानी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि यह संदेहास्पद है कि कर्नाटक में इस तरह का घोटाला होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। 2009 और 2010 में यहां अवैध खनन हुआ और इस अयस्क की तस्करी की कोशिश की गई। वन अधिकारियों ने इसे जब्त कर लिया था। लोकायुक्त ने चल रही जांच पर लंबी रिपोर्ट दी। सीबीआई और लोकायुक्त जांच तब हुई जब सामाजिक परिवर्तन संगठन के एस.आर. हिरेमथ ने इसके आधार पर सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया। तीन तस्करी कंपनियों के खिलाफ जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और कई को दोषी ठहराया गया है, जिनमें कांग्रेस विधायक सतीश सेल भी शामिल हैं। हाईकोर्ट ने भी रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि अगर तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई हुई तो अदानी कंपनी के खिलाफ क्यों नहीं, यह गंभीर सवाल है। जब लोकायुक्त रिपोर्ट पेश की गई तब केंद्र में यूपीए सरकार थी। उसके बाद राज्य में दो बार कांग्रेस की सरकार बनी। हालांकि, बीके हरिप्रसाद ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अदानी कंपनी के खिलाफ कोई जांच नहीं की गई और कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब भी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। कोई भी, चाहे कितना भी बड़ा हो, उसे बिना परवाह किए कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो वह अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक और दौर की प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बेलेकेरी बंदरगाह का अयस्क भूमि की संपदा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रायोजित कंपनी अदानी ने इसे लूट लिया। दिनदहाड़े डकैती इसका वर्णन करने के लिए सबसे सम्मानजनक शब्द हो सकता है। उन्होंने कहा कि अयस्क तस्करी की और भी कठोर शब्दों में आलोचना करने की जरूरत है और इस बात पर संदेह है कि अदानी कंपनी प्रधानमंत्री की है।

जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर महिला से बलात्कार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु ईस्ट पुलिस ने एक महिला से कथित तौर पर बलात्कार के मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने उसकी मदद करने के बहाने जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर महिला का बलात्कार किया। मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि बीएनएस अधिनियम की धारा 64, 331, 351(3), 305(ए), 76 और 3(5) के साथ-साथ आईटी अधिनियम की धारा 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, 21 जुलाई को कादरी के पास गाड़ी चलाते समय उसकी कार में कुछ समस्या आ गई। मोहम्मद शफीन नामक एक बाइक सवार ने कार की मरम्मत करके उसकी मदद की और बाद में उसे कोडियालबेल में उसके अपार्टमेंट पर छोड़ दिया।

बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, 8 अगस्त को जब उसका रेफ्रिजरेटर खराब हो गया, तो उसने मदद के लिए शफीन से संपर्क किया। उसने समस्या को ठीक करने के लिए एक इलेक्ट्रीशियन की व्यवस्था की। मरम्मत के बाद शफीन ने उसे तुरंत रेफ्रिजरेटर चालू न करने को कहा और इलेक्ट्रीशियन को छोड़ने चला गया। बाद में वह फल और जूस लेकर लौटा। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जूस पीने के बाद वह बेहोश हो गई। शफीन ने कथित तौर पर सोते समय उसका यौन शोषण किया। उसने दावा किया कि होश में आने के बाद उसने उसे बताया कि उसने इस कृत्य को रिकॉर्ड कर लिया है और वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी। इस धमकी का इस्तेमाल करते हुए, शफीन ने कथित तौर पर कई बार उसके साथ ऐसा किया और यहां तक कि उस पर तेजाब फेंकने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता ने शफीन पर उसकी कार छीनने का भी आरोप लगाया। 25 अक्टूबर को, जब वह अपनी कार वापस लेने के लिए डेरालाकाटे में उसके अपार्टमेंट में गई, तो शफीन के भाई मोहम्मद शियाब ने कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की और उसे जान से मारने की धमकी दी। 27 अक्टूबर को, शफीन कथित तौर पर उसके घर में घुसकर 62,000 रुपये नकद से भरा बैग लेकर भाग गया। उसकी शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

बेलगावी शीतकालीन सत्र के सुचारू संचालन के लिए

आवास, परिवहन सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रशासन ने बेलगावी शीतकालीन सत्र 2024 के सुचारू संचालन के लिए आवास, परिवहन सहित सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए पहले ही 10 समितियों का गठन किया जा चुका है। विधायकों, मंत्रियों और अधिकारियों के आवास के लिए निजी होटलों और गेस्ट हाउसों में कुल 2,756 कमरे आरक्षित किए गए हैं। कार्यक्रम देखने आने वाली जनता के लिए 8 स्थानों पर भुगतान के आधार पर कैंटीन की व्यवस्था की गई है।

महिला स्वयं सहायता समितियों सहित विभिन्न प्रकार के संगठनों के लिए भी 38 स्टॉल लगाने की अनुमति दी जा रही है। सुवर्ण विधान सौधा में बीएसएनएल सहित सभी निजी संस्थानों द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट इंटरनेट कनेक्टिविटी है। परिवहन आवश्यकताओं के लिए विभिन्न जिलों से विभिन्न वाहनों की

व्यवस्था की गई है और ड्राइवरों के लिए डीटीआई, स्पोर्ट्स हॉस्टल और अंबेडकर भवन में आवास की व्यवस्था की गई है। निजी वाहनों का भी उपयोग किया जायेगा।

सत्र में सार्वजनिक पहुंच के लिए, आगंतुकों और प्रतिनिधियों के लिए संबंधित कर्मचारियों को पास जारी करने के लिए एक ऑनलाइन पास प्रणाली स्थापित की गई है। जन प्रतिनिधियों के स्टाफ को पास जारी करने के लिए एक पोर्टल बनाया गया है। महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी के एक भाग के रूप में, सुवर्ण विधान सौधा के परिसर में एक फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के लिए वाद-विवाद, भाषण, लघु फिल्म स्क्रीनिंग जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 9 दिसंबर से बेलगावी शहर के 30 प्रमुख सर्किलों में मैसूरु दशहरा-शैली दीपालंकार की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कांग्रेस शताब्दी कार्य योजना के लिए 24 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसे विभिन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। गतिविधि-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सुवर्णसौधा के पास एक विज्ञान पार्क का उद्घाटन किया जाएगा। सत्र में व्यवधान से बचने के लिए विरोध में आगे आये विभिन्न संगठनों से प्रशासनिक चर्चा की गयी है। सुरक्षा के लिए 6,000 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। प्रदर्शनकारियों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था की गई है। अब तक विरोध के लिए 55 आवेदन प्राप्त हुए हैं और मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

बेलगावी में शीतकालीन सत्र की अंतिम तारीख तय होने के साथ ही किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर कमर कस रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में 1 लाख से अधिक किसानों के भाग लेने की उम्मीद है। जिला कलक्टर ने कहा कि पूरे बेलगावी का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, इस बार हमने सुवर्ण विधान सौधा में जनप्रतिनिधियों से मिलने और कार्यवाही देखने के लिए आने वाले लोगों को ऑनलाइन पास देने की व्यवस्था की है। जिलाधिकारी मोहम्मद रोशन ने बताया कि जन प्रतिनिधियों के स्टाफ के लिए पास जारी करने के लिए एक अलग पोर्टल भी बनाया गया है।

राज्य सरकार मातृ मृत्यु के शवों पर कर रही जनकल्याण सम्मेलन: पी. राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 8 महीनों से कर्नाटक में लगातार यहां-वहां मातृ मृत्यु के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि राज्य सरकार मातृ मृत्यु के शवों पर जनकल्याण सम्मेलन कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार पर इस तरह की खराब गुणवत्ता वाले खत तरल पदार्थ की आपूर्ति के लिए प्रत्यक्ष कारण के रूप में रिश्वत लेने का आरोप लगाया।

इस मामले को गंभीरता से लड़ने के प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान के परिणामस्वरूप, पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु, विधान परिषद सदस्य सतीश, पूर्व विधायक सोमशेखर रेड्डी और भाजपा के सभी नेता बल्लारी में बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने मंत्री की बल्लारी यात्रा को घड़ियाली आंसुओं वाली यात्रा बताकर आलोचना की और मांग की कि अनैतिक स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। बल्लारी में भाजपा का विरोध प्रदर्शन सिर्फ कुछ घंटों के लिए नहीं था, बल्कि जब तक पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिल जाता तब तक संघर्ष जारी रहेगा। मंत्री की बर्खास्तगी, न्यायिक जांच, 25 लाख मुआवजा की मांग पर सरकार ने जवाब नहीं दिया तो भूख हड़ताल की जायेगी। उन्होंने ऐलान किया कि भाजपा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी। मुख्यमंत्री को दिनेश गुंडूराव को तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। आपने मृतक के परिवार को भिक्षा मुआवजा दिया है, मौत सरकार की लापरवाही के कारण हुई थी और प्रत्येक परिवार को 25 लाख का मुआवजा दिया जाए। प्रतिबंधित दवा कंपनियों से किसे रिश्वत मिली? मौत के कारण कौन हैं? उन्होंने कहा कि सिर्फ ड्रग कंट्रोलर को सस्पेंड करने से न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने न्यायिक जांच की मांग की। भाजपा लॉ कमीशन सरकार, मंत्रियों और ड्रग कंट्रोलर पर मासूम की मौत का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराएगी। हम कानून की लड़ाई भी लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र जल्द ही बल्लारी का दौरा करेंगे। सरकार में विकास करने की क्षमता नहीं है। आपके पास जनता को न्याय देने और लोगों की जान बचाने की क्षमता नहीं है। आप कमीशन के लिए काम करते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकार बयानबाजी कर ध्यान भटका रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के पास यह बताने और पता लगाने की क्षमता नहीं है कि बिटकॉइन किसने चुराए। इस मौके पर प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, प्रदेश मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले उपस्थित थे।

अगर नैतिकता है तो दिनेश गुंडूराव दें इस्तीफा

बल्लारी पर संवेदनशीलता खो चुकी है कांग्रेस सरकार: प्रह्लाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बात पर आपत्ति जताई कि सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बल्लारी को लेकर अपनी संवेदनशीलता पूरी तरह खो चुकी है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मातृ मृत्यु की संख्या में वृद्धि पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने आलोचना की कि 2013 में सत्ता में आने से पहले सिद्धारमैया बल्लारी का राग अलाप रहे थे। भ्रष्टाचार के कारण खराब गुणवत्ता वाली दवा आपूर्ति कर वे लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन की पूरी तरह से अनदेखी करने और उन्हें उत्पाद

शुल्क घोटालों से बचाने के लिए बकवास करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। स्वास्थ्य क्षेत्र राज्य सरकार की प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि ये वही लोग हैं जो बारिश ज्यादा हो, जनसंख्या ज्यादा हो या कम हो, इन सबके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। दिनेश गुंडूराव में संवेदनशीलता की कमी है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि वह सिद्धरामैया के बचकाने व्यवहार से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर उनमें नैतिकता है तो पहले उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। उन्होंने इन सभी की नाटक कंपनियाँ कहकर आलोचना की। प्रभारी मंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सहित किसी ने भी बल्लारी का दौरा नहीं किया है।

अभिनेता दर्शन ने सर्जरी के मामले में अदालत को किया गुमराह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेणुकास्वामी हत्याकांड में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत पर चल रहे अभिनेता दर्शन को आत्मसमर्पण कर जेल वापस लौट जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपनी चिकित्सा स्थिति के बारे में अदालत को गुमराह किया है। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) पी प्रसन्ना कुमार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष यह तर्क दिया। अभिनेता ने दावा किया था कि अगर उन्होंने पीठ दर्द के लिए तुरंत सर्जरी नहीं करवाई तो उन्हें स्ट्रोक हो सकता है, लेकिन अंतरिम जमानत मिलने के बाद, रक्तचाप में उतार-चढ़ाव का हवाला देते हुए सर्जरी के लिए भर्ती नहीं हुए, हालांकि इसे एक या दो दिन में नियंत्रित किया जा सकता है। एसपीपी ने न्यायमूर्ति एस विश्वजीत शेट्टी के समक्ष दर्शन के वकील द्वारा उनकी जमानत याचिका पर दी गई दलीलों के

जवाब में कहा कि गत 30 अक्टूबर को अंतरिम जमानत मिलने के पांच सप्ताह बाद भी, उन्होंने सर्जरी नहीं करवाई। दर्शन द्वारा प्रस्तुत दो मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रसन्न कुमार ने कहा कि 11 नवंबर की पहली रिपोर्ट में अभिनेता को सर्जरी के लिए तैयार करने का उल्लेख था। 21 नवंबर की दूसरी रिपोर्ट में कहा गया था कि रक्तचाप (बीपी) में उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें सर्जरी के लिए तैयार किया जा रहा। मेडिकल रिपोर्ट के साथ दिए गए चार्ट के अनुसार 6 नवंबर तक बीपी ठीक लग रहा था, उसके बाद डॉक्टर ने बताया कि बीपी लगभग 140, 150 और इसी तरह था। सर्जनों के अनुसार, यदि बीपी में उतार-चढ़ाव होता है, तो 2.22 रुपये की एक छोटी सी गोली एक या दो दिन में इसे सामान्य करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन मामलों में, बिना समय गंवाए सर्जरी की जाती है। अंतरिम जमानत मांगते समय कहा गया था कि यदि पीठ दर्द के लिए तुरंत सर्जरी नहीं की जाती है, तो आरोपी को स्ट्रोक होने की संभावना है, और जमानत दे दी गई। लेकिन, अदालत द्वारा दिए गए छह सप्ताह के पांच सप्ताह पूरे होने के बाद भी, दर्शन को अभी भी सर्जरी के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे साफ पता चलता है कि आरोपी ने अदालत को गुमराह किया है। प्रसन्ना कुमार ने तर्क दिया कि उसके आचरण को देखते हुए उसे आत्मसमर्पण करने और जेल वापस जाने के लिए कहा जाना चाहिए और जमानत आदेश पारित होने तक पारंपरिक उपचार जारी रखा जा सकता है। मृतक रेणुकास्वामी के आचरण पर दर्शन के वकील की दलीलों पर, कुमार ने तर्क दिया कि मृतक ने कथित तौर पर अपने जननांगों की तस्वीरें आरोपी नंबर 1 पवित्रा गौड़ा को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से भेजी थीं। इंस्टाग्राम ऐप ब्लॉकिंग या रिपोर्ट करने के विकल्प प्रदान करता है, लेकिन आरोपी ने उनका उपयोग नहीं किया। इसके बजाय, उसने मृतक को आरोपी नंबर 3 के माध्यम से एक संदेश भेजा और आरोपी नंबर 3 ने पवित्रा गौड़ा के रूप में उससे चैट करना शुरू कर दिया। अगर वे वास्तव में उससे बचना चाहते थे, तो वे उसे ब्लॉक कर सकते थे। बाद में कोर्ट ने सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

किसी को इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए

कर्नाटक में कोई सत्ता-साझेदारी समझौता या फॉर्मूला नहीं: डी के शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि पार्टी में किसी को भी उनके और सीएम सिद्धरामैया से जुड़े किसी सत्ता-साझेदारी समझौते या फॉर्मूले के बारे में बात नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ऐसी कोई बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे कुछ राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस प्रमुख भी हैं, का यह बयान सिद्धरामैया द्वारा उनके इस दावे को खारिज करने के कुछ दिनों बाद आया है कि उनके बीच सत्ता-साझेदारी समझौता है। किसी को भी किसी भी विपक्ष (समझौते) के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। कोई फॉर्मूला

(सत्ता-साझेदारी फॉर्मूला) या कुछ भी नहीं है। हम दोनों कुछ राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। मैंने कभी किसी फॉर्मूले के बारे में बात नहीं की, ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने राष्ट्रीय चैनल को जो बताया वह यह है कि हम कुछ समझ पर पहुँच गए हैं। सीएम को कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है और मुझे कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिवकुमार ने कहा मैं उसी के अनुसार काम कर रहा हूं। किसी भी फॉर्मूले के बारे में बोलने की कोई जरूरत या स्थिति नहीं है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि सीएम ने जो कुछ भी कहा है वह अंतिम है और यह (मामला) अब बंद हो गया है या खत्म हो गया है। शिवकुमार ने कथित तौर पर हाल ही में एक समाचार चैनल से कहा था कि सत्ता में आने से पहले उनके बीच एक समझौता हुआ था, जिस पर सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं था और वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।

सिद्धरामैया की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे, वह अंतिम होगा, इस पर कोई आपत्ति नहीं है। कांग्रेस द्वारा सरकार बनाने से पहले सीएम और डिप्टी सीएम को लेकर किसी भी तरह के सत्ता-साझाकरण समझौते की संभावना को खारिज करते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि आखिरकार, आलाकमान फैसला लेगा और सभी उसका पालन करेंगे। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस ने शिवकुमार को मनाने में कामयाबी हासिल की थी और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया था। उस समय कुछ खबरें थीं कि रोटेशनल चीफ मिनिस्टर फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया था, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद सीएम बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से छुपाया नहीं है।

युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड से 2.57 करोड़ की फिरौती मांगी, गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीसीबी के अधिकारियों ने एक युवक को अपनी 19 वर्षीय प्रेमिका को निजी वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने और उससे 2.57 करोड़ रुपये ऐंठने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चामराजपेट के 19 वर्षीय मोहन कुमार के रूप में हुई है। सीसीबी के सूत्रों ने बताया कि कुमार और उसका दोस्त देवनहल्ली के एक बोर्डिंग स्कूल में साथ-साथ पढ़ते थे।

प्री-यूनिवर्सिटी के दिनों में वे रिलेशनशिप में थे। छुट्टियों के दौरान, वे कुमार के दोस्तों के साथ घूमने जाते थे। एक ट्रिप के दौरान, कुमार ने कथित तौर पर अपनी दोस्त से वादा किया कि वह उससे शादी करेगा, जिसके बाद वे रिलेशनशिप में थे। जब वे साथ होते थे, तो वह चुपके से वीडियो रिकॉर्ड करता था और तस्वीरें लेता था।

यह जानते हुए कि उसकी प्रेमिका के पिता एक अमीर व्यवसायी हैं, कुमार ने उससे पैसे ऐंठने की साजिश रची। वह उससे पैसे माँगने लगा। जब उसने मना किया, तो उसने कथित तौर पर वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करने की धमकी दी। इस डर से लड़की ने कुमार के बताए अनुसार अपनी दादी के बैंक खाते से 1.25 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। इसके अलावा, उसने कुमार को 1.32 करोड़ रुपए नकद दिए। सूत्रों ने बताया कि कुमार ने लड़की पर सोना, महंगी घड़ियां और एक गाड़ी देने का दबाव भी बनाया। जब उसकी मांगें बढ़ने लगीं और उसने कथित तौर पर उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी देनी शुरू कर दी, तो लड़की ने सीसीबी में शिकायत दर्ज कराई।

एफआईआर के मुताबिक, लड़की ने कुमार के पिता और अन्य के बैंक खातों में भी पैसे ट्रांसफर किए। जांच अधिकारी कुमार के पिता और एफआईआर में बताए गए अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रहे हैं। जांच अधिकारियों ने आरोपी से 80 लाख रुपए बरामद किए हैं। कुमार पर पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज किया गया है, क्योंकि जब उसने वीडियो रिकॉर्ड किया था, तब लड़की नाबालिग थी। आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक लोकायुक्त ने बल्लारी के सरकारी अस्पतालों पर छापे मारे

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने सिजेरियन डिलीवरी के बाद मातृ मृत्यु की श्रृंखला के संबंध में शनिवार को बल्लारी के सरकारी अस्पतालों पर छापे मारे। राज्य लोकायुक्त की तीन टीमों ने विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (वीआईएमएस) और बल्लारी जिला सरकारी अस्पताल के परिसरों में तलाशी ली। लोकायुक्त एसपी सिद्धाराजू के नेतृत्व में टीमों ने चिकित्सा सुविधाओं के प्रसव वार्ड और गोदामों पर छापे मारे। टीमों ने बल्लारी जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग का भी निरीक्षण किया और सर्जरी के बाद दिए जाने वाले अंतःशिरा (आईवी) और रिंगर्स लैक्टेट (आरएल) द्रव के बारे में जानकारी एकत्र की। उन्होंने आईवी द्रव के प्रशासन के बाद महिलाओं को होने वाली जटिलताओं के बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों से भी पूछताछ की।

हालांकि, लोकायुक्त की छापेमारी के बारे में अभी आधिकारिक बयान नहीं आया है। एक महीने में बल्लारी जिला स्वास्थ्य अस्पताल से पांच और बल्लारी के वीआईएमएस से एक मातृ मृत्यु की सूचना मिली है। कर्नाटक उपलोकायुक्त न्यायमूर्ति बी. वीरप्पा ने हाल ही में बल्लारी जिला अस्पताल और बल्लारी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमआरसी) के डॉक्टरों के खिलाफ प्रसव के बाद पांच महिलाओं की मौत के संबंध में मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। इस संबंध में 29 नवंबर को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और उसके आधार पर उपलोकायुक्त ने डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

इसने बल्लारी जिले के उपायुक्त, बल्लारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बेंगलूरु के आयुक्त को एक महीने के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को लोकायुक्त के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाले खत द्रव के कारण राज्य में मातृ मृत्यु की जांच की मांग की गई थी और इस त्रासदी की न्यायिक जांच की मांग की थी। भाजपा ने तत्काल राहत और मुआवजा, जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और व्यापक स्वास्थ्य सेवा सुधारों की भी मांग की।

पानी की कमी से जूझ रहा कश्मीर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 07 दिसंबर।

कश्मीर के मोर्चे से एक बुरी खबर यह कही जा सकती है कि कश्मीर वादी पानी की कमी से जूझ रही है। कारण पूरी तरह से स्पष्ट है। करीब 72 फीसदी वर्षा की कमी का नतीजा है कि आने वाले दिनों में पीने के पानी का संकट सामने दिखने लगा है। कश्मीर में सूखे की स्थिति और अपर्याप्त वर्षा के कारण नदियों, झरनों और अन्य जल निकायों में जल स्तर में चिंताजनक गिरावट देखी जा रही है। विशेषज्ञ और अधिकारी पेयजल, सिंचाई और घाटी के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र पर संभावित दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में चिंता जता रहे हैं।

हालांकि, अधिकारियों ने क्षेत्र में स्थिर पेयजल आपूर्ति की रिपोर्ट की है, जिसका मुख्य कारण मौसमी मांग में कमी है। हालांकि, महत्वपूर्ण वर्षा की कमी दीर्घकालिक चुनौती बनी हुई है, जिसके कारण अधिकारी जलाशयों को रिचार्ज करने के लिए तत्काल वर्षा और बर्फबारी की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। कश्मीर के लिए मुख्य अभियंता सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आईएफसी) और सीई पीएचई जल शक्ति के अतिरिक्त प्रभार के साथ, इंजीनियर ब्रह्म ज्योति शर्मा ने कहा कि जल निकायों में जल स्तर में कमी के साथ चल रहे सूखे के बावजूद, वे क्षेत्र में पर्याप्त जल आपूर्ति का प्रबंधन कर रहे हैं। सीई आईएफसी ने कहा, वर्षा और बर्फबारी की कमी के कारण हमारी नदियां, तालाब और झरने सूख रहे हैं। ये जल स्रोत हमारी पेयजल आपूर्ति और कृषि आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम जल्द ही वर्षा की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि प्राकृतिक रिचार्ज मानवीय हस्तक्षेप से परे है।

वर्षा नहीं हुई तो पीने को नहीं मिलेगा पानी

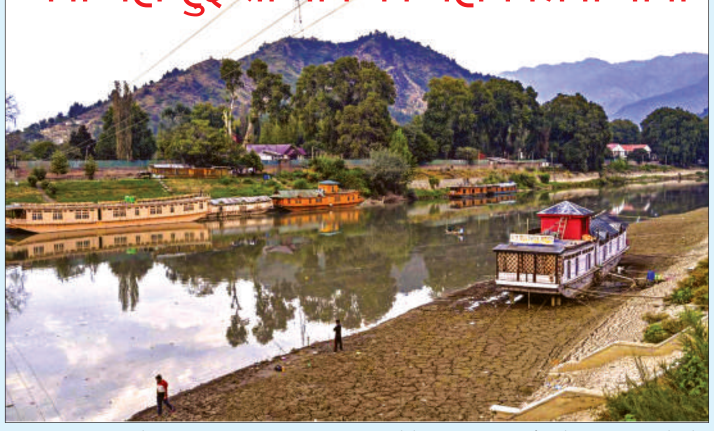

संकट के जवाब में, उन्होंने कहा कि उन्होंने जल आपूर्ति को स्थिर करने के लिए कदम उठाए हैं, उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कृषि मौसम के समाप्त होने के साथ सिंचाई की मांग में काफी कमी आई है। एक अन्य शीर्ष अधिकारी ने बताया, फिलहाल, हम पर्याप्त पेयजल आपूर्ति बनाए रखने में कामयाब हो रहे हैं, लेकिन आने वाले महीनों में वर्षा की कमी एक गंभीर चुनौती है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कश्मीर के जल संसाधनों को बनाए रखने में बर्फबारी की महत्व-पूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बर्फबारी एक प्राकृतिक जलाशय के रूप में कार्य करती है, जो गर्मियों के महीनों में ग्लेशियरों, धाराओं और नदियों को पोषण देती है। पर्याप्त बर्फबारी के बिना, क्षेत्र को चरम मांग अवधि के दौरान पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में नदियों और नदियों को फिर से भरने के लिए बर्फबारी आवश्यक है, उन्होंने कहा कि यह गर्मियों के भंडार के रूप में कार्य करता है, और इसकी अनुपस्थिति से हमारे जल संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। अधिकारी ने कहा कि सर्दियों की शुरुआत में सिंचाई गतिविधियों के समाप्त होने के कारण मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, लेकिन मौसमी आबादी के चले जाने से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति भी बढ़ गई है।

अधिकारियों ने यह भी माना कि निरंतर शमन प्रयासों के बावजूद जल भंडारों पर दबाव बढ़ रहा है, उन्होंने कहा कि घाटी में गहराते जल संकट के लिए वर्षा और बर्फबारी ही एकमात्र स्थायी समाधान है। अधिकारी ने कहा, हम आपूर्ति को प्रबंधित करने के लिए अपने नियंत्रण में सब कुछ कर रहे हैं, लेकिन प्रकृति की मदद के बिना, हमारे संसाधन खतरे में रहेंगे।

स्वामीनारायण के कार्यकरों की सेवा वंदनीय: मोदी

अहमदाबाद, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोचावासन अक्षर पुरुष-ोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के कार्यकर सुवर्ण महोत्सव का आज शुभारंभ किया और कहा कि बीएपीएस के वंदनीय कार्यकर अपनी सेवा से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सशक्त कर रहे हैं।

श्री मोदी ने वीडियो लिंक के माध्यम से नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित सुवर्ण महोत्सव में आए स्वामीनारायण संप्रदाय एक लाख से अधिक कार्यकरों के को संबोधित किया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्टेडियम में प्रमुख स्वामी जी और महंत स्वामी जी के साथ पूरे तीन घंटे तक लेजर और संगीत की रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया। दूरदर्शन एवं अनेक चैनलों पर इस भव्य समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, सेवा के 50 वर्ष की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। पचास वर्ष पहले स्वयं सेवकों का रजिस्ट्रेशन करके उन्हें सेवा कार्यों से जोड़ने की शुरूआत हुई। उस समय कार्यकर्ताओं के रजिस्ट्रेशन कराने के बारे में कोई सोचता भी नहीं था। आज ये देखकर बहुत खुशी होती है कि बीएपीएस के लाखों कार्यकर पूरी श्रद्धा और समर्पण से सेवा कार्यों में जुटे हैं, जो किसी संस्था के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि भुज में भूकंप से हुई तबाही के बाद के हालात हो, नरनारायण नगर गांव का पुर्ननिर्माण हो, चाहे केरल की बाढ़ हो, उत्तराखंड में भू-स्खलन की पीड़ा हो या फिर कोरोना जैसी महामारी की आपदा हो, हमारे कार्यकर साथी हर जगह परिवारभाव से खड़े होते हैं, करुणा भाव से सेवा करते हैं।

श्री मोदी ने यूक्रेन रूस युद्ध के शुरू होने पर उनके एक अनुरोध पर पोलैंड की सीमा पर बीएपीएस कार्यकरों द्वारा भोजन की व्यवस्था करने का उदाहरण दिया और कहा कि आज बीएप-ीएस के कार्यकर दुनिया भर में सेवा के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन ला रहे हैं। अपनी सेवा से करोड़ों आत्माओं का स्पर्श कर रहे हैं और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सशक्त कर रहे हैं। इसलिए वे प्रेरणा हैं, पूज्य हैं, वंदनीय हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। सेवा परमो धर्म: - ये सिर्फ शब्द नहीं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं। सेवा को श्रद्धा, आस्था और उपासना से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। देश की जनता आपसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र-निर्माण की यात्रा के लिए आगे बढ़ रही है।

मध्य प्रदेश के स्कूलों में बने दर्जनों अवैध मजार

सिहोर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

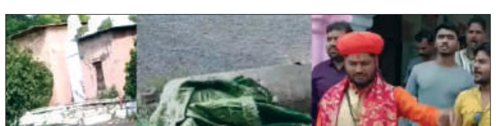

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सरकारी स्कूल परिसरों में कई मजार बनाए जाने के मामले सामने आए हैं। इस मामले में छात्रों और शिक्षकों ने शिकायत की है कि स्कूल में बने इन मजारों पर बाहरी लोग आते हैं और अंधविश्वास फैलाने वाली गतिविधियां होती हैं।

1837 में स्थापित एक्सीलेंस स्कूल के परिसर में 7 मजार पाए गए, जिनमें से कुछ को अलग दीवार और जालियों से घेरा गया है। इन मजारों पर हरे चादर, अगरबत्ती और अन्य सामग्री देखी गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सरकारी ज़मीन पर कब्जा करने की साजिश है। रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने हरकत में आकर पुलिस को मामले की जांच के लिए भेजा। वहीं, हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर अवैध कब्जा नहीं हटाया गया, तो वे हर मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ करेंगे।

स्कूल प्रशासन ने इन मजारों के बारे में अनभिज्ञता जताई है, जबकि स्थानीय लोगों ने 20 से अधिक मजार होने और रात में शैतान भगाने गतिविधियाँ होने की बात कही है। मामले ने छात्रों की सुरक्षा और स्कूल की ज़मीन पर खतरा पैदा कर दिया है।

हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ खड़ा हो रहा नागरिक समाज

सड़कों पर उतरे बरनाला के हिंदू और सिख

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ 10 दिसंबर को नागरिक समाज संगठनों द्वारा बांग्लादेश दूतावास तक मार्च निकाला जायेगा। इसका उद्देश्य हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा और उत्पीड़न की ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करना है।

दिल्ली के नागरिक समाज ने 200 से अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ मिलकर शुक्रवार को दिल्ली के साउथ एवेन्यू, 93 पर आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। राजदूत वीणा सिकरी (आईएफएस, बांग्लादेश में पूर्व उच्चायुक्त) और राजीव जैन (आईपीएस, पूर्व महानिदेशक, खुफिया ब्यूरो और सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग) सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मीडिया को संबोधित किया।

आयोजकों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए वहां मानवाधिकार उल्लंघन रोकने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने हिंसा को तुरंत रोकने, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों के तहत अधिकारों को लागू करने और इस्कॉन संन्यासी श्री चिन्मय कृष्ण दास को तत्काल रिहा करने की मांग की। वक्ताओं ने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और बांग्लादेश में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक एकजुटता की अपील की।

उधर, बरनाला में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जो प्राचीन शिव मंदिर स्टेशन से भगत सिंह चौक तक गया। इसमें सभी हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध धर्म के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। उनके हाथों में भगवा झंडे और तिरंगे झंडे थे और वे देशभक्ति और इस्लामी जेहाद मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद का पुतला व बांग्लादेश का झंडा फूंका और भारत सरकार से हिंदुओं पर हो रहे हमलों को तुरंत रुकवाने की अपील की।

श्रीलक्ष्मी मंदिर के प्रमुख महंत श्री निवास, शिव मठों के प्रमुख महंत सहज प्रकाश, नील मन सिंधी, राजपुर धूरकोट, विश्व हिंदू परिषद् जिला अध्यक्ष यशपाल शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला कार्यवाह रोशनलाल, नगर कार्यवाह दीपक जिंदल, बजरंग दल के राहुल बाली, जिला तजिंदर पिंटा, स्वामी नितेश्वर नंद, अनिल नाना, विशाल शर्मा, धर्म सिंह फौजी, ऋतु बंसल, गुरशरण सिंह, प्रेमू सोथा, डॉक्टर सतीश कुमार, विशाल कुमार, देवी प्रसाद विभाग से बजरंग दल के सोनी गोयल व अन्य सैकड़ों शहर निवासियों ने बंगलादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता है गुजरात : शाह

अहमदाबाद, 07 दिसंबर (वार्ता)

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है।

श्री शाह ने गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के 34 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज मनाए गए लोकसेवा के उत्सव पर कहा, गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट अपने 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं ट्रस्टियों को उनके नेक और निस्वार्थ प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आज इस संगठन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करता हूं। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, सच्चा ज्ञान दूसरों की सेवा करने के लिए खुद से ऊपर उठने में निहित है। यह ट्रस्ट सेवा और करुणा की इसी भावना का उमदा उदाहरण है।

उन्होंने इस अवसर पर भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति द्वारा परिकल्पित जन कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सरकार ने नागरिकों को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा,''इन पहलों ने पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। हालांकि, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार अकेले यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती। कई ट्रस्टों और व्यक्तियों ने इसे साकार करने में योगदान दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सेवा के प्रति गुजरात के गहरे मूल्यों की भी सराहना की तथा प्रति व्यक्ति रक्तदान, धर्मार्थ स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अंग एवं नेत्रदान में गुजरात के नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,गुजरात अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है। गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे

संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहन गुप्ता ने कहा,34 वर्षों की यह यात्रा करुणा और सेवा की शक्ति को दर्शाती है।

हम हर साल 20-25 हज़ार लाभार्थियों की पहचान करते हैं और उनकी सहायता करते हैं। पिछले दो वर्षों में, हमने दो लाख से ज़्यादा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद की है। अपने 35वें वर्ष में कदम रखते हुए, हम वृद्ध, विद्यार्थी, विकलांग, विधवा और वंचित लोगों के उत्थान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने और एक सार्थक बदलाव लाने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि राजकुमार गुप्ता और सुरेखा गुप्ता द्वारा वर्ष 1990 में स्थापित गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने की दिशा में निस्वार्थ भाव से काम कर रहा है। ट्रस्ट ने छात्रवृत्ति, दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर और अन्य उपकरण प्रदान करने, मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर आयोजित करने, चिकित्सा सहायता प्रदान करने और अन्य माध्यमों से पांच लाख से अधिक लोगों की मदद की है।

इसके अलावा, यह ट्रस्ट सरकार और लाभार्थियों के बीच एक सेतु का काम करते हुए वंचित समुदायों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करता है। सोशल मीडिया और अन्य चैनलों का लाभ उठाकर ट्रस्ट ने अपनी सेव-ाओं के ज़रिए लाखों लोगों तक अपनी पहुँच बनाई है। इस पहल ने अन्य लोगों को भी ट्रस्ट से जुड़ने और इसके नेक कामों में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

ट्रस्ट अपने 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तभी इसने बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए एक परिसर, जरूरतमंदों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला एक अस्पताल, बुजुर्गों के लिए एक वृद्धाश्रम, एक अनाथालय और वंचितों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार हेतु एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का संकल्प लिया है। यह ट्रस्ट न केवल मानवता की सेवा का प्रतीक है, बल्कि वंचितों के लिए आशा की किरण भी है। रोहन गुप्ता और अर्पण गुप्ता के कुशल नेतृत्व में, ट्रस्ट अपनी गतिविधियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट ने अपने 34 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज लोकसेवा का उत्सव मनाया और 35वें वर्ष में त्याग, सेवा और करुणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए, गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट ने अपनी नई पहल, वडिल दत्तक योजना का अनावरण किया।

बीवी की हत्या कर भागा मोहम्मद नसीम गिरफ्तार

6 बच्चों संग बिहार पहुंच कर रचाया तीसरा निकाह

बेंगलुरु/मुजफ्फरपुर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

बेंगलुरु के एक नाले से मिली महिला की लाश के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासे किए हैं। हत्या के आरोपी मोहम्मद नसीम को पुलिस ने बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया है। 39 वर्षीय नसीम, जो पेशे से पेंटर है, ने अपनी 22 वर्षीय दूसरी बेगम रुमेश खातून की हत्या कर दी थी। बेगम को मारने के बाद वह अपने 6 बच्चों को लेकर फरार हो गया और बिहार में जाकर एक अन्य महिला से तीसरी शादी कर ली।

बेंगलुरु के सूरजपुर इलाके में 11 नवंबर को यह घटना हुई थी। स्थानीय लोगों ने एक नाले से बदबू आने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जब नाले की सफाई कराई, तो उसमें एक महिला का शव मिला।

शव की पहचान 22 वर्षीय रुमेश खातून के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि महिला की हत्या की गई थी। पुलिस जांच में पता चला कि मृतका का पति, मोहम्मद नसीम, वारदात के बाद फरार है। नसीम अपने 6 बच्चों के साथ मुजफ्फरपुर, बिहार भाग गया था। पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, नसीम और रुमेश के बीच अक्सर झगड़े होते थे।

नसीम को अपनी पत्नी पर शक था, जिससे उसने विवाद को हमेशा के लिए खत्म करने का फैसला लिया। उसने पहले रुमेश की हत्या की, फिर उसके हाथ-पैर बांधकर लाश को नाले में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि नसीम के कुल 6 बच्चे हैं, जिनमें 4 उसकी पहली पत्नी से हैं और 2 बच्चे रुमेश से। हत्या के बाद, नसीम बच्चों को लेकर बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचा।

मुजफ्फरपुर पहुंचने के कुछ ही दिनों के अंदर, नसीम ने एक और महिला से तीसरी शादी कर ली। पुलिस ने तकनीकी सबूतों और मोबाइल लोकेशन की मदद से उसकी लोकेशन का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अब नसीम को बेंगलुरु ले जाया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। बेंगलुरु पुलिस ने नसीम की गिरफ्तारी को एक बड़ी सफलता बताया है और उसकी न्यायिक प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, नसीम का यह अपराध उसके पहले के विवादित इतिहास को भी उजागर करता है।

सैनिकों का कल्याण सुनिश्चित करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी: राजनाथ

नयी दिल्ली , 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान करने का आह्वान करते हुए कहा है कि सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी बताया है।

श्री सिंह ने शनिवार को इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश में कहा कि यह दिन नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान तथा समर्पण को पहचानने और इनके प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर होता है।

उन्होंने कहा , हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं, जो हर स्थिति में हमारी रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, न केवल बाहरी खतरों से, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी। उनका बलिदान और हमारे सैनिकों का अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है ।

पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनका योगदान सैनिकों और उनके परिजनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सौ हाथों से कमाए और हजार हाथों से दान दे।

यह दिन हर वर्ष शहीद नायकों और जवानों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है जो मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमाओं पर बहादुरी से लड़ते हैं। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। विभाग पूर्व सैनिकों की व्यक्तिगत जरूरतों जैसे गरीबी अनुदान, शिक्षा अनुदान, अंत्येष्टि अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ ,विकलांग बच्चों का अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

महाकुंभ–2025 : संत समाज से है महाकुंभ की भव्यता–दिव्यता: योगी

महाकुंभ में प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे साधु–संत

प्रयागराज, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा करने प्रयागराज पहुंचे। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुके 13 अखाड़ों के संतों के साथ बैठक की। सीएम के साथ संवाद से अखाड़े प्रफुल्लित दिखे। चर्चा खत्म होने के बाद संतों ने संतुष्टि जताते हुए स्पष्ट किया कि सीएम योगी हमारे अभिभावक हैं और अब हम सब मिलकर इस महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने पर पूरा जोर लगाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने अखाड़ों के साधु संतों के साथ बैठक की। सीएम संतों के बीच 40 मिनट तक रहे, जहां संतों ने इत्मीनान से अपनी बातें रखीं। बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के सचिव महंत जमुना पुरी ने कहा कि महाकुंभ हमारा है, मेला हमारा है, इसलिए हम सब मिलकर महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाएंगे। सीएम हमारे अभिभावक है और उनके साथ संपूर्ण संत समाज है। मुख्यमंत्री के साथ अखाड़ों के इस संवाद में 13 अखाड़ों के दो दो प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सभी ने अपनी बात सीएम के सामने रखी।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि बैठक बहुत सार्थक रही। योगी जी ने सभी अखाड़ों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना। सभी संतो ने योगी जी को भरोसा दिलाया हैं कि सब लोग मिलकर इस महाकुंभ को और बेहतर बनाएंगे। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण के श्री महंत दुर्गा दास का कहना है कि संन्यासी शैव अखाड़े के साथ दंडी बाड़ा, आचार्य बाड़ा और खाकचौक के संतों की मौजूदगी में सीएम ने कहा हैं कि महाकुंभ की तैयारियों की मॉनिटरिंग वह खुद करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है, सरकार और प्रशासन तो बस आयोजन की सहयोगी है।

उन्होंने कहा कि आज वैश्विक पटल पर यदि सनातन संस्कृति गौरवान्वित हो रही है तो यह संतों की कृपा से ही हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ की तैयारी में जो कुछ अच्छा है, वह पूर्वजों की कृपा, मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं संतों के आशीर्वाद से है। इसलिए इस बार भी पूज्य संतगण मेला प्रशासन के अधिकारियों को अपना मार्गदर्शन प्रदान करते रहें।

शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में संत समाज के साथ संवाद किया। इस संवाद कार्यक्रम में सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि, खाक–चौक परंपरा, दण्डीबाड़ा परंपरा, आचार्यबाड़ा परंपरा तथा तीर्थ पुरोहितों के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। प्रयागराज के एक दिनी दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने संत समाज का आह्वान करते हुए कहा कि 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी जी का प्रयागराज आगमन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री जी संगम पूजन करेंगे, साथ ही स्वच्छ–सुरक्षित और सुव्यवस्थित महाकुंभ के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं को लोकार्पित करेंगे। इस विशेष अवसर पर सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि, खाक–चौक परंपरा, दण्डीबाड़ा परंपरा, आचार्यबाड़ा परंपरा तथा तीर्थ पुरोहितों के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों की गौरवपूर्ण उपस्थिति प्रार्थनीय है। संत समाज ने समवेत स्वर से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए अपनी सहमति जताई।

संतों के साथ महाकुंभ की तैयारियों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष गंगा जी का पानी देर से उतरने के कारण कुछ कार्य प्रभावित हुए हैं, लेकिन संत समाज की हर जिज्ञासा, हर अपेक्षा को पूरा करने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि पावन त्रिवेणी संगम में स्नान की अभिलाषा लिए महाकुंभ आने वाले हर संत और श्रद्धालु को अविरल–निर्मल गंगा–यमुना के दर्शन होंगे। पवित्र नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन साधु–संत समाज का सहयोग भी अपेक्षित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में ही सनातन समाज का उत्कर्ष संभव है। महाकुंभ–2025, कुंभ 2019 से भी अधिक भव्य हो, इसके लिए सभी को योगदान करना होगा। संतों की कृपा और प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में आज पूरी दुनिया अयोध्या, वाराणसी और ब्रजधाम के नए स्वरूप का दर्शन कर रही है।

संगम तट पर मुख्यमंत्री के साथ आयोजित संवाद में सभी 13 अखाड़ों और विभिन्न संत परंपराओं के साधु–संतों, आचार्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्मध्वज के रक्षक हैं। उनके नेतृत्व में आज सनातन समाज गौरवान्वित हो रहा है। संतों ने कहा कि योगी जी पहले मुख्यमंत्री हैं, जो महाकुंभ के विषय में साधु–संतों, आचार्यों से इस तरह से सीधे संवाद कर रहे हैं और उनकी समस्याओं/सुझावों को सुनकर लिपिबद्ध कर रहे हैं। साधु–संतों, आचार्यों के लिए यह अवसर संतोषप्रद है। संत गणों ने महा कुंभ–2025 की तैयारियों पर संतुष्टि जताई। साथ ही कहा कि मेला क्षेत्र में चल रही तैयारियों को देखकर यह साफ हो जाता है कि महाकुंभ–2025 प्रयागराज में पूर्व में हुए सभी कुंभ/महाकुंभ से भव्य एवं दिव्य होगा। संत समाज ने भूमि आवंटन, शिविर के लोकेशन, धूल, जाम, स्वच्छता, घाटों के नामकरण, सहायता राशि आदि के संबंध में अपनी–अपनी जिज्ञासाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया, जिस पर मुख्यमंत्री ने यथोचित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। अखाड़ों और विभिन्न संत परंपराओं के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में आयोजित होने वाला महाकुंभ–2025 पूरे विश्व को शांति का संदेश देने वाला होगा। समूचा संत समाज इसमें अपना योगदान करने को आतुर है।

महाकुंभ–2025 : ब्रांड प्रयागराज को ग्लोबल बनाने का बड़ा अवसर है महाकुंभ: योगी

महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए सीएम जनप्रतिनिधियों से मिले

प्रयागराज, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रयागराज महाकुंभ–2025 ब्रांड प्रयागराज को ग्लोबल बनाने का बड़ा अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि कुंभ 2019 ने पूरी दुनिया में प्रयागराज की अच्छी छवि बनाई है।

अब एक बार फिर अवसर आया है। पूरी दुनिया से लोग प्रयागराज आने की तैयारी कर रहे हैं, इसलिए महाकुंभ यहां के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ–साथ प्रयागराजवासियों के लिए भी अतिथि देवो भवः का भाव प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच है। प्रयागराज को इसका लाभ उठाना चाहिए।

शनिवार को प्रयागराज में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इस बार अभूतपूर्व दिव्य–भव्य–डिजिटल महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। 12 वर्ष के अंतराल के उपरांत इस वर्ष आयोजित होने जा रहा प्रयागराज महाकुंभ अब तक के सभी कुंभ पर्वों के सापेक्ष कहीं अधिक दिव्य और भव्य होगा।

मानवता की यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया को सनातन भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा, विविधतापूर्ण सामाजिक परिवेश और लोक आस्था का साक्षात्कार कराएगी। महाकुंभ के सफल आयोजन के दृष्टिगत प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता का सहयोग सबसे महत्व–पूर्ण होगा। आगामी 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयागराज आगमन पर ऐतिहासिक अभिनंदन होगा।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की जनसभा में बड़ी संख्या में आमजन की भागीदारी होगी, ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों को व्यवस्था बनाने में सहयोग करना होगा। जो लोग आएं, वह कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं, इसमें सभी लोग स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री जी के आगमन से पूर्व 10 से 12 दिसंबर तक पूरे प्रयागराज में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। सभी जनप्रतिनिधि स्वयं इसमें रुचि लेकर आमजन को सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि महाकुंभ 'प्रयागराज' की ब्रांडिंग के लिए सबसे उत्तम अवसर है।

जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वह यहां आने वाले अधिकाधिक तीर्थयात्रियों/पर्यटकों से भेंट करने का प्रयास करें और उन्हें प्रयागराज की पौराणिकता, ऐतिहासिकता और आधुनिक युग में प्रयाग की महत्ता से परिचित कराएं। स्वाधीनता संग्राम में प्रयागराज की भूमिका के बारे में चर्चा करें। 2019 के कुंभ और फिर इस बार के भव्य–दिव्य–डिजिटल महाकुंभ की स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था से अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता से सहयोग का भी आह्वान किया।

महाकुंभ–2025 : स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित महाकुंभ के लिए पीएम देंगे 7000 करोड़

प्रयागराज, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

विश्व के सबसे बड़े आध्यत्मिक–सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ के औपचारिक शुभारंभ से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज को 7000 करोड़ से अधिक का उपहार भेंट करने जा रहे हैं। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री का प्रयागराज दौरा प्रस्तावित है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी पावन त्रिवेणी संगम का पूजन कर नवनिर्मित भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर और श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे। शनिवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 दिसंबर के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 के कुंभ में राज्य सरकार ने अपने मद से 2406.65 करोड़ का व्यय किया था। पूरी दुनिया में इस महाआयोजन के प्रबंधन की प्रशंसा हुई थी। तीर्थयात्रियों की सुविधा और सनातन गर्व महाकुंभ की महत्ता के दृष्टिगत इस बार इसे और विस्तार दिया गया है। इस वर्ष महाकुंभ के लिए राज्य सरकार की ओर से 5496.48

करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है, जबकि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अतिरिक्त 2100 करोड़ रुपए का सहयोग प्रदान किया है। बजट की कोई कमी नहीं है, इसलिए व्यवस्था में कहीं किसी प्रकार का अभाव नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न राज्यों की ओर से महाकुंभ में अपने शिविर स्थापित करने के अनुरोध मिल रहे हैं, इस संबंध में यथोचित निर्णय तत्काल हो जाए। इसी प्रकार, महाकुंभ के दौरान ब्रह्मलीन होने वाले साधु–संतों की समाधि के लिए प्रयागराज में भूमि आरक्षित कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 कुंभ में कुल 5,721 संस्थाओं का सहयोग लिया गया था, जबकि महाकुंभ में लगभग 10 हजार संस्थाएं एक उद्देश्य के साथ कार्य कर रही हैं। 4000 हेक्टेयर में विस्तारित 25 सेक्टरों में बंटे महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। 12 किमी लंबाई के घाट, 1850 हेक्टेयर में पार्किंग, 450 किमी चकर्ड प्लेट, 30 पांटून पुल, 67 हजार स्ट्रीट लाइट, 1,50,000 शौचालय, 1,50,000 टेंट के साथ ही 25 हजार से अधिक पब्लिक एकोमोडेशन की व्यवस्था की जा रही है। पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के विशेष स्नान पर्व पर सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाकुंभ में हर श्रद्धालु को अविरल–निर्मल गंगा में स्नान सुलभ हो, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित है। नदी में जीरो डिस्चार्ज सुनिश्चित किया जा रहा है। जारी निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबेदारगंज ब्रिज, हनुमान मंदिर (फेज–1) सभी चिह्नित 16 क्रिटिकल रोड से जुड़े कार्य, रिवर फ्रंट रोड, फाफामऊ–सहसो रोड, सभी 04 थीम आधारित गेट, 84 स्तंभ, मनकामेश्वर मंदिर और अलोपशंकरी मंदिर के अधूरे कार्य प्रत्येक दशा में 10 दिसंबर तक पूरे हो जाने चाहिए।

महाकुंभ–2025 : पुलिस जितनी सतर्क होगी, नागरिक उतना सुरक्षित होगा: योगी

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में बनी पुलिस लाइन का उद्घाटन किया

प्रयागराज, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी के आगमन से पूर्व प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लिया और साथ ही महाकुंभ मेला क्षेत्र में बनी पुलिस लाइन का उद्घाटन भी किया। इस दौरान सीएम योगी ने महाकुंभ के लिए तैनात पुलिसकर्मियों की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ 2025 उत्तर प्रदेश के लिए एक शानदार अवसर है। इस महाकुंभ में देश ही नहीं, दुनिया भर से करोड़ों लोग हिस्सा लेने आ रहे हैं। विगत सात वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपना परसेप्शन बदला है। आज यूपी पुलिस को अपराधियों, माफिया और देश द्रोहियों के लिए एक काल माना जाता है, जबकि श्रद्धालु, पर्यटकों और आम लोगों के लिए वह मित्र पुलिस की भूमिका में नजर आती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पुलिस जितनी सतर्क होगी, आम आदमी उतना सुरक्षित होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र में बने पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुंभ– 2019 में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे, जिन्होंने स्वच्छता, सुव्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस के व्यवहार की तारीफ की। इससे दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की छवि बेहतर हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को भव्य, दिव्य और डिजिटल बनाने की दृष्टि से उसकी सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था में उत्तर प्रदेश पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। महाकुंभ– 2025 में चालीस करोड़ तीर्थयात्री प्रयाग में आएंगे। यह आपके लिए दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करने का सुअवसर है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश की जनता का विश्वास डगमगाया हुआ था, दुनिया के लोगों में उत्तर प्रदेश को लेकर नकारात्मक भाव था और यहां की पुलिस का मनोबल गिरा हुआ था। पुलिस के डेढ़ लाख के पद खाली थी। भरे नहीं जा रहे थे क्योंकि उस समय की सरकार की नीयत खराब थी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में पीआरवी 112 के रिस्पॉन्स टाइम को कम किया गया, अच्छी ट्रेनिंग की सुविधा दी गई, पुलिस को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया, भर्ती प्रकिया को आगे बढ़ाते हुए एक लाख 54 हजार पदों को भरा गया। बीस सालों से रुके हुए पदोन्नति के कार्य को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस देश में स्मार्ट पुलिस के रूप में जानी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाकुंभ जैसे आयोजन को लेकर उत्तर पुलिस को दोगुनी तैयारी करनी पड़ती है। इसके लिए अच्छी भाषा, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार के अलावा तकनीक का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भीड़ का स्वभाव भगदड़ का होता है। इतने बड़े आयोजन में थोड़ी सी अफवाह बड़ी समस्या खड़ी कर सकती है। इसके दृष्टिगत उत्तर पुलिस के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी आवश्यक हो जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले कुंभ में प्रयागराज आए प्रवासी भारतीयों ने कहा था कि उत्तर प्रदेश पुलिस का व्यवहार बहुत अच्छा था। इसके दृष्टिगत इस बार हमें स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल महाकुंभ को दुनिया के समक्ष रखना है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा महाकुंभ में हमें इस परसेप्शन को और मजबूती से स्थापित करना है। जो भी श्रद्धालु महाकुंभ के लिए यहां आ रहे हैं, उनके साथ हमें अतिथि देवो भवः के साथ पेश आना है। हमें लोगों की मदद करनी है और मित्र पुलिस की अवधारणा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी समेत पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे

यूपी में शिक्षक बनने का बड़ा मौका

एलटी ग्रेड और प्रवक्ताओं की नियुक्ति होगी

लखनऊ, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूपी में शिक्षक बनने का बड़ा मौका मिलने जा रहा है। प्रदेश के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) में एलटी ग्रेड व प्रवक्ता के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया इसी महीने पूरी की जाएगी। काफी समय से नियुक्ति के लिए प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों की मांग को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसकी सूचना जारी की है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने बताया कि सहायक अध्यापक एलटी ग्रेड व प्रवक्ता के अवशेष सूची के अभ्यर्थियों की नियुक्ति और पदस्थापन की प्रक्रिया इसी माह एनआईसी के जरिए की जाएगी। अभ्यर्थियों से पांच विकल्प लेकर उनकी नियुक्ति व पदस्थापन किया जाएगा। विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2018 और 2020 से चल रही इस भर्ती में खाली पदों पर अवशेष सूची के अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए काफी समय से संघर्ष कर रहे हैं। पिछले दिनों लोक सेवा आयोग ने शासन को इसके लिए सूची भेजी थी। शासन ने विभाग को इसकी औपचारिकता पूरी कर नियुक्ति करने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से नियुक्ति संबंधित सूचना जारी करने पर अभ्यर्थियों ने राहत की सांस ली है।

क्या आप जानते हो

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने बनाया सबसे तेज कैमरा

मोतियाबिंद पकड़ने के लिए आसान उपकरण बनाने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने दुनिया का सबसे तेज कैमरा बनाया। रमेश रासकर ने ऐसा कैमरा बनाया है जो बढ़ते प्रकाश की गति को तस्वीर में कैद कर रहा है। इसे बड़ी खोज कहा जा रहा है।

70 साल पहले एमआईटी के इलेक्ट्रिक इंजीनियर हैरॉल्ड एडगेर्टन ने खास किस्म की लाइट का इस्तेमाल कर दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने सेब पर टकराती गोली की साफ तस्वीर खींच ली। बूंद के टपकते ही उठने वाले कई छीटों को उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया। एडगेर्टन की इस खोज ने विज्ञान को एक नई दिशा दी। पता चला कि तेज रफ्तार चीजें कैसा व्यवहार करती है। उनके टकराने से आस पास मौजूद चीजों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अब भारत में पैदा हुए एमआईटी के वैज्ञानिक डॉक्टर रमेश रासकर, एडगेर्टन की खोज से भी आगे जा रहे हैं। वह बता रहे हैं कि कैसे आगे बढ़ते प्रकाश को भी तस्वीर में कैद किया जा सकता है। तकनीक को अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम नाम दिया गया है। यह सिस्टम एक सेकेंड के 1000अरब वें हिस्से को कैद कर सकता है।

बड़ी उपलब्धि : विज्ञान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम के जरिए वे प्रकाश के असर का बारीकी से पता लगा सकेंगे। प्रकाश में कई तत्व होते हैं। नई तकनीक बताएगी कि प्रकाश के यह तत्व ठोस, द्रव और गैस से टकराने पर कैसा असर डालते हैं।

प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों ने लाइट जलाई और अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम की मदद से कई तस्वीरें बनाई। लाइट बुझाने पर वैज्ञानिकों ने प्रकाश के लौटने की प्रक्रिया और उसका रास्ता भी देखा। तकनीक ईजाद करने वाले डॉक्टर रमेश रासकर मीडिया आर्ट्स एंड साइंस लैब में सहायक प्रोफेसर हैं।

वह कहते हैं, 'जब मैंने यह कहा कि मैं एक कैमरा बनाना चाहता हूं जो आस पास के कोनों के देखे तो मेरे साथियों ने कहा कि अपने कांट्रैक्ट की खातिर कुछ सुरक्षित प्रयोग करो। अब मेरे पास कांट्रैक्ट है और मैं कह सकता हूं कि यह फितूर नहीं है।'

डॉक्टर रमेश और उनकी टीम ने लैब के एक अति संवेदनशील उपकरण 'स्ट्रीक ट्यूब' में कुछ बदलाव किए। इस तरह बना नया उपकरण प्रकाश की चाल को कैद कर सकता है और उसका पीछा भी कर सकता है। स्ट्रीक ट्यूब को नाभिकीय तत्वों की गति को स्कैन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

सबको फायदा : टीम ने एक बोतल में धुंआ भरा और फिर उसमें लेजर लाइट डाली। अल्ट्राफास्ट इमेजिंग की मदद से वैज्ञानिकों को पता चला कि लेजर बीम किस तरह धुएं को चीरती हुई बोतल में घुसती है। यह सब एक सेकेंड के 1000अरब वें हिस्से में हुआ। वैज्ञानिक इस प्रयोग को एक बड़ी सफलता मान रहे हैं। उम्मीद है कि इसकी मदद से प्रकाश के अनसुलझे राज सुलझाए जा सकेंगे। भौतिक, रसायन और जीव विज्ञान सभी को इससे फायदा होगा। यह पहला मामला नहीं है जब डॉक्टर रमेश रासकर ने बड़ा प्रयोग किया है। जुलाई में डॉक्टर रासकर ने एक ऐसा सस्ता और आसान उपकरण बनाया जो आसानी से मोतियाबिंद की पहचान कर सकता है। उपकरण को आईफोन या किसी भी उपकरण में लगाकर कर आंख के सामने लाना है। कुछ ही मिनटों में उपकरण मोतियाबिंद को पकड़ लेगा।

अंटार्कटिका पर था डायनासोर का राज

पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्ध पर स्थित अंटार्कटिका महाद्वीप को लंबे समय से बंजर माना जाता रहा है लेकिन अर्जेंटिना के वैज्ञानिकों का दावा है कि यह महाद्वीप हमेशा ही बर्फकी मोटी चादर के नीचे दफ्न और बंजर नहीं था और किसी समय में पेड़-पौधों से भरपूर इस महाद्वीप पर शाकाहारी डायनोसोरों का राज रहा होगा। द साईंस ऑफनेचर पत्रिका के ताजा अंक में प्रकाशित हुए अर्जेंटिना की राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकि शोध परिषद के डॉ. इग्नासियो अलेक्सान्द्रो सेर्दा के शोध में इस बात का खुलासा किया गया है।

डॉक्टर सेर्दा ने बताया है कि सौरापोडा कहलाने वाले ये शाकाहारी डायनोसोरों का उद्भव क्रेटेशियस काल में हुआ था और जल्द ही ये दुनिया के तमाम महाद्वीपों में फैल गए थे। यह पहली बार है जब अंटार्कटिका से सौरापोडा के अवशेष बरामद किए गए हों। डॉक्टर सेर्दा के शोधपत्र में बताया गया है कि ध्यान से अध्ययन करने पर पता चला कि सौरापोडा श्रेणी के ये डायनोसोर टाईटेनोसोरस नामक एक काफी विकसित डायनोसोर प्रजाति के सदस्य थे। इन्हें डायनोसोरों का आखिरी वंशज भी करार दिया जा सकता है क्योंकि लगभग 6.5 करोड़ वर्ष पहले एक बड़े उल्कापात में डायनोसोरों का खात्मा होने के समय ये मौजूद थे।

पृथ्वी का स्वर्ग हांग चओ शहर

चीन एक बहुत प्राचीन देश है और बहुत से शहर हजारों वर्षों के विकास के चलते अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं । प्राचीन शहर हांग चओ उन में से एक माना जाता है । इसी शहर के दौरे से आप को गाढे प्राचीन चीनी सांस्कृतिक वातावरण का आभास अवश्य ही महसूस हो सकता है ।

हांग चओ शहर दक्षिण पूर्वी चीन के समुद्रतट पर स्थित है , उस का इतिहास आज से कोई दो हजार दो सौ वर्ष पुराना है । चीन में यह कहावत आज तक भी लोगों के जुबान पर है कि आकाश पर स्वर्ग है , जबकि पृथ्वी पर हांग चओ शहर मौजूद है , मतलब है कि हांग चओ शहर चीनी लोगों के दिलों में एक कितना सुंदर शहर है । पर आज के इस कार्यक्रम में हम आप के साथ इस पूरे शहर के दौरे के बजाये सिर्फ एक पुरानी सड़क हो फांग देखने जा रहे हैं । हो फांग सड़क हांग चओ शहर के प्रसिद्ध पर्वत ऊ शान की तलहटी में खडी हुई है और वह हांग चओ शहर की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सूरत की अभिव्यक्ति करने वाली सड़कों में से भी है ।

हो फांग सड़क की लम्बाई 460 मीटर है और चौड़ाई 12 मीटर । यह शहर आज से कोई 880 साल पहले के दक्षिण सुंग राजवंश की राजधानी था और हो फांग सड़क तत्कालीन सांस्कृतिक व व्यापारिक केंद्र रहा था । अत: आज भी इस हो फांग सड़क के दोनों किनारों पर प्राचीन वास्तु शैलियों से संपन्न निर्माण शान से दिखाई देते हैं , और तो और काष्ठ से बनवाये गये मकान बहुत सुसंगठित रूप से खड़े हुए हैं । सड़क के दोनों किनारों पर डिपार्टमेंट स्टोर और दवा दारू दुकानें केंद्रित रूप से नजर आती हैं , इस के अतिरिक्त लोक कलाकार तत्स्थल पर अपनी कुशलता दिखाते हैं । हो फांग मोहल्ला प्रबंधन कमेटी में कार्यरत सुश्री शान श्येन फिंग ने इस सड़क का परिचय देते हुए कहा

हमारी मोहल्ला प्रबंधन कमेटी भिन्न भिन्न मौसम के मुताबिक विशेष मनोरंजक गतिविधियां चलाती है । समलन वसंतोत्सव के उपलक्ष में मंदिरों में मेला आयोजित होने की परम्परा बनी हुई है , आम तौर पर वसंतोत्व के प्रथम दिन से 15वें दिन तक के दौरान बराबर नाना प्रकार वाली गतिविधियां होती रही हैं । ऐसे मौके पर परम्परागत संस्कृतियां और विशेष रीति रिवाज देखने को मिलते हैं । पर्यटक सकड़ पर घुमते हुए रंगीन पुराने सांस्कृतिक वातारण में रंगे भी हो जाते हैं ।

हो फांग मोहल्ले में कुछ चाय घर अपनी विशेष पहचान बना लेते हैं , ऐसे चाय घरों में कार्यरत सेवक पुराने जमाने के लम्बे पोशाक पहनकर लम्बे मुंह वाले कांस्य केटली लिये ग्रहकों की सेवा करने में क्रियाशील दिखाई देते हैं । जबकि कपड़ों से सुसज्जित चाय घरों के मालिक तत्स्थल पर ग्राहकों के लिये लकड़ी चरखे से कातते हुए नजर आते है । इतना ही नहीं , मीठाई बेचने वाले भी पुराने जमाने के लम्बे कपड़े पहनकर सड़क पर चिल्लाते हुए भी ग्राहकों को मोह लेते हैं ।

पोताला महल के तलहटी में स्थित प्राचीन बर्फिला शहर

तिब्बती भाषा में बर्फका अर्थ है नीचला स्थान , पर यहां पर विशेष तौर पर पहाड़ी गढ़ के ठीक नीचे खड़े गांव को कहा जाता है । बर्फीला शहर पोताला महल के ठीक नीचे स्थित भवन निर्माण समूह ही है । जबकि बर्फीला शहर पोताला महल के पूरे भवन निर्माण समूह का एक संगठित भाग ही है , अत: उस का इतिहास पोताला महल जितना बराबर पुराना है ।

बर्फीले शहर का क्षेत्रफल करीब 50 हजार वर्गमीटर विशाल है , उस के प्रमुख भवनों में पुराने तिब्बत की स्थानीय सरकारी दफ्तर इमारत , लामाओं और कुलीनों के निवास स्थान , नीचले स्तर वाले कर्मचारियों , मजदूरों व नौकरों के मकान और कुछ सेवा संस्थापन व सहायक निर्माण शामिल हैं । तिब्बत स्वायत्त प्रदेश के सांस्कृतिक अवशेष ब्यूरो के उप प्रधान तान चंग लांग चेह ने इस का परिचय देते हुए कहा बर्फीला शहर विश्व सांस्कृतिक विरासतों में से एक पोताला महल का एक संगठित भाग ही है , इस में अत्यंत समृद्ध वास्तु निर्माण कला व सांस्कृतिक महत्व गर्भित है , साथ ही वह मेहनतकश जनता द्वारा इतिहास का सृजन किये जाने की सजीव अभिव्यक्ति ही नहीं , वह पुराने तिब्बती समाज , अर्थतंत्र व संस्कृति को पहचानने का महत्वपूर्ण ठोस नमूना और पुराने तिब्बत की सामंती भूदास व्यवस्था का प्रतिबिंब करने वाला एक झरोखा भी है । इधर सालों में संबंधित विभागों ने लगभग सात करोड़ चीनी य्वान जुटाकर बर्फीले शहर के 22 प्राचीन भवनों का संरक्षण किया या उन की मरम्मत की , साथ ही पोताला महस बर्फीले शहर की संरक्षण व प्रयोग रुपरेखा तैयार किया और जनसमुदाय के बीच हजार से अधिक प्राचीन सांस्कृतिक अवशेष और नाना प्रकार के तीन सौ तीस से अधिक मूल्यवान चित्र खरीद लिये हैं ।

रिपोर्ट के अनुसार बर्फीले शहर की प्रथम चरण की परियोजना पूरी होने के बाद बर्फीले शहर में पुराने तिब्बत की स्थानीय सरकारी संस्थाएं , जेल , कारावास और मौत की सजा देने के स्थल , कुछ उच्च स्तरीय अधिकारियों और कुलीनों समेत 11 प्राचीन भवन निर्माण पर्यटकों के लिये खुल गये हैं , जिस से बड़ी तादाद में देशी विदेशी पर्यटकों को मोह लिया जाता है । पोताला महल के बर्फीले शहर की अधिकारी सुश्री यांगचिनचोका ने इस का उल्लेख करते हुए कहा हम ने क्रमश: पोताला महल के बेमिसाल दुर्लभ वस्तु भवन , पश्चिम भारतीय सूत्र भवन और अनाज गोदाम जैसे तीन प्राचीन निर्माणों को पर्यटकों के लिये खोल दिया है । इसी बीच उक्त प्राचीन सांस्कृतिक अवशेषों का सहायत काम भी पूरा कर लिया है । नवनिर्मित बर्फीला शहर प्रदर्शन क्षेत्र उक्त प्राचीन भवनों के मूल रूपों को हू ब हू पुनर्निर्मित करने के सिद्धांत के अनुसार ऐतिहासिक सूरत को बनाये रखने के साथ साथ निखार में आया है , प्रदर्शनी भवनों व हालों में प्रदर्शित वस्तुओं व चित्रों ने तिब्बत में जमीन आस्मान का बड़ा परिवर्तन दर्शाया है । अभी तक हम ने विभिन्न क्षेत्रों से आये करीब एक लाख पर्यटकों का सत्कार किया है ।

अगर आप कुशल और बुद्धिमान हैं तो यहां दिए गए चित्रों को देखिए और लड़की को स्पोर्ट्स कार तक पहुंचने में मदद कीजिए।

अंतर बताओ

प्यारे बच्चों अगर आप बुद्धिमान हैं तो यहां दिए गए दोनों चित्रों में से कम से कम छह अंतर ढूंढ निकालो।

बोध कथा

सबसे बड़ा मूर्ख

एक राजा ने अपने मंत्री को सोने का एक डंडा देकर कहा, 'जो व्यक्ति तुम्हें मूर्ख दिखाई दे, उसे यह थमा देना।' मंत्री डंडा लेकर चल पड़ा। बहुत तलाश के बाद उसे एक भोला-भाला व्यक्ति दिखाई पड़ा, जिसे मूर्ख समझकर मंत्री ने वह डंडा पकड़ा दिया। मंत्री ने उससे कहा, 'यदि तुम्हें कोई अपने से ज्यादा मूर्ख मिले, तो उसे यह डंडा दे देना।' वह व्यक्ति भी अपने से ज्यादा मूर्ख की तलाश में स्थान-स्थान पर घूमता रहा पर उसे ऐसा कोई व्यक्ति न मिला। इस प्रकार भटकते हुए वह राजदरबार में पहुंचा। उसने सोचा कि राजा का दर्शन किया जाए। उसे इसकी अनुमति मिल गई। जब वह राजा के पास पहुंचा तो उसने देखा कि राजा बीमार पड़े हैं। राजा ने उससे कहा, 'मेरा अंत समय आ गया है। अब मैं इस संसार को छोड़कर जा रहा हूं।' उस व्यक्ति ने पूछा, 'फिर आपकी सेना, हाथी-घोड़े, महल आदि का क्या होगा?'

राजा ने कहा, 'ये सब यहीं रहेंगे और क्या।' इस पर उस व्यक्ति ने कहा, 'उस धन-दौलत का क्या होगा, जिसे आपने बड़ी मेहनत से अनेक युद्धों में हासिल किया है?' राजा ने कहा, 'वे सब भी यहीं रहेंगे।' यह सुनकर उस व्यक्ति ने सोने का वह डंडा राजा की ओर बढ़ाते हुए कहा, 'संभालिए इसे। मुझसे कहा गया था कि इसे मैं उस व्यक्ति को सौंपूं जो मुझे स्वयं से ज्यादा मूर्ख दिखाई दे। आप इसके योग्य पात्र हैं। जब आपको पता था कि आपके साथ कोई भी चीज नहीं जाएगी तो आपने उन्हें हासिल करने के लिए अपना पूरा जीवन क्यों लगा दिया? इसके कारण कई लोगों की जानें तक आपने ले लीं। क्या मिला आपको यह सब हासिल करके? मेरे विचार से इससे बड़ी मूर्खता दुनिया में कोई और नहीं हो सकती। इसलिए ये डंडा आप रखेंगे।' राजा अपने डंडे को देखकर हैरत में पड़ गया। उसने मन ही मन सोचा कि वह वास्तव में सबसे बड़ा मूर्ख है।

जिज्ञासा

कीड़े बताएंगे दूसरे ग्रह इंसान के काबिल है या नहीं

मंगल या फिर दूसरे ग्रह पर इंसानी बस्तियां बसाने की परिस्थिति का पता लगाने के लिए ऐसे छोटे जीव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं जो जैविक रूप से मानव जैसे है। ब्रिटेन के कुछ वैज्ञानिकों का तो यही मानना है। नॉटिंघम यूनिवर्सिटी के नाथानियल स्जेव्क्जिक के नेतृत्व में वैज्ञानिक 4,000 कीड़ों को डिस्कवरी यान में बिठाकर अंतरिक्ष में भेज चुके हैं। इन कीड़ों को कायनोरहैबिट्स एलेगन्स या सी एलेगन्स कहते हैं। इसके बाद इन कीड़ों पर क्या बीती इसका अध्ययन किया जा रहा है। मशहूर वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग्स समेत कई जानकारों का मानना है कि चरम स्थिति में मानवता का अस्तित्व इस बात पर निर्भर करेगा कि दूसरे ग्रहों पर इंसान की बस्तियों का बनना संभव है या नहीं।

स्जेव्क्जिक ने इस रिसर्च के बारे में दिए एक बयान में कहा है, 'हालांकि यह विज्ञान से जुड़ी कल्पना की तरह लगता है, लेकिन यह सच है कि अगर इंसान लुप्त होने के प्राकृतिक चक्र से बचना चाहता है तो उसे दूसरे ग्रहों पर जिंदा रहने के तरीके ढूंढने होंगे।' वैसे एक सच्चाई यह भी है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने की स्थिति में कुछ चुनौतियां भी हैं। इनमें हड्डियों की ताकत का लगातार खत्म होना और उच्च विकिरण के संपर्क में आना शामिल है।

रॉयल सोसायटी के जर्नल इंटरफेस में छपी रिपोर्ट में स्जेव्क्जिक की टीम ने बताया है कि अंतरिक्ष में ये कीड़े अंडे से निकल कर विकास करते गए और व्यस्क कीड़े बन गए। इसके बाद इन्होंने पृथ्वी के जैसे ही वहां प्रजनन भी किया। इस तरह से दूर अंतरिक्ष में मानव जीवन पर पड़ने वाले असर के अध्ययन के लिए एक आसान और सस्ता तरीका मिल गया। वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के छह महीने की यात्रा के पहले तीन महीनों में सी एलेगन्स की 12 पीढ़ियों पर पड़ने वाले असर का सफल अध्ययन किया।

स्जेव्क्जिक ने बताया, 'हालांकि यह हैरान करने वाली बात है, लेकिन मानव और इन कीड़ों की अंतरिक्ष यात्रा के दौरान हुए जैविक बदलाव एक ही तरह के थे। हम यह दिखा सकते हैं कि कीड़े अंतरिक्ष दूसरे ग्रह तक जाने के लिए पर्याप्त विकास और प्रजनन कर सकते हैं और हम दूर रह कर भी उनकी सेहत पर निगरानी रख सकते हैं।'

सी एलेगन्स पहला बहुकोशिकीय जीव है जिसकी जेनेटिक संरचना का पूरी तरह से नक्शा बनाया गया और इसके 20 हजार जीनों में कई ऐसे हैं जो मानव जीन की तरह काम करते हैं। इनमें से 2,000 जीन ऐसे हैं जो मांसपेशियों की गतिविधि को नियंत्रित करते हैं और इनमें से 50 से 60 फीसदी ऐसे हैं जिनका इंसानी संस्करण होता है। सी एलेगन्स लंबे समय से वैज्ञानिकों को इंसान की जैविक संरचना समझने में मदद करता रहा है। अब स्जेव्क्जिक जैसे वैज्ञानिकों को यह लग रहा है कि यही जीव मंगल और दूसरे ग्रह पर इंसान की अनुकूलता के बारे में जानकारी जुटाने में भी मददगार होगा। स्जेव्क्जिक की टीम कई और देशों के वैज्ञानिकों के साथ काम कर रही है। इनमें अमेरिका की पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी और कोलोराडो यूनिवर्सिटी, कनाडा की फ्रेजर यूनिवर्सिटी भी शामिल है। ये लोग सी एलेगन्स का एक सघन और स्वचालित उन्नति तंत्र बनाना चाहते हैं जिसके जरिए दूर रह कर भी पर्यावरण में मौजूद विषैले तत्वों और विकिरण के असर को महसूस किया जा सके। स्जेव्क्जिक का कहना है, 'मंगल ग्रह पर भेजे गए मिशनों की असफलता को देखते हुए इन कीड़ों का इस्तेमाल हमें मानव मिशनों से पहले सुरक्षित तरीके से कम खर्च में स्पेसक्राफ्ट तंत्र को परखने में मदद करेगा।'

मिर्ची क्यों है इतनी तीखी ?

वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने इस पहेली का हल ढूंढ़ निकाला है कि कुछ मिर्च बहुत तीखी क्यों होती हैं और कुछ कम तीखी? जीव विज्ञान संबंधी पत्रिका 'बॉयलाजिकल साइंसेज' के अनुसार इसका मुख्य कारण मिर्च के पौधे का जल के संपर्क में आने से है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके कसैलेपन के पीछे 'कैपसाईपिनोइड' पदार्थ है जो मिर्च को फफूंद से बचाता है।

इंडियाना यूनिवर्सिटी के डेविड हाक के नेतृत्व में शोध करने वाले दल ने बोलिविया जाकर मिर्च के पौधे में 'कैपसाईपिनोइड' तत्व की जांच की।

उन्होंने पाया कि उत्तरी क्षेत्र में मात्र 15 से 20 प्रतिशत मिर्च में ही यह तीखा पदार्थ मौजूद था। वहीं दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से में स्थिति अलग थी। इस इलाके में करीब 100 प्रतिशत मिर्च के पौधों में इस तीखे पदार्थ के होने से मिर्च बहुत तीखी और कसैली थी। निष्कर्ष निकाला गया कि मिर्च का तीखापन फफूंद से बचने के लिए इस तत्व के विकास से पनपता है।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति येओल के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे, एक प्रदर्शनकारी ने आत्मदाह की कोशिश की

सियोल

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए। हजारों लोगों ने पश्चिमी सियोल के येओइदो में प्रदर्शन किया। येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली में मतदान होना है।

इससे पहले राष्ट्रपति ने इस सप्ताह की गई अपनी मार्शल लॉ की घोषणा के लिए देश से माफी मांगी।समाचार पत्र द कोरिया टाइम्स के मुताबिक राजधानी में भारी उथल-पुथल है। येओइदो में नेशनल असेंबली के सामने हजारों लोगों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति येओल को हटाने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व देश की सबसे बड़ी यूनियनों में से एक कोरियाई ट्रेड यूनियन परिसंघ (केसीटीयू) ने किया।केसीटीयू ने कहा कि यून को फौरन गिरफ्तार किया जाए। उनके माफी मांगने से देशद्रोह जैसे कृत्य की अनदेखी नहीं जा सकती।

संघ फेडरेशन ऑफ कोरियन ट्रेड यूनियंस ने भी राष्ट्रपति की निंदा करते हुए कहा कि माफी का उद्देश्य महाभियोग प्रस्ताव को पारित होने से रोकना है।कोरियाई बार एसोसिएशन ने यून के सार्वजनिक संबोधन के तुरंत बाद एक बयान जारी कर महाभियोग के लिए अपना समर्थन घोषित किया।

इसमें कहा गया कि हम मार्शल लॉ की असंवैधानिक घोषणा के माध्यम से संवैधानिक व्यवस्था को बाधित करने के लिए राष्ट्रपति के महाभियोग से सहमत हैं।

इस प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए ग्वांगजू, डेजॉन और बुसान से भी लोग बसों से सियोल पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, यून की मार्शल लॉ घोषणा के विरोध में नेशनल असेंबली के पास आत्मदाह करने की कोशिश करने वाले 50 साल के एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि नेशनल असेंबली के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

क्यूबा में बिजली संकटः तेल आयात में कमी बनी बड़ी चुनौती

हवाना। क्यूबा इन दिनों बिजली संकट के सबसे गंभीर दौर से गुजर रहा है। देशभर में लगातार हो रहे ब्लैकआउट ने लाखों नागरिकों को कठिनाइयों में डाल दिया है। हाल ही में क्यूबा के सबसे बड़े बिजली उत्पादक, मटांज़ास स्थित एंटोनियो गुइटरस पावर प्लांट के बंद होने के कारण राष्ट्रीय ग्रिड प्रभावित हुआ, जिससे राजधानी हवाना समेत पूरे देश में अंधेरा छा गया। अधिकारियों ने दावा किया है कि ग्रिड को दोबारा चालू कर दिया गया है, लेकिन उत्पादन क्षमता में कमी के चलते मांग को पूरा करना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। क्यूबा के ऊर्जा मंत्रालय के प्रतिनिधि लाज़ारो गुएरा ने बताया कि ग्रिड तकनीकी रूप से सामान्य हो गया है, लेकिन बिजली उत्पादन सुविधाओं की दशकों पुरानी संरचना और रखरखाव की कमी के कारण स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका अमेरिका पर परमाणु हमले का संभावित नक्शा जारी

वॉशिंगटन। दुनिया में फैल रहे संघर्ष और गुटबाजी के बीच तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ गई है, खासकर अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव के कारण। न्यूक मैप के कर्ताधर्ता और परमाणु तकनीक के जानकार एलेक्स वेलरस्टीन ने यह नक्शा तैयार किया है, जो परमाणु विस्फोट के बाद रेडियोधर्मिता के फैलाव, आग के गोले के दायरे और संभावित पीड़ितों की संख्या का अनुमान लगाता है। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिकी सेना यूक्रेन में घुसी, तो रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। इस स्थिति में परमाणु हमले के संभावित प्रभावों को समझाने के लिए न्यूक मैप ने एक नक्शा जारी किया है, जो दिखाता है कि अमेरिका के प्रमुख शहरों पर परमाणु हमले के क्या विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। अगर अमेरिका के पूर्वी तट पर 800 किलोटन के टोपोल (एसएस-25) बम से हमला होता है, तो न्यूयॉर्क शहर में 16 लाख लोगों की मौत हो सकती है और 30 लाख लोग घायल हो सकते हैं। इस विस्फोट के कारण मैनहट्टन, नेवार्क, ब्रुकलिन और आसपास के इलाकों में भयंकर तबाही मच सकती है। तापीय विकिरण 11.1 किलोमीटर तक फैल सकता है, जिससे कई शहर इसकी चपेट में आ सकते हैं। वहीं, अगर वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस पर ऐसा परमाणु हमला होता है, तो मरने वालों की संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। हमले के बाद प्रतिष्ठित स्थलों जैसे कैपिटल हिल और कोलंबिया हाइट्स को भारी नुकसान हो सकता है। तापीय विकिरण के कारण आसपास के क्षेत्रों के लोग गंभीर रूप से जल सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

संयुक्त राष्ट्र। अब पूरी दुनिया में हर साल 21 जून को विश्व ध्यान दिवस मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के सह-प्रायोजन मसौदा प्रस्ताव को आमराय से स्वीकार करते हुए 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इसे व्यापक कल्याण और आंतरिक परिवर्तन का दिन बताते हुए एक्स हैंडल पोस्ट पर यह खुशखबरी दी। पर्वतनेनी हरीश ने एक्स पर लिखा, खुशी है कि भारत ने कोर ग्रुप के अन्य देशों के साथ मिलकर 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने का मार्गदर्शन किया। समग्र मानव कल्याण के लिए भारत का नेतृत्व हमारे सभ्यतागत सिद्धांत-वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है। उन्होंने कहा कि 21 दिसंबर शीतकालीन संक्रांति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में यह उत्तरायण की शुरुआत है। यह वर्ष का शुभ समय होता है। आंतरिक प्रतिबिंब के लिए तो इसका विशेष रूप से महत्व है। इससे पहले भारत 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित कराने में अग्रणी भूमिका निभा चुका है। भारत में 21 जून ग्रीष्म संक्रांति का प्रतीक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह सफलता भारत के साथ ही अन्य देशों की कोशिशों से मिली है। भारत के साथ लिकटेंस्टीन, श्रीलंका, नेपाल, मैक्सिको और अंडोरा उन देशों के मुख्य समूह के सदस्य थे, जिन्होंने 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व ध्यान दिवस शीर्षक वाले प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित करने में अहम भूमिका निभाई।

लॉर्ड रमी रेंजर ब्रिटिश राजघराने का सम्मान छीने जाने को देंगे चुनौती

लंदन

ब्रिटेन की एफएमसीजी कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक और कंजर्वेटिव रमिंदर सिंह रेंजर से ब्रिटिश राजघराने के सम्मान कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर (सीबीई) को वापस ले लिया गया। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति की सिफारिश पर यह अप्रत्याशित कदम उठाया गया है। रमिंदर सिंह दुनिया में लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से मशहूर हैं। वो ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के भारतीय मूल के सदस्य हैं।

ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब्ती समिति ने लॉर्ड्स स्टैंडर्ड्स वॉचडॉग की एक रिपोर्ट के बाद यह सिफारिश की। लॉर्ड्स स्टैंडर्ड्स वॉचडॉग की रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने सम्मान प्रणाली को बदनाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पत्रकार को धमकाया और परेशान किया। बीबीसी का मानना है कि यह सिफारिश लॉर्ड रेंजर के सोशल मीडिया पोस्ट में सिख समुदाय और पाकिस्तान के लोगों के बारे में की गई टिप्पणियों पर विचार के बाद की गई।

लॉर्ड रेंजर ने कहा कि सम्मान छीने जाने से वह हताश हैं और अन्यायपूर्ण फैसले को चुनौती देने के लिए विभिन्न कानूनी रास्ते तलाशेंगे। शुक्रवार को लंदन गजट में प्रकाशित एक नोटिस में कहा गया कि राजा ने निर्देश दिया है कि लॉर्ड रेंजर का सम्मान निरस्त और रद्द किया जाना चाहिए। कुछ अन्य रिपोर्ट्स में कहा गया कि रमिंदर सिंह रेंजर को दिया गया सम्मान ब्रिटिश राजघराने के प्रमुख किंग चार्ल्स तृतीय ने रद्द कर दिया। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने अपनी सिफारिश के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया। लॉर्ड रेंजर को 31 दिसंबर, 2015 को कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर के रूप में नियुक्ति दी गई थी।

इस घटनाक्रम के बाद लॉर्ड रमी रेंजर का आधिकारिक बयान सामने आया है। इसमें कहा गया, मुझसे ब्रिटिश राजघराने से मिला सम्मान वापस ले लिया गया, क्योंकि मैंने भारत को तोड़ने का इरादा रखने वाले खालिस्तान समर्थकों का विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक-दो एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री बनाई है, जिसमें यह इशारा किया गया है कि 20 वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी गुजरात दंगों में शामिल थे, जबकि भारत की शीर्ष अदालत उन्हें इस मामले में बरी कर चुकी है। लॉर्ड रेंजर ने इस घटनाक्रम पर पारदर्शिता की कमी और गोपनीयता के उच्च स्तर पर गंभीर चिंताएं जताईं और कहा कि वह अनुचित निर्णय को चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं।

उनके प्रवक्ता ने कहा, लॉर्ड रेंजर ने कोई अपराध नहीं किया है और न ही उन्होंने कोई कानून तोड़ा है, जबकि जिन लोगों का सम्मान इस तरह से रद्द किया गया है, उनमें से अधिकांश ने या तो अपराध किया है या कानून तोड़ा है। इसके साथ ही हिंदू समुदाय और अंतर-धार्मिक संबंधों में सेवाओं के लिए ऑफिसर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर (ओबीई) के रूप में अनिल कुमार भनोट की दी गई नियुक्ति को भी रद्द कर दिया गया है। उन्हें जून 2010 में दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ की जयंती पर हिंदू समुदाय और अंतर-धार्मिक संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ओबीई की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

शादी का झांसा देकर नेपाली युवतियों की चीन में हो रही है तस्करी

काठमांडू। नेपाल में रह रहे चीनी युवकों द्वारा नेपाली लड़कियों को शादी का झांसा देकर उन्हें चीन ले जाने और वहां पर उन्हें शारीरिक एवं मानसिक यातना देने की कई घटनाएं सामने आई हैं। चीन ले जायी गयीं ऐसी ही कई लड़कियों ने नेपाल लौटने के लिए बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास से संपर्क किया है। नेपाल के इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक, इस साल अक्टूबर एवं नवंबर में ही चीन जाने के लिए तैयार 41 नेपाली लड़कियों को तस्करी के संदेह में एयरपोर्ट से लौटा दिया गया। पिछले एक वर्ष के भीतर चीनी नागरिक से शादी कर चीन जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे 184 युवतियों को वापस किया गया। हाल के वर्षों में चीनी लड़कों से शादी करने के बाद चीन जाने की इच्छा रखने वाली नेपाली लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इमिग्रेशन विभाग के तत्कालीन महानिदेशक कोष हरि निरौला ने बताया कि उनके कार्यकाल में ऐसे करीब ढाई सौ से अधिक नेपाली युवतियों को गलत नीयत से चीन ले जाने वाले चीनी युवकों के चंगुल से बचाया गया है। निरौला का कहना है कि इस तरह की शादी को रोकना मुश्किल है क्योंकि यह निजी पसंद का मामला है और लड़की के बालिग होने तथा उसके परिवार वालों की रजामंदी होने के कारण कानूनी रूप से इसको रोका नहीं जा सकता है। निरौला ने बताया कि बड़े सपने और शादी के झांसे में आकर युवतियां चली तो जाती हैं लेकिन वहां पर कुछ दिन के बाद ही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की शिकार हो जाती हैं। इतना ही नहीं इनमें से अधिकतर नेपाली लड़कियों को वेश्यावृत्ति में ढकेले जाने की दर्जनों शिकायत मिल रही हैं। पिछले 15 महीनों में चीनी नागरिकों से शादी करने वाली नेपाली महिलाओं की संख्या 235 है। यह केवल काठमांडू जिला न्यायालय में पंजीकृत डेटा है। यह माना जा सकता है कि यह संख्या और भी अधिक है क्योंकि विवाह काठमांडू के अलावा अन्य जिला अदालतों से भी किए जा सकते हैं।

रोमानिया सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजों को किया रद्द

बुचारेस्ट

यूरोप में भगवा लहर पर कोर्ट की नजर लग गई है। रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजों को रद्द कर दिया गया है। पहले राउंड के राष्ट्रपति चुनाव में धुर दक्षिणपंथी उम्मीदवार को जीत मिली थी। अब उसके रिजल्ट को रोमानिया के सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

रोमानिया की शीर्ष अदालत का यह फैसला उन आरोपों के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें रूसी हस्तक्षेप की बात सामने आई थी। आरोप है कि रूस ने पहले दौर में जीत हासिल करने वाले दक्षिणपंथी उम्मीदवार की जीत के लिए एक ऑनलाइन कैंपेन चलाया था। राष्ट्रपति क्लाउस इओहानिस ने खुफिया जानकारी को सार्वजनिक किया। इसके बाद संवैधानिक अदालत ने यह अभूतपूर्व फैसला सुनाया है और यह अंतिम फैसला है। इस खुफिया जानकारी में आरोप लगाया गया था कि रूस ने टिकटॉक और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर राइट विंग उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु का प्रचार करने के लिए हजारों सोशल मीडिया अकाउंट चलाए।

अदालत ने जॉर्जेस्कु का नाम लिए बिना कहा कि 24 नवंबर को हुए पहले दौर के चुनाव में शामिल 13 उम्मीदवारों में से एक को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से फायदा पहुंचाया गया। इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ। हालांकि, दक्षिणपंथी उम्मीदवार जॉर्जेस्कु ने कोर्ट के इस फैसले का विरोध किया है। जॉर्जेस्कु ने इस फैसले को सरकारी तख्तापलट और लोकतंत्र पर हमला बताया। वहीं चुनावी नतीजों में दूसरे नंबर पर रहने वाली सेंटर-राइट सेव रोमानिया यूनियन पार्टी की सुधारवादी उम्मीदवार एलेना लास्कोनी ने भी इस फैसले की निंदा की।

बाहरी उम्मीदवार होने और चुनाव प्रचार पर एक भी पैसा खर्च नहीं करने के बावजूद, जॉर्जेस्कु सबसे आगे निकलकर सामने आए। रविवार को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव में उनका मुकाबला लास्कोनी से होना था। रोमानिया के प्रवासियों के लिए शुक्रवार को दूसरे दौर के मतदान के लिए विदेशों में 951 मतदान केंद्र पहले ही खुल गए थे, लेकिन उन्हें बंद करना पड़ा।

बांग्लादेश में यूनियन काउंसिल में वर्चस्व की जंग में दो लोगों की हत्या

ढाका

मध्य बांग्लादेश के नरसिंगडी जिला में यूनियन काउंसिल की वर्चस्व की जंग में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड की पुष्टि की है। उसका कहना है कि यह वारदात नरसिंगडी जिला के रायपुरा उपजिला में हुई है।

दो गुटों के सत्ता संघर्ष में एक यूनियन काउंसिल सदस्य और एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस गोलीबारी में कम से कम 10 अन्य लोग घायल हो गए।

रायपुरा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल जब्बार के अनुसार सुबह यह वारदात उपजिला के मेथिकांडा-नजरपुर इलाके में हुई। मृतकों की पहचान चंद्रकांडी यूनियन काउंसिल के वार्ड नंबर आठ के सदस्य 55 वर्षीय माणिक मिया और 32 वर्षीय कल्पोना बेगम के रूप में की गई है।

पुलिस ने स्थानीय लोगों का हवाला देते हुए कहा कि रायपुरा जुबो लीग के नेता आबिद हसन रूबेल और नगर पालिका अवामी लीग के उपाध्यक्ष हारुन या रशीद के समर्थक लंबे समय से इलाके में सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं। यह वारदात इसी सत्ता संघर्ष का नतीजा है।

मारे गए माणिक मिया, रूबेल के चाचा हैं और जान गंवाने वाली महिला उनकी समर्थक है। हारुन के समर्थकों ने माणिक को वार्ड नंबर 9 से यूनियन काउंसिल सदस्य बशीरुद्दीन के घर के आंगन में गोली मारी।

विरोध प्रदर्शन

एथेंस में एक प्रदर्शनकारी पुलिस से विरोध पदर्शन के दौरान हुए टकराव में पेट्रोल बम फेंकते हुए। साल 2008 में 15 साल के एलेकजेंड्रोस की पुलिस गोलीबारी में आज ही के दिन हत्या हुई थी। उसी की बरसी के दौरान ये प्रदर्शन हो रहे थे।

सीरिया में समूचा हामा प्रांत विद्रोहियों के नियंत्रण में, राष्ट्रपति की तस्वीर पर चलाई गोली

दमिश्क

सीरिया में अल-कायदा और तुर्किये समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के विद्रोहियों ने राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना से समूचा हामा प्रांत छीन लेने का दावा किया है। इदलिब (उत्तर-पश्चिम) और अलेप्पो (उत्तर) पर विद्रोही पहले ही नियंत्रण पा चुके हैं। विद्रोहियों ने कहा कि अब उसका हामा पर पूर्ण नियंत्रण हो गया।

खबर के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम ने मध्य सीरिया के हामा पर पूर्ण नियंत्रण का दावा किया है। हामा को सीरिया की क्रांति की राजधानी कहा जाता है। विद्रोहियों ने दारा शहर और उसके पूर्वी और पश्चिमी ग्रामीण इलाकों से सीरियाई बलों को पीछे धकेलकर हामा फतह की घोषणा की।

963+ ने सूत्रों के हवाले से कहा कि आतंकी समूह ने सीरियाई सुरक्षा बल पूर्वी और पश्चिमी ग्रामीण इलाकों के सभी गांवों, कस्बों और सैन्य बिंदुओं से पीछे हट गए हैं। दारा शहर में भी विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। सरकारी सुरक्षा बल इजरा शहर से भी हट गए है। हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी सशस्त्र गुट शुक्रवार को सीरिया के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स की ओर बढ़े हैं। सरकारी बलों ने देश के पूर्व में डेर एज-जोर गवर्नरेट में अपने नियंत्रण क्षेत्र खो दिए।

हयात तहरीर अल-शाम के नेता अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने घोषणा की कि उनका लक्ष्य सीरियाई शासन को उखाड़ फेंकना है। हाल यह है कि सीरिया में विद्रोहियों की मजबूत पकड़ ने ईरान के होश उड़ा दिए हैं। उसने सीरिया से अपने सैन्य अधिकारियों और दूतावास कर्मियों को सुरक्षित निकालना शुरू कर दिया है। ईरान लगभग 13 साल से सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद की हर तरह से मदद कर रहा है। ईरान के इस अप्रत्याशित कदम ने भी राष्ट्रपति असद की चिंता बढ़ा दी है।

ईरान ने शुक्रवार को सीरिया से अपने सैन्य अधिकारियों, जवानों और दूतावास के कर्मियों को निकालना शुरू कर दिया। इनमें ईरान की शक्तिशाली कुद्स फोर्सेज के शीर्ष कमांडर शामिल हैं। यह फोर्सेज रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स की बाहरी शाखा है। यह सब राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता में बनाए रखने में मदद कर रहे थे। ईरानी और क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि दमिश्क में ईरानी दूतावास और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के ठिकानों को खाली करने का आदेश दिया गया है।

महिला जूनियर एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार

मस्कट, 07 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय जूनियर महिला टीम मस्कट, ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल के अपने खिताब का बचाव करना है। 7 से 15 दिसंबर 2024 तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में आयोजित किया जाएगा।

भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था।

भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत की है और अब प्रदर्शन करने का समय है। हमारे पास बहुत प्रतिभा और जुनून वाली एक अनुभवी टीम है। हमें विश्वास है कि हम अपना खिताब बचा सकते हैं, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपना पहला मैच 8 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यदि भारत पूल ए में शीर्ष दो टीमों में से एक के रूप में समाप्त होता है तो वे सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे जो 14 दिसंबर को खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेता 15 दिसंबर को खेले जाने वाले फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

रियल मैड्रिड में एमबाप्पे अब भी सुर्खियों में , अलाबा और विनिसियस चोट से वापसी के करीब

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी को शनिवार को गिरोना में होने वाले ला लीगा दौरे से पहले शुक्रवार को एक बार फिर किलियन एमबाप्पे के फॉर्म के बारे में सवालों का जवाब देना पड़ा। मैड्रिड स्पेन के उत्तर-पूर्व की यात्रा पर है, जहां उसे बुधवार रात एथलेटिक बिलबाओ के हाथों 2-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था। ऐसा लग रहा था कि मैड्रिड पहुंचने के बाद से एमबाप्पे ने अपनी चिंताजनक फॉर्म को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ गोल किया था, लेकिन बुधवार को संदेह फिर से उभर आया, जब एथलेटिक डिफेंस ने उन्हें नियंत्रित कर लिया और एक सप्ताह में उनकी दूसरी पेनल्टी भी घरेलू गोलकीपर जुलेन एगिररेज़ाबाला ने बचा ली। एंसेलोटी ने फ्रांसीसी खिलाड़ी के बारे में कहा, हमें हर चीज पर गौर करना होगा और उसे समझाना होगा कि मैदान पर कैसे सुधार करना है। मुझे लगता है कि उसने अपने खेल की तीव्रता के मामले में बहुत सुधार किया है। वह अच्छे स्तर पर है और हमें उसका समर्थन करना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि उनका मानना है कि मैड्रिड में एमबाप्पे की समस्या का एक हिस्सा निरंतरता है, और यह तब आएगा जब वह और उसके साथी उसकी विशेषताओं के अनुकूल होंगे जो व्यक्तिगत और अलग हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे आएगा। एंसेलोटी को हमलावर खिलाड़ी विनिसियस जूनियर और मिडफील्डर एडुआर्डो कैमाविंगा के चोटिल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा के कारण भी, हालांकि उनके पास अच्छी खबर है, उन्होंने बताया कि विनिसियस अगले सप्ताह अटलांटा के महत्वपूर्ण चैम्पियंस लीग दौरे के लिए फिट हो जाएंगे, और अलाबा ने भी लंबे समय से घुटने की चोट के बाद टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। गिरोना को सप्ताह के मध्य में निराशा का सामना करना पड़ा था, जब उसे कोपा डेल रे से चौथे दर्जे के लोग्रोनस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मिशेल सांचेज की टीम ने ला लीगा में अपने पिछले चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ सुधार किया है।

ऑस्कर मारिटू के चीनी सुपर लीग क्लब युन्नान युकुन में शामिल होने की संभावना

बीजिंग। ऑस्कर मारिटू का युन्नान युकुन में शामिल होना तय है, ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने नव-प्रवर्तित चीनी सुपर लीग क्लब के साथ समझौता कर लिया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का यह स्ट्राइकर बुधवार रात युक्सी, युन्नान प्रांत पहुंचा, जहां युकुन स्थित है, और वह को प्री-सीजन प्रशिक्षण के लिए टीम में शामिल होगा। इंटरनेट पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में फारवर्ड मारिटू को युन्नान युकुन बैनर के नीचे प्रशंसकों के एक समूह के साथ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारिटू और युन्नान क्लब ने एक साल के विकल्प के साथ तीन साल के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है। मारिटू ने अगस्त के मध्य में वेतन विवाद के कारण चीन की शीर्ष टीम कैंगझोउ माइटी लायंस को छोड़ दिया था।

एडिलेड डे नाइट टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया ने ली बढ़त, हेड और लाबुशेन के अर्धशतक, चाय ब्रेक तक स्कोर-191/4

एडिलेड, 7 दिसंबर। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने फिलहाल 11 रनों की बढ़त ले ली है और उसके पास अभी 6 विकेट बाकी हैं। डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को पहली पारी में 180 रनों पर समेटने के बाद दूसरे दिन चाय ब्रेक तक 4 विकेट के नुकसान पर 191 रन बना लिए हैं।

इससे पहले मिशेल स्टार्क की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत की पारी 180 रनों पर ढेर हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन 1 विकेट पर 86 रनों का स्कोर बना लिया था। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इस स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कंगारुओं ने दूसरे दिन की शुरुआत करते हुए पहला विकेट नाथन मैकस्वीनी के रूप में गंवाया। नाथन मैकस्वीनी, को बुमराह ने पंत के हाथों विकेट के पीछे कैच आउट कराया। नाथन मैकस्वीनी, ने 109 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली।इसके बाद बुमराह ने स्टीव स्मिथ को 2 रनों के निजी स्कोर पर आउट करके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। स्मिथ को भी पंत ने विकेट के पीछे कैच आउट किया। हालांकि इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन के बीच बढ़िया अर्धशतकीय साझेदारी ने मेजबान टीम को बढ़त की ओर अग्रसर कर दिया।भारत को डिनर ब्रेक से पहले नीतीश कुमार रेड्डी ने बड़ी सफलता दिलाते हुए 64 रनों के स्कोर पर खेल रहे लाबुशेन को आउट कर दिया। लाबुशेन ने 126 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली और 9 चौक लगाए। लाबुशेन को यशस्वी जायसवाल ने आउट किया।दूसरे दिन चाय ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने 59 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 191 रन बना लिए हैं। ट्रेविस हेड 67 गेंदों पर 53 रनों की आक्रामक पारी खेलकर क्रीज पर टिके हुए हैं। उन्होंने अभी तक 2 छक्के भी लगाए हैं। दूसरे छोर पर मिशेल मार्श 2 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।भारतीय गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह ने शानदार बॉलिंग करते हुए 15 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए। नीतिश रेड्डी ने 5 ओवर में 18 रन देकर 1 विकेट लिया। फिलहाल मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और आर अश्विन को अपने विकेट की तलाश है।उल्लेखनीय है कि पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट भारत के नाम रहा था। भारत ने पर्थ में 295 रनों की शानदार जीत दर्ज की थी।

इंटर मियामी के साथ रिकॉर्ड सीज़न के बाद एमएलएस के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुने गए मेसी

नई दिल्ली, 07 दिसंबर(एजेंसियां) ।

इंटर मियामी के साथ एक बेहतरीन सीज़न के बाद लियोनेल मेसी को शुक्रवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया।

मेसी को यह पुरस्कार उनके प्रदर्शन के बाद दिया गया, जिसकी बदौलत मियामी ने नियमित सत्र में 74 अंकों का रिकॉर्ड बनाया, जिससे क्लब को अपना पहला सपोर्टर्स शील्ड मिला।

एमवीपी समारोह में मेसी ने कहा, मैं यह पुरस्कार किसी और स्थिति में प्राप्त करना पसंद करता, जब मैं शनिवार को फाइनल खेल पाता। इस साल एमएलएस चैंपियन बनने का हमारा बड़ा सपना था। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अगले साल हम फिर से कोशिश करने के लिए और मजबूत होकर वापस आएंगे।

37 वर्षीय अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे ज़्यादा 36 गोल (20 गोल और 16 असिस्ट) करके नियमित सीज़न का समापन किया।

यह पुरस्कार मेसी के लिए चोटों से भरे सीज़न में आया है, जिसमें उन्होंने इस साल सिर्फ़ 19 मैच खेले हैं।

एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा,लियो, बधाई। हमारी पूरी लीग, हमारे पूरे देश और यहाँ और पूरी दुनिया में खेल से प्यार करने वाले हर व्यक्ति की ओर से, हम आपको अपनी लीग में पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का मेजर लीग सॉकर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनना हम सभी के लिए एक सपना है।

मेसी और उनकी इंटर मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में जीत की लय को जारी नहीं रख सके और अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ पहले दौर में ही बाहर हो गए।

मेसी एमवीपी पुरस्कार जीतने वाले 10वें दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी हैं और लुसियानो अकोस्टा, डिएगो वैलेरी, गिलर्मो बैरोस शेलोटो और क्रिश्चियन गोमेज़ के बाद अर्जेंटीना के पांचवें खिलाड़ी हैं।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर बने पोगाकर, महिला वर्ग में कोपेकी बनीं विजेता

पेरिस, 07 दिसंबर(एजेंसियां) ।

साइक्लिंग सुपरस्टार तादेज पोगाकर को शुक्रवार को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर के रूप में वेलो डीओर से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गिरो डीइटालिया, टूर डी फ्रांस और विश्व चैंपियनशिप में जीत के लिए दिया गया।

बेल्जियम की विश्व चैंपियन लोटे कोपेकी ने महिलाओं का वेलो डी'ओर पुरस्कार जीता, जिसके लिए 40 पत्रकारों की जूरी ने मतदान किया।

स्लोवेनियाई टीम यूएई के राइडर पोगाकर ने 2024 में अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन किया, रेस में अपनी तीसरी जीत के लिए टूर डी फ्रांस को पुन: प्राप्त किया, और ओलंपिक खेलों को छोड़ने के बाद स्विट्जरलैंड में अपना पहला विश्व खिताब गिरो डी'इटालिया जीता। आयरलैंड के स्टीफन रोश 1987 में ट्रिपल क्राउन जीतने वाले आखिरी राइडर थे। कुल मिलाकर, पोगाकर ने 25 जीत हासिल कीं, जिसमें लीज-बास्तोगने और टूर ऑफ लोम्बार्डी शामिल है। 2021 के बाद अपना दूसरा वेलो डीओर प्राप्त करते हुए, 26 वर्षीय पोगाकर ने कहा, मैं अभी भी युवा हूं, जैसे-जैसे साल बीतते हैं, हमें चीजों के महत्व का एहसास होता है। मुझे गर्व है कि मेरे सभी कामों को मान्यता मिली है। टूर डी फ्रांस और गिरो दोनों में छह व्यक्तिगत चरण की जीत हासिल करने वाले पोगाकर ने कहा, इस तरह का एक और साल होना लगभग असंभव होगा, लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। 2019 में यूएई में शामिल होने के बाद से पोगाकर ने 88 जीत हासिल की हैं और खाड़ी समर्थित संगठन के साथ उनका 2030 तक चलने वाला एक ब्लॉकबस्टर अनुबंध है। वहीं, 29 वर्षीय कोपेकी ने 16 रेस जीतीं और सफलतापूर्वक विश्व खिताब बरकरार रखा। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में इसे अपने सम्मान की सूची में जोड़ना चाहती थी।

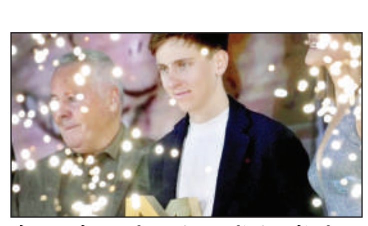

सैंडर स्कॉटहेम ने जीता अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

नई दिल्ली, 07 दिसंबर(एजेंसियां) ।

नॉर्वे के डेकाथलीट सैंडर स्कॉटहेम ने विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले का पुरस्कार जीता।

प्रशंसकों से प्राप्त नामांकन के बाद, अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) और विश्व एथलेटिक्स के सदस्यों ने 2024 में एथलेटिक्स में पांच फेयर प्ले क्षणों की एक सूची पर निर्णय लेने के लिए एक निर्णायक मंडल का गठन किया, जिसके बाद स्कॉटहेम को विजेता घोषित किया गया।

स्कॉटहेम के लिए निष्पक्ष खेल का क्षण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में आया, जहाँ पोल वॉल्ट पदक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद विश्व इनडोर और यूरोपीय रजत पदक विजेता स्कॉटहेम ने प्रतिस्पर्धा जारी रखने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में स्कॉटहेम ने अपने हमवतन मार्कस रूथ का समर्थन किया, और अंतिम अनुशासन - 1500 मीटर में अपने साथी की मदद की।

रूथ ने 8796 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ नॉर्वे के लिए स्वर्ण पदक जीता, और 48 अंकों से ओलंपिक खिताब जीता।

विश्व एथलेटिक्स के हवाले से स्कॉटहेम ने कहा, मैं यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ओलंपिक मेरे लिए बहुत ही रोचक अनुभव था, क्योंकि मैंने बहुत अच्छी प्रतियोगिता की थी और फिर मैं पोल वॉल्ट में नो-हाइट हो गया और इसने मेरे पदक जीतने की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया। उसी समय, मार्कस ने बहुत अच्छी पोल वॉल्ट प्रतियोगिता की जिसने उन्हें जीतने के लिए एक उत्कृष्ट स्थिति में ला दिया।

स्कॉटहेम के इस वर्ष में 8635 का डेकाथलॉन पीबी हासिल किया था, जिसने उन्हें रोम में यूरोपीय रजत दिलाया और उनके 6407 के हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड ने विश्व इनडोर पदक दिलाया।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा: मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारा खेल एथलीटों के बीच निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और सौहार्द के क्षणों के मामले में एक उदाहरण बना हुआ है। हम इसे सभी अलग-अलग एथलेटिक्स विषयों में देख रहे हैं - ट्रैक, फ़ील्ड और रोड पर। जिस तरह से सैंडर ने वापसी की, वह एक महान एथलीट की पहचान है। चरित्र की असली परीक्षा मुश्किल समय में होती है, यह तब नहीं होता जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, इसलिए मैं सैंडर को उनकी खेल भावना और लचीलेपन के लिए बधाई देता हूँ - वे इस पुरस्कार के योग्य हैं।

सीआईएफपी के अध्यक्ष जेनो कामुती ने कहा, खेल जगत के सबसे महत्वपूर्ण मंच, ओलंपिक खेलों में एक एथलीट से इस तरह के नि:स्वार्थ कार्य को देखना अद्भुत है। विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारा संबंध अब 20 वर्षों से अधिक पुराना है, और अध्यक्ष कोए और उनकी टीम के साथ सहयोग करना एक खुशी की बात है। मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता हो रही है कि हमने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से आगे सहयोग का विस्तार किया है और अब हम पूरे वर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के प्रस्तावों का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करते हैं। सैंडर स्कोथेम को बधाई।

सीआईएफपी की स्थापना 60 साल पहले खेल में निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यह उन लोगों को सम्मानित करता है जो खेल के लिखित और अलिखित नियमों का सम्मान करते हैं, जिसमें ईमानदारी, एकजुटता, सहिष्णुता, देखभाल, उत्कृष्टता और खुशी शामिल है, और जो मैदान पर और बाहर दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करते हैं। सीआईएफपी का विश्व एथलेटिक्स के साथ पहला सहयोग पेरिस में 2003 की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से शुरू हुआ।

भारतीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेंगलुरु में बनेगा एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर

बेंगलूरू, 07 दिसंबर (एजेंसियां) ।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक एचएएल-एसएआई उच्च प्रदर्शन केंद्र की स्थापना के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य भारत की खेल प्रतिभा को बढ़ाना है।

इस अवसर पर एचएएल के सीएमडी डीके सुनील, स्वतंत्र निदेशक दिव्या गुप्ता, एचएएल के निदेशक (एचआर) एबी प्रधान, टॉप्स के संयुक्त सीईओ कर्नल राकेश यादव, साई के क्षेत्रीय निदेशक विष्णु सुधाकरन, युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के अवर सचिव कामखान सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एचएएल भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ साझेदारी में खेलों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने और भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक मंच बनाने के लिए समर्थन दे रहा है। अपनी सीएसआर पहल के तहत, एचएएल ने अब साई, बेंगलुरु में एचएएल-साई हाई परफॉरमेंस सेंटर की स्थापना के लिए प्रतिबद्धता जताई है। यह केंद्र एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएगा। इस केंद्र में एंथ्रोपोमेट्री, बायोमैकेनिक्स, एक्सरसाइज बायोकेमिस्ट्री, पोषण, खेल और व्यायाम, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियोथेरेपी आदि क्षेत्रों में सुविधाएं होंगी।

एचएएल हमेशा से ही देश में खेलों के विकास में सबसे आगे रहा है। सीएसआर के हिस्से के रूप में, एचएएल ने पहले ही भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ कोरापुट (ओडिशा) में एचएएल-एसएआई खेल प्रशिक्षण केंद्र चलाने के लिए भागीदारी की है, ताकि आदिवासी युवाओं को तीरंदाजी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में प्रशिक्षण दिया जा सके। कंपनी द्वारा उठाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए फीफा मानक फुटबॉल मैदानों के साथ बेंगलुरु में फुटबॉल अकादमी की स्थापना करना है।

यह एचएएल-साई हाई-परफॉरमेंस सेंटर भारत की खेल क्षमता को उजागर करने की एचएएल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अत्याधुनिक सुविधा के साथ, एथलीटों के पास ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने और राष्ट्रीय गौरव बढ़ाने के सर्वोत्तम अवसर होंगे।

वित्त मंत्री ने किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ की बजट पूर्व दूसरी बैठक

नई दिल्ली,07 दिसंबर (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरी बजट पूर्व परामर्श बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में ये बैठक केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के तहत हुई। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में विभिन्न किसान संघों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरे बजट पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। परामर्श बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में कृषि क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृषक समुदाय के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों के कल्याण में सुधार के उद्देश्य से नीतिगत बदलावों, बजटीय सहायता और सुधारों पर अपने सुझाव साझा दिए। कृषि अर्थशास्त्री टिकाऊ कृषि पद्धतियों, उत्पादकता वृद्धि और बाजार सुधारों पर भी वित्त मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। बजट पूर्व परामर्श की यह बैठक वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक व्यापक और समावेशी बजट के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से इनपुट एकत्र करना है। इससे एक दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट के लिए प्रमुख अर्थशास्त्रियों के इनपुट और सुझाव एकत्र करने के लिए पहली बजट-पूर्व बैठक की अध्यक्षता की थी। उल्लेखनीय है कि आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश होने की संभावना है। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में कृषि और किसान संकट: नया खतरा नजर आ रहा है, भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची

मुंबई । नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने हाल ही में रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारतीय किसानों की चिंताजनक स्थिति का परिदृश्य पेश किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में भारतीय किसान परिवारों की मासिक औसत आय सिर्फ 13,661 रुपए है, जिसमें से 11,710 रुपए खर्च हो जाते हैं। इससे बचत मात्र 1,951 रुपए रह जाती है, जो किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। रिपोर्ट ने दर्शाया कि भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची है, जो पिछले वर्षों में 1.08 हेक्टेयर से कम हो गई है। इससे किसानों की उत्पादकता और आय पर असर पड़ा है। 55.4 फीसदी किसान परिवार कर्जदार हैं, औसतन 91,231 रुपए का कर्ज उन पर है। किसानों के पास आधुनिक उपकरण की कमी, उचित दाम न मिलने से हुआ नुकसान और आर्थिक असुरक्षा के मुद्दों पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट का मानना है कि कृषि संकट न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक सुधार की मांग करता है। सरकार को किसानों की स्थिति में सुधार करने, कर्ज मुक्ति और फसलों के उचित मूल्य की गारंटी देने के लिए समग्र नीतियां बनानी होंगी। यही हमारी किसानों की मजबूती का रास्ता है, ताकि हम एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण कर सकें।

कोरियाई कंपनी एलजी ने सेबी में दाखिल किया आईपीओ के लिए आवेदन, 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आईपीओ लाने के लिए तैयारी कर ली है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 1.8 बिलियन डॉलर के आईपीओ के लिए आवेदन किया है। कंपनी अपने योजना के मुताबिक 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने की इच्छा रख रही है। आईपीओ के आवेदन में कम्पनी द्वारा करीब 10.2 करोड़ शेयर बेचने का प्रस्ताव शामिल है। इससे पहले कोरियाई कंपनी हुंडई भी आईपीओ लेकर आई थी, जिसका इश्यू साइज 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक था। आईपीओ के 35 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए, 50 फीसदी संस्थागत निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। एलजी कंपनी ने भारत में पिछले करीब तीन दशकों से मजबूती से व्यापार किया है और अलग-अलग उत्पादों में काम कर रही है। आईपीओ में शेयर ओएफएस के तहत जारी किए जाएंगे, लेकिन कोई नया शेयर जारी नहीं होगा।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश में कमी, सोने की कीमतों में नरमी, नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर कम निवेश हुआ

नई दिल्ली । गोल्ड में निवेश की मांग नवंबर महीने में कम हो गई है। गोल्ड ईटीएफ के आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के ताजा आंकड़ों के अनुसार ग्लोबल स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में 6 महीने के इनफ्लो के बाद नवंबर में आउटफ्लो की गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही सोने की कीमतों में भी गिरावट के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। नवंबर में वैश्विक बाजार में सोने की कीमत 3 फीसदी से ज्यादा टूटी है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश में भी गिरावट का होना वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों से प्रमाणित हुआ है। छह महीने के इनफ्लो के बाद नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन कम निवेश हुआ है। यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश में भी कमी आई है और लगातार 11वें महीने इसमें गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, साल के शुरू से नवंबर तक गोल्ड ईटीएफ में निवेश में 2.6 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश ने...

पाकिस्तान से आने वाले किसी भी माल के लिए सीमा शुल्क निरीक्षण के अनिवार्य प्रावधानों को हटाने का अवसर मिलेगा, जिससे वे हथियार, विस्फोटक, नशीले पदार्थ (अफीम, प्रसंस्कृत अफीम और कोकीन सहित) और नकली भारतीय मुद्रा भेज सकेंगे, जो पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में आईएसआई नियंत्रित परिष्कृत सुरक्षा मुद्रण सुविधाओं में तैयार किए जाते हैं।इन नीतिगत बदलावों का असर बांग्लादेश से भी आगे तक फैला हुआ है। एक बार देश में घुसने के बाद, पाकिस्तानी आतंकवादी कमजोर सीमा सुरक्षा उपायों का फायदा उठाकर आसानी से भारत में घुस सकते हैं। इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को काफी खतरा है। ऐसे आतंकवादी नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों को पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल करते हुए, पाकिस्तानी आतंकवादी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल से भर्ती करने वालों को प्रशिक्षित कर सकते हैं, जिससे देश के भीतर उग्रवादी आंदोलनों को बढ़ावा मिलेगा। नेपाल में अल-कायदा द्वारा पहले स्थापित किए गए प्रशिक्षण शिविर इस जोखिम का उदाहरण हैं। बांग्लादेश के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले आतंकवादी भारतीय आधार कार्ड और पासपोर्ट हासिल कर सकते हैं, जिससे वे विदेश में हमले कर सकते हैं। ऐसी घटनाओं की स्थिति में, भारत को दोषी ठहराया जाएगा, जिससे उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा धूमिल होगी।

पाकिस्तानी आतंकवादी भारत के भीतर उग्रवादी और अलगाववादी समूहों के साथ संबंध मजबूत कर सकते हैं, आत्मघाती बम विस्फोटों सहित घातक हमलों की योजना बना सकते हैं। साथ ही, पाकिस्तानी माल को दी गई सीमा शुल्क छूट से हथियारों, विस्फोटकों, नकली मुद्रा और नशीले पदार्थों की तस्करी के रास्ते खुल जाते हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का नकली भारतीय मुद्रा बनाने का लंबा इतिहास रहा है, जिसका इस्तेमाल अक्सर आतंकी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए किया जाता है। पाकिस्तान से माल का अनियंत्रित प्रवाह भारत में इस तरह के प्रतिबंधित सामानों की बाढ़ आने का खतरा पैदा करता है।

सीमा शुल्क जांच को हटाने से मादक पदार्थों की तस्करी को भी बढ़ावा मिलता है। दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी सहित संगठित अपराध सिंडिकेट इस नीति का फायदा उठाकर भारत में हेरोइन, कोकीन और सिंथेटिक ओपिओइड जैसी दवाओं की तस्करी कर सकते हैं। ये नशीले पदार्थ फिर भारतीय युवाओं तक पहुंचेंगे, जिससे नशीली दवाओं के दुरुपयोग का संकट बढ़ेगा और समुदायों में अस्थिरता आएगी। इसके अलावा, तस्करी की गई दवाओं को भारतीय नेटवर्क के माध्यम से पश्चिमी देशों में भेजा जा सकता है। अगर इन खेपों को रोका जाता है, तो यह भारत को फंसाएगा, जिससे इसकी विश्वसनीयता और व्यापार संबंधों को नुकसान पहुंचेगा। नशीली दवाओं की तस्करी के मामलों में वृद्धि से भारतीय निर्यात की सख्त जांच भी हो सकती है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता है।यूनुस शासन की नीतियों के निहितार्थ भारत के लिए कई मोर्चों पर काफी गंभीर होने वाले हैं। भारत में आतंकवादियों और तस्करी की अनियंत्रित आवाजाही इसकी आंतरिक सुरक्षा को खतरे में डालती है। विद्रोही गतिविधियां तेज हो सकती हैं, जिससे संवेदनशील क्षेत्र अस्थिर हो सकते हैं। नकली मुद्रा और नशीले पदार्थों का प्रसार भारत की वित्तीय और सामाजिक स्थिरता को बाधित कर सकता है। यदि बांग्लादेश से आने वाले आतंकवादी या तस्करी के सामान विदेश में होने वाली घटनाओं से जुड़े हैं, तो भारत पर गलत तरीके से आरोप लगाए जाने का जोखिम है। इससे वैश्विक भागीदारों के साथ उसके संबंध खराब होंगे और उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा कमजोर होगी।

मोहम्मद यूनुस शासन की कार्रवाइयां भारत को अस्थिर करने के पाकिस्तान के रणनीतिक उद्देश्यों से मेल खाती दिखती हैं। आतंकवादियों और अवैध सामानों के अनियंत्रित प्रवेश की सुविधा देकर, यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश प्रभावी रूप से भारत के खिलाफ पाकिस्तान के छद्म युद्ध का माध्यम बन गया है। सुरक्षा और सीमा शुल्क जांच को सोची-समझी तरीके से हटाने से न केवल पाकिस्तानी नेटवर्क को बढ़ावा मिलता है, बल्कि भारत के क्षेत्रीय प्रभुत्व और वैश्विक प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचता है। बांग्लादेश द्वारा पाकिस्तान मूल की संस्थाओं के लिए सुरक्षा मंजूरी आवश्यकताओं और सीमा शुल्क जांच को वापस लेना जोखिम भरा कदम है। यह आतंकवादियों, तस्करों और संगठित अपराध सिंडिकेट को इस क्षेत्र का फायदा उठाने का रास्ता प्रदान करता है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक छवि के लिए अभूतपूर्व खतरा पैदा करता है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, भारत को अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत करना चाहिए, खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को बढ़ाना चाहिए और इन जोखिमों का मुकाबला करने के लिए कूटनीतिक रूप से जुड़ना चाहिए। मोहम्मद यूनुस शासन की कार्रवाइयों की बारीकी से जांच की जानी चाहिए, क्योंकि उनमें पूरे क्षेत्र को अस्थिर करने और शांति और सुरक्षा को कमजोर करने के इरादे से ताकतों को बढ़ावा देने की क्षमता है।मोहम्मद यूनुस शासन द्वारा लागू किए गए नीतिगत परिवर्तन न केवल भारत के लिए, बल्कि व्यापक क्षेत्र की स्थिरता के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आतंकवादियों की घुसपैठ और तस्करी के अनियंत्रित प्रवाह के खिलाफ सुरक्षा उपायों को खत्म करके, बांग्लादेश अपने पड़ोसियों को अस्थिर करने की पाकिस्तान की लंबे समय से चली आ रही रणनीति का एक माध्यम बनने जा रहा है। इसके परिणाम सुरक्षा खतरों से लेकर वैश्विक प्रतिष्ठा को धूमिल करने तक भयानक होने वाले हैं और क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों हितधारकों से तत्काल ध्यान देने की अपेक्षा करते हैं।बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की ये नीतियां स्पष्ट और प्राथमिक तौर पर भारत पर निशाना साधने वाली हैं। इसलिए उसे अत्यधिक सतर्कता के साथ जवाब देना चाहिए। सीमा सुरक्षा को मजबूत करना, खुफिया जानकारी साझा करने वाले नेटवर्क को बढ़ाना और इन घटनाक्रमों से उत्पन्न जोखिमों को दूर करने के लिए राजनयिक चैनलों का लाभ उठाना आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी यूनुस शासन की कार्रवाइयों की जांच करनी चाहिए, तथा आतंकवाद और संगठित अपराध को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता को पहचानना चाहिए। केवल सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से ही इन बढ़ते खतरों को कम किया जा सकता है, जिससे पहले से ही चुनौतियों से भरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विपक्षी गठबंधन...

एनसीपी (शरद पवार ग्रुप) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि ममता बनर्जी पूरी तरह से इंडी गठबंधन का अभिन्न अंग हैं। वह भारत की सबसे बड़ी नेताओं में से एक हैं। एक जीवंत लोकतंत्र में विपक्ष की बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी होती है इसलिए अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें तो हम उनके साथ हैं। वहीं, कई राज्यों में सत्ता पर आसीन भाजपा ने ममता के बयान को आधार बनाकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। भगवा दल का कहना है कि राहुल को हम नहीं विपक्षी गठबंधन बालक बुद्धि कहता है।तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख के बयान पर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा, हम ममता बनर्जी की इस राय को जानते हैं। हम सब यह भी चाहते हैं कि वह इंडी गठबंधन की एक प्रमुख भागीदार बनी रहें। चाहे ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना (यूबीटी), हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे। समाजवादी पार्टी के नेता उदयवीर सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी एक वरिष्ठ नेता हैं, उनके पास बहुत अनुभव है। वह सक्षम हैं। हमारी पार्टी के उनके साथ संबंध अच्छे हैं और हमें उनके नेतृत्व पर भरोसा है। इंडी ब्लॉक के नेताओं को मिलकर तय करना होगा कि क्या किया जाना चाहिए। अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है, तो हम इसका समर्थन करेंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि ममता बनर्जी कभी भी इंडी गठबंधन के साथ नहीं चली हैं। हमेशा उनके बीच में गतिरोध रहा है। जो अति महत्वाकांक्षा वाले लोग हैं या अराजकता वाले लोग हैं वो एक साथ कैसे चल सकते हैं? इंडी गठबंधन के दल केवल निजी महत्वाकांक्षा के लिए काम करते हैं इसलिए वे सफर में बहुत लंबे समय तक साथ नहीं चल सकते हैं।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जब से कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में हारी है तब से इंडी गठबंधन में किस प्रकार का विभाजन देखने को मिल रहा है वो ममता बनर्जी के बयान से पता चलता है। उन्होंने कहा है कि जो विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व है यानी कांग्रेस है उससे हो नहीं पा रहा है। ऐसा ही बयान विपक्षी पार्टियों का भी आया है। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस का समर्थन नहीं दिया जब वो संसद में प्रदर्शन कर रहे थे। हर जगह कांग्रेस, खासकर राहुल गांधी, जो 80-90 चुनाव हार चुके हैं, अब उनके खिलाफ जनता नहीं बल्कि उनके खुद के साथी अविश्वास प्रस्ताव पारित कर रहे हैं।

सपा को मिला गठबंधन से अलग होने का बहाना

मुंबई, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी के टूटने का ऐलान हो गया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में हार के बाद ही विपक्षी गठबंधन में दरारें पड़नी शुरू हो गई थीं। कई दल गठबंधन से अलग होने का बहाना तलाश रहे थे। इसमें समाजवादी पार्टी को बहाना मिल गया और उसने महा विकास अघाड़ी से अलग होने की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र सपा के प्रमुख अबू आजमी ने कहा कि शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे के बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर रुख के चलते उनकी पार्टी ने एमवीए छोड़ने का निर्णय किया है।

सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबु आजमी ने एमवीए छोड़ने के फैसले पर कहा, शिवसेना-यूबीटी की तरफ से अखबार में एक विज्ञापन दिया गया था जिसमें बाबरी मस्जिद के विध्वंस में शामिल लोगों को बधाई दी गई थी। उनके (उद्धव ठाकरे के) करीबियों ने इसे एक्स पर भी पोस्ट किया और मस्जिद के गिराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इसलिए हम महा विकास अघाड़ी छोड़ रहे हैं। मैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात कर रहा हूं। शिवसेना-यूबीटी के नेता मिलिंद नार्वेकर ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें बाल ठाकरे का वक्तव्य, - जिन्होंने ये किया मुझे उन पर गर्व है- भी शामिल था। शिवसेना सचिव ने इसके साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अपनी तस्वीर भी इस पोस्ट में इस्तेमाल की थी। इस पर अबू आजमी ने कहा कि अगर महा विकास अघाड़ी में कोई इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है तो उनमें और भाजपा में क्या फर्क रह जाता है? आखिर हम उनके साथ क्यों रहें?गौरतलब है कि सपा की महा विकास अघाड़ी गठबंधन से इस दूरी की नींव विधानसभा चुनाव से पहले ही पड़ गई थी। तब एमवीए की तरफ से उम्मीदवारों के चयन से समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने नाराजगी जाहिर की थी और अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि वे समाजवादी पार्टी को सीटें नहीं देना चाहते हैं। मैं नहीं चाहता कि एमवीए टूटे और वोट बंटें, लेकिन अगर वे हमारी बात नहीं सुनते हैं तो हमारे पास अकेले चुनाव लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

ढाका में...

कॉन्शसनेस (इस्कॉन) के एक और मंदिर पर अराजक तत्वों का हमला हुआ। मंदिर में पहले तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। यह हमला शनिवार नमहट्टा मंदिर पर किया गया। कोलकाता में इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश के ढाका जिले में स्थित इस्कॉन मंदिर को आज तड़के सुबह जला दिया। मंदिर में रखे देवी-देवताओं की मूर्तियां और अन्य सामान भी जला दिए गए। मंदिर जलाए जाने की तस्वीर साझा करते हुए राधारमण दास ने कहा, बांग्लादेश में एक और इस्कॉन नमहट्टा मंदिर को जला दिया गया। श्रीलक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर का सारा सामान आग के हवाले कर दिया गया। यह मंदिर ढाका जिले के धौर गांव में स्थित है और तुराग थाना क्षेत्र के तहत आता है।राधारमण ने यह भी कहा कि आग मंदिर के पीछे लगी टिन की छत को उठाकर पेट्रोल या ऑक्टेन का इस्तेमाल करके लगाई गई। उन्होंने दावा किया कि हमले जारी हैं और इस्कॉन द्वारा बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का ध्यान इस ओर खींचने के बावजूद पुलिस-प्रशासन द्वारा उनकी शिकायतों को दूर करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन नमहट्टा मंदिर में की गई भयानक आगजनी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसने लक्ष्मी नारायण की मूर्ति और पवित्र मंदिर की वस्तुओं को नष्ट कर दिया। यह पूजा स्थल के खिलाफ घृणा का एक अक्षम्य कार्य है। दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि 26 नवंबर को हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके समर्थकों ने जेल ले जा रहे जेल वैन को रोक दिया था। इस घटना के दौरान एक सरकारी वकील की मौत हो गई थी। दास को देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया था, जिससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। अन्य घटनाक्रमों में बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में अदालत परिसर में अफरातफरी नजर आई, जबकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं और करीबी सहयोगियों पर पुलिस सुरक्षा के बावजूद अदालत में पेशी के दौरान भीड़ ने हमला किया।

हिंदू दलित...

इससे मुस्लिम समाज को भी सतर्क रहना चाहिए।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि जिन लोगों की वजह से संसद में दलित वर्ग के सांसद पहुंचे हैं। वह अपनी-अपनी पार्टियों के आकाओं को खुश करने के लिए दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर चुप बैठे हैं। चाहे दलितों के उत्पीड़न का मामला अपने देश का हो या फिर बंगलादेश का। बांग्लादेश में सभी वर्गों के हिंदू लोग जुल्म-ज्यादती का शिकार हो रहे हैं। इसमें ज्यादातर वो दलित हैं, जिनकी भारत देश में बहुलता है। इसके बाद भी बंटवारे में जबरन उनको बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को संविधान सभा में चुनकर भेजने की सजा के तौर पर पाकिस्तान को दे दिया गया था।बाबा साहेब संविधान सभा में बंगाल के जिस जैसोर-खुलना क्षेत्र से चुनकर आए, तो उसे हिंदू बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद भी, षडयंत्र के तहत पहले पाकिस्तान के हवाले कर दिया। अब बांग्लादेश में है। इससे बाबा साहेब इस्तीफा देकर भारत वापस आ गए। यह सब जातिवादी खेल कांग्रेस पार्टी का था। अब वहां दलितों का शोषण हो रहा है तो मुख्य विपक्षी पार्टी इस पर चुप है। केवल मुस्लिम वोट के लिए संभल-संभल चिल्ला रही है। इस मामले में कांग्रेस, सपा व इनके समर्थक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।मायावती ने मांग की है कि भाजपा व उनके नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार अपनी जिम्मेवारी को आगे बढ़चढ़ के निभाए। ताकि सबसे ज्यादा शोषण का शिकार हो रहे दलित व अन्य लोगों को राहत मिले। भाजपा को वहां की सरकार से बात करके भारत वापस लाया जाए। अन्यथा दलितों के मामले में कांग्रेस व भाजपा में हमारी पार्टी कोई अंतर नहीं समझेगी। भारत की तरफ से उन सबकी सुरक्षा व उन्हें हर प्रकार से संरक्षण देना जरूरी है।

चीन का दृढ़ता से...

सेमीकंडक्टर क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक गतिशीलता को नया आकार देने के लिहाज से काफी मायने रखता है। विदेश मंत्री ने भारत-जापान फोरम के उद्घाटन सत्र में कहा, जापान अपने सेमीकंडक्टर क्षेत्र को पुनर्जीवित कर रहा है और भारत ने भी लंबे समय की उपेक्षा के बाद सेमीकंडक्टर मिशन की घोषणा की है। हम दोनों ताइवान के साथ भी काम कर रहे हैं। इससे इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में परिवर्तनकारी साझेदारी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। यह आने वाले दशक में भू-राजनीतिक स्तर के समीकरणों को संतुलित करेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जापान दोनों चीन के पड़ोसी देश हैं। हमारे साथ चीन के संबंध स्थिर थे और दोनों देशों का व्यापार भी बढ़ रहा था। चीन ने भारत में निवेश भी किया है, लेकिन दोनों देशों के संबंध तभी तक स्थिर रह सकते हैं, जब तक सीमा पर शांति रहेगी।जयशंकर ने कहा, आजादी के करीब आठ दशक बाद भारतीय लोकतंत्र के असली फल देखने को मिल रहे हैं। दुनिया में हमारा रुतबा बढ़ा है। कोई भी बड़ा मसला भारत से सलाह-मशविरा किए बिना तय नहीं होता। हम बदल गए हैं और हमारे बारे में दुनिया का नजरिया बदल गया है। आज का भारत पहले से कहीं ज्यादा योग्य, सक्षम, निडर, आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी है।

कर्मचारियों को...

निवेश कर सकते हैं। यानी इस मामले में एनपीएस और यूपीएस एक जैसे हो गए। एनपीएस में पूरा निवेशित फंड आपके नॉमिनी को वापस मिल जाता है, लेकिन यूपीएस में वापस सरकार के पास चला जाएगा। इस लिहाज से भी नई पेंशन व्यवस्था में दोष है। जब तक सरकार, कर्मचारी अंशदान को वापस नहीं करती, तब तक यूपीएस अस्वीकार है। दूसरी मांग, 50 प्रतिशत पेंशन का प्रावधान 20 साल की नौकरी पर ही किया जाए। वीआरएस के लिए भी 20 साल की नौकरी को ही 50 प्रतिशत पेंशन का आधार माना जाए। उसी दिन से कर्मचारी को पेंशन मिले, तभी न्याय संभव है।बतौर पटेल, 30 नवंबर को बीएसएफ के एक जवान ने वीआरएस ली है। उसकी बेसिक पे 42800 रुपए थी। रिटायरमेंट ग्रैचुइटी 654840 रुपए बनी है। लीव एनकैशमेंट 392904 रुपए था। रिटायरमेंट टीए 39200 रुपए मिला। एफए 10000 रुपए, सीजीईजीआईएस 11772 रुपए, जीजेएसपीकेके 23519 रुपए और एनपीएस फंड में कुल योगदान का 20 प्रतिशत 542000 रुपए बना है। मासिक पेंशन 11500 रुपए मिलेगी। कुल 1674235 रुपए मिले हैं।डॉ. पटेल ने गणित के एक फार्मूले से यह बताया है कि वह जवान, ओपीएस या यूपीएस में होता तो उसे कितनी मासिक पेंशन मिलती। यदि बीएसएफ जवान, ओपीएस में वीआरएस लेता तो उसे 32742 रुपए प्रति माह मिलते। (सूत्रः 42800÷0.5=21400÷1.53 =32742 रुपए प्रति माह +10.84 लाख रुपए जीपीएफ फंड)। यूपीएस में इसी जवान को 29194 रुपए प्रतिमाह मिलते। (सूत्र42800÷0.4=17120.0÷1.53=29 194.00 + 3.28 लाख लंपसम्प फंड)। इसके अलावा केंद्र सरकार के बाकी बेनिफिट्स जैसे लीव एनकैशमेंट, ग्रेच्युटी, बीमा, मेडिकल आदि एक समान रहेंगे।

गत 17 नवंबर को जंतर मंतर पर पेंशन जयघोष रैली में भी यही दो मांगें सरकार के समक्ष रखी गई थीं। केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने भारत सरकार से अपील की थी कि एनपीएस कर्मचारियों के लिए ओपीएस में शामिल रहे दोनों प्रावधान लागू किए जाएं। पहली मांग है, सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी और दूसरी 50 फीसदी पेंशन की गणना 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की सेवा के बाद हो। पटेल ने बताया, ये दोनों मांगें बहुत जल्द पूरी होने वाली हैं। कर्मचारियों के आंदोलन को किसी पार्टी का आंदोलन या किसी पार्टी के खिलाफ आंदोलन साबित न होने दें। हमारी मांग और लड़ाई, दोनों भारत सरकार से है, किसी पार्टी से नहीं। कर्मचारी, भारत सरकार का हिस्सा हैं, न कि किसी पार्टी का। उक्त दोनों मागों को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरु किया गया है। देशभर में लाखों कर्मचारी, इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।इस साल केंद्र सरकार ने एनपीएस में सुधार कर एक नई पेंशन योजना यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की थी। हालांकि सरकार ने इसे अगले वर्ष पहली अप्रैल से लागू करने की बात कही है। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बुलाई गई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक का बहिष्कार किया था। वजह, एआईडीईएफ की मांग थी कि पुरानी पेंशन बहाल की जाए। कर्मचारियों को एनपीएस में सुधार या कोई नई पेंशन योजना मंजूर नहीं है। दूसरे कर्मचारी संगठनों ने भी यूपीएस पर नाखुशी जताई। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के सदस्यों ने दो अक्टूबर को प्रतिज्ञा ली थी कि जब तक वे गैर-अंशदायी पुरानी पेंशन योजना हासिल नहीं कर लेते, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। इनके अलावा रेलवे के विभिन्न कर्मचारी संगठन भी यूनिफाइड पेंशन स्कीम के विरोध में खड़े हो गए हैं। वे भी आवाज बुलंद कर रहे हैं।

कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए करें भानु सप्तमी व्रत

आज रखा जायेगा भानु सप्तमी व्रत

हिंदू धर्म में पूरे साल कई सारे व्रत और त्योहार आते हैं। वहीं सालभर में जिस दिन सप्तमी तिथि पर रविवार पड़ता है उसे भानु के नाम से जाना जाता है। फिलहाल अगहन यानि कि मार्गशीर्ष माह चल रहा है और इस महीने की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 08 दिसंबर को पड़ रही है। इसी दिन भानु सप्तमी का पर्व मनाया जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि, जो भी व्यक्ति इस दिन व्रत रखने के साथ ही भगवान सूर्य की विधि विधान से पूजा करता है उसे सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भानु सप्तमी को सूर्य सप्तमी, अचला सप्तमी, सूर्यरथ सप्तमी, रथ सप्तमी और आरोग्य सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है। जिन जातकों की कुंडली में सूर्य अशुभ फल दे रहा हो उनको इस दिन सूर्य भगवान की पूजा करने के बाद आदित्य हृदय स्रोत का पाठ करना चाहिए। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को लंबी आयु, आरोग्य, धन-धान्य में बढ़ोत्तरी, यश-कीर्ति, विद्या, भाग्य और पुत्र, मित्र व पत्नी का सहयोग प्राप्त होता है।

सुबह उगते हुए सूर्य को प्रणाम करने या जल चढ़ाने से मन में आत्मविश्वास बढ़ता है एवं सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। सप्तमी तिथि पर सूर्य को जल चढ़ाने और पूजा करने से रोग दूर होती हैं। भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र को सूर्य पूजा का महत्व बताया है। श्रीकृष्ण ने कहा है कि सूर्य ही एक प्रत्यक्ष देवता हैं। यानी ऐसे भगवान हैं जिन्हें रोज देखा जा सकता है। पुराणों के अनुसार इस सप्तमी को जो भी सूर्य देव की उपासना तथा व्रत करते है,उनके सभी रोग ठीक हो जाते हैं। श्रद्धा के साथ सूर्य पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं एवं इनकी पूजा से दिव्य ज्ञान की प्राप्ति होती है। शास्त्र के अनुसार सूर्य के कमजोर होने के कारण व्यक्ति को नेत्र रोग,अस्थि रोग और त्वचा रोग आदि होते हैं।उसका आत्मबल कमजोर रहता है तथा पिता से सम्बन्ध भी ठीक नहीं रहते अतः ऐसे व्यक्ति के लिए सूर्योपासना करना विशेष लाभकारी होता है।नेत्र रोग से मुक्ति के लिए नित्य प्रति चाक्षुषोपनिषद का पाठ करना चाहिए।

भानु सप्तमी तिथि

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 07 दिसंबर को रात 11:05 मिनट से होगी। वहीं, इसका समापन 08 दिसंबर को सुबह 9:44 मिनट पर होगा। ऐसे में भानु सप्तमी 08 दिसंबर को मनाई जाएगी।

सूर्य देव की उपासना

रथ सप्तमी या भानु सप्तमी के दिन भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। पौराणिक मान्यता है कि भानु सप्तमी तिथि पर सूर्य देव की उपासना करने से व्यक्ति को जीवन में यदि कोई मानसिक और शारीरिक कष्ट है तो उससे मुक्ति मिलती है। इसके अलावा जिन जातकों की लग्न कुंडली में सूर्य कमजोर होता है तो भानु सप्तमी व्रत करने से कुंडली में सूर्य मजबूत होता है।

धार्मिक महत्व

रथ सप्तमी को सूर्य सप्तमी, अचला सप्तमी, सूर्यरथ सप्तमी, भानु सप्तमी और आरोग्य सप्तमी भी कहते हैं। इस व्रत को करने से कुंडली में जब सूर्य मजबूत होता है तो करियर और कारोबार में मन मुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही आय, आयु, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। मनचाही नौकरी भी प्राप्त होती है।

सूर्य चालीसा का भी करें पाठ

पंचोपचार करने के बाद सूर्य देव की पूजा फल, फूल, धूप-दीप, अक्षत, दूर्वा आदि से करें। आखिर में सूर्य चालीसा और सूर्य कवच का पाठ करें। सूर्य देव की आरती-अर्चना के बाद पूजा का समापन करें और गरीब व जरूरतमंदों को दान दें।

भानु सप्तमी पर पूजा

9 जुलाई को ब्रह्म मुहूर्त में जागने के बाद स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें। सूर्योदय के साथ ही सूर्य देव को प्रणाम कर व्रत का संकल्प लें। बहती जलधारा में काले तिल प्रवाहित करें। जल में चावल, काले तिल, रोली और दूर्वा मिलाकर सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। सूर्य देव की पूजा के दौरान इन मंत्रों का जाप करें

एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पय मां देवी गृहाणार्घ्यं दिवाकर।।

ॐ भूर्भुवः स्वःतत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो
देवस्यः धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

दान करें

सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, लाल चंदन का दान करें। श्रद्धानुसार इनमें से किसी भी चीज का दान किया जा सकता है।

भानु सप्तमी पर राशि अनुसार दान।

मेष राशि के जातक भानु सप्तमी पर लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इससे जातक को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

वृषभ राशि के जातक भानु सप्तमी पर दूध और दही का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक को सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन राशि के जातक भानु सप्तमी पर धन का दान करें। इससे कभी भी धन की कमी नहीं होगी।

कर्क राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन सफेद वस्त्र का दान करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह राशि के जात भानु सप्तमी के दिन लाल रंग के कपड़े जरूरतमंदों को दें। इससे जातक को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

कन्या राशि के जातक भानु सप्तमी पर फल का दान करें। इससे रुके हुए काम पूरे होंगे।

तुला राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर दूध, चावल और चीनी का दान करें। इन चीजों का दान करने से कुंडली में शुक्र मजबूत होता है।

वृश्चिक राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन मसूर दाल, मूंगफली, शहद का दान करें। इससे सदैव जातक पर सूर्य देव की कृपा बनी रहती है।

धनु राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि के दिन पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इससे मनचाही नौकरी मिलती है।

मकर राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर काले कंबल का दान करें। इससे धन लाभ के योग बनते हैं।

कुंभ राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर काले तिल, काले जूते, चमड़े का चप्पल आदि चीजों का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक पर कृपा बरसती है।

मीन राशि के जातक भानु सप्तमी पर सूर्य देव का आशीर्वाद पाने हेतु सरसों, पीले रंग के फल और पीले रंग के वस्त्र का दान करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

देशभर में प्रसिद्ध है गोदड़ीवाला धाम

पाकिस्तान के सिंध से भी आते हैं सिंधी समाज के भक्त

संत बाबा गेलाराम साहेब, जलगांव

राजधानी के देवपुरी इलाके में सिंधी समाज का प्रसिद्ध गोदड़ीवाला धाम स्थित है। देशभर में सिंधी समाज के लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह धाम तीर्थस्थल की तरह है। यहां सिंधी समाज के दो प्रसिद्ध संतों की प्रतिमा स्थापित है। प्रतिमा के समक्ष मत्था टेकने और आशीर्वाद लेने के लिए देशभर के श्रद्धालुओं के अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में रहने वाले श्रद्धालु भी दर्शन करने आते हैं। वैसे तो इस धाम में अनेक पर्व, त्योहार और आयोजन संपन्न होते हैं, लेकिन वर्ष में दो बार होने वाले संतों के बरसी महोत्सव में विशेष रौनक होती है।

एक वर्ष में एक बार पाकिस्तान से लगभग 200 श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। ये श्रद्धालु शहर के गोदड़ीवाला धाम, शदाणी दरबार के दर्शन करने के साथ ही देशभर के तीर्थों के भी दर्शन करते हैं।

सेवा, परोपकार की मिसाल बने संत गेलाराम

गोदड़ीवाला धाम से संत बाबा गेलाराम ने घर-घर में सेवा, परोपकार की अलख जगाई। अनेक वर्षों तक सेवा कार्य के पश्चात 10 दिसंबर, 2008 को बाबा ब्रह्मलीन हुए। इसके बाद से हर वर्ष 10 दिसंबर को निर्वाण दिवस पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन किया जाता है।

साथ ही 12 फरवरी को जन्मोत्सव पर भी तीन दिनों तक भक्ति, सत्संग, रक्तदान, निर्धनों को अनाज वितरण, सामूहिक जनेऊ, सामूहिक विवाह आदि आयोजनों की धूम मचती है।

दरबार परिसर में हिंदू धर्म के सभी जाति के लोगों के लिए पाठशाला संचालित की जा रही है। इस पाठशाला में 300 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। साथ ही प्रत्येक माह की 12 तारीख को संत के जन्मोत्सव दिवस पर महाभंडारे में दो हजार से अधिक लोग भोजन ग्रहण करते हैं।

2009 में संत बाबा गेलाराम की प्रतिमा स्थापित

संत गेलाराम ने देशभर में सिंधी समाज के लोगों को प्रेम, सद्भावना, सेवा, परोपकार का संदेश दिया। 2008 में परलोकगमन के एक वर्ष बाद 2009 में समाज के लोगों ने संत की समाधि बनवाई और प्रतिमा की स्थापना की। धाम में पिछले 15 वर्ष से बरसी महोत्सव मनाया जा रहा है।

देशभर से सिंधी समाज के संत, महात्मा और श्रद्धालु शामिल होते हैं। अन्य शहरों से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन की व्यवस्था गोदड़ीवाला धाम परिसर में की जाती है। धाम की महंत हैं अम्मा मीरादेवी गोदड़ीवाला धाम की महंत अम्मा मीरादेवी के सान्निध्य में सभी धार्मिक आयोजन संपन्न होते हैं।

जलगांव के महंत देवीदास, शदाणी दरबार के पीठाधीश्वर संत युधिष्ठिरलाल, चकरभाठा के संत सांई लालदास सहित अनेक संतों के मार्गदर्शन में हवन, झंडारोहण, बहिराणा साहिब की यात्रा, पल्लव साहिब आदि रस्म निभाई जाती है।

तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध गोदड़ी वाला धाम

ऐसी मान्यता है कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हयात पिताफी में संत शदाराम साहिब का धूनी स्थल है। इसी तरह संत बाबा गेलाराम की तपस्या स्थली गोदड़ी वाला धाम है। जो सिंधी समाज के लोगों के लिए प्रेरणादायी तीर्थ स्थल है। बाबा गेलाराम ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष इसी धाम में व्यतीत किया था।

सोमवती अमावस्या पर करें राशि अनुसार दान, मिलेगा पितरों का आशीर्वाद

अमावस्या तिथि बेहद शक्तिशाली मानी गई है। यह दिन पूर्वजों को समर्पित है। सोमवार को पड़ने की वजह से इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। अमावस्या को आत्मा की शुद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 30 दिसंबर, 2024 दिन सोमवार को साल की अंतिम सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी। ऐसे में इस दिन ज्यादा से ज्याद दान और पूजा-अर्चना करें। इससे सभी इच्छाओं की पूर्ति होगी। साथ ही अन्न और धन में वृद्धि होगी।

सोमवती अमावस्या पर करें इन चीजों का दान

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को सोमवती अमावस्या पर गर्म कपड़ों का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन चावल का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर पालक या हरी चीजों का दान करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को सोमवती अमावस्या पर दूध का दान करना चाहिए।

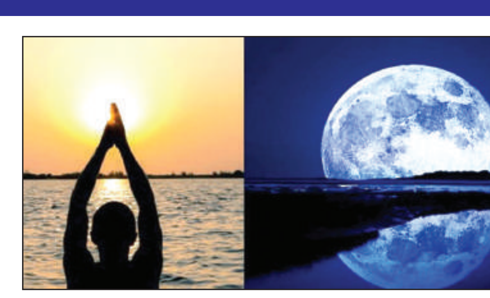

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर लाल रंग के वस्त्र का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को सोमवती अमावस्या पर घी का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर गुड़ का दान करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर केसर की खीर का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को सोमवती अमावस्या पर काले तिल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर काली उड़द का दान करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस मौके पर पीले वस्त्र का दान करना चाहिए।

शादी में दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे को क्यों पहनाते हैं जयमाला, कैसे हुई इसकी शुरुआत?

हिंदू धर्म में विवाह से कुछ दिन पहले ही रस्मों की शुरुआत हो जाती है। सभी रस्मों को विधिपूर्वक किया जाता है। इनमें हल्दी, मेहंदी, जयमाला और जूते चुराई समेत आदि रस्मों को निभाया जाता है। जयमाला एक ऐसी रस्म है, जिसमें वर और वधु एक-दूसरे को जयमाला पहनाते हैं। इस रस्म के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। क्या आप जानते हैं कि विवाह के दौरान वर और वधु के द्वारा एक-दूसरे को जयमाला पहनाने की रस्म की शुरुआत कैसे हुई और इस रस्म को क्यों निभाया जाता है? अगर नहीं पता, तो ऐसे में आइए जानते हैं इससे जुड़ी वजह के बारे में।

ऐसे हुई जयमाला पहनाने की शुरुआत

जयमाला की रस्म का उल्लेख पौराणिक कथाओं और ग्रंथों में देखने को मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, स्वयंवर के दौरान भगवान श्रीराम ने शिव जी के धनुष को तोड़ा था, जिसके बाद माता सीता ने राम जी को वरमाला पहनाई थी और उन्हें अपना जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया था। उसी समय से जयमाला की रस्म की शुरुआत मानी जाती है। इस रस्म को विवाह का एक अहम हिस्सा माना जाता है।

अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार ऐसा समय आया कि जब जगत के पालनहार भगवान विष्णु सृष्टि के संचालन में व्यस्त हो गए थे, तो उस समय धन की देवी मां लक्ष्मी समुद्र की गहराइयों में समाहित हो गईं थीं।

इसी वजह से श्रीहरि ने मां लक्ष्मी को पुनः प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन कराया। इसके बाद समुद्र मंथन से देवी लक्ष्मी अपने हाथ में फूलों की माला लेकर अवतरित हुईं थीं। उन्होंने भगवान विष्णु को माला पहनाई थीं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विवाह के दौरान दूल्हा और दुल्हन के द्वारा एक-दूसरे को जयमाला पहनाने का मतलब यह है कि वर और वधु एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करना। इस दौरान परिवार, घर और मित्रगण वर और वधु को नए की जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

कैसी होती है जयमाला

जयमाला को कई तरह के फूलों की मदद से बनाई जाती है, क्योंकि फूलों को उत्साह, सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। मान्यता के अनुसार, जयमाला सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। शादी के दौरान इस रस्म को प्राचीन समय से निभाया जा रहा है।

आने वाले साल में कब है महाशिवरात्रि?

महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव को समर्पित है। इस त्योहार को हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसलिए इस तिथि को महाशिवरात्रि के रूप में हर साल मनाया जाता है। इस दिन महादेव के संग मां पार्वती की पूजा करने से वैवाहिक जीवन सदैव खुशहाल होता है। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि वर्ष 2025 महाशिवरात्रि कब मनाई जाएगी।

महाशिवरात्रि शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट से होगी और इसके अगले दिन यानी 27 फरवरी को सुबह को 08 बजकर 54 मिनट पर तिथि का समापन होगा। सनातन धर्म में महादेव की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है। ऐसे में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी।

महाशिवरात्रि पूजा मुहूर्त

रात्रि प्रथम प्रहर पूजा समय - रात को 06 बजकर 19 मिनट से लेकर 09 बजकर 26 मिनट तक।

रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा समय - रात को 09 बजकर 26 मिनट से लेकर रात्रि 12 बजकर 34 मिनट तक

रात्रि तृतीय प्रहर पूजा समय - रात्रि 12 बजकर 34 मिनट से लेकर सुबह 03 बजकर 41 मिनट तक

रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा समय - सुबह 03 बजकर 41 मिनट से लेकर 06 बजकर 48 मिनट तक

शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 09 मिनट से 05 बजकर 59 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 29 मिनट से 03 बजकर 15 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 16 मिनट से 06 बजकर 42 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - सुबह 07 बजकर 28 मिनट से 09 बजे तक

महाशिवरात्रि पूजा सामग्री

महाशिवरात्रि पूजा की थाली में दूध, चन्दन, रोली, मौली, चावल, कपूर, बेलपत्र, केसर, भांग, मदार, धतूरा, गाय का दही, इत्र, कुमकुम, पुष्पमाला, शमी पत्र, रत्न-आभूषण, शहद, शर्करा, फल, गंगाजल, जनेऊ, परिमल द्रव्य, इलायची, लौंग, सुपारी, पान, दक्षिणा समेत आदि चीजों को शामिल करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि महाशिवरात्रि पूजा में इन चीजों को शामिल न करने से जातक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है।

पुष्पा 2 ने रचा इतिहास आरआरआर को पछाड़ 175 करोड़ से खोला खाता

इंडिया की बिगेस्ट ओपनर बनी अल्लू अर्जुन की फिल्म

सुकुमार-अल्लू अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने ओपनिंग डे पर नया इतिहास रचा है. पुष्पा 2 आधिकारिक तौर पर भारतीय और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी है. 5 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुए पुष्पा 2 ने राजामौली की एपिक फिल्म आरआरआर को पछाड़कर बॉक्स ऑफिस का नया बादशाह बन गया है.सैकनिल्क के लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पुष्पा 2 ने सभी भाषाओं में अपने पहले दिन भारत में लगभग 165 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. यह सब एक सप्ताह के दिन हुआ. वहीं प्रीमियर शो से अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 10.1 करोड़ रुपये का बिजनेस किया.इस तरह पुष्पा 2 ने लगभग 175.1 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग की है. इसने राम चरण, जूनियर एनटीआर की फिल्म आरआरआर को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया. सैकनिल्क के मुताबिक, राम चरण, जूनियर एनटीआर की फिल्म ने 133 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग की थी.पुष्पा 2 ने हिंदी में शाहरुख खान की फिल्म जवान को पीछे छोड़ दिया है. सैकनिल्क के मुताबिक, 2023 में रिलीज हुई किंग खान और नयनतारा की फिल्म जवान ने ओपनिंग डे पर सभी भाषाओं में 75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इसमें से फिल्म ने सिर्फ में हिंदी वर्जन में 65.5 करोड़ रुपये कमाए. किंग खान की यह हिंदी में सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म बनी. अब अल्लू अर्जुन की फिल्म ने किंग खान के इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है.

पुष्पा 2 ने हिंदी वर्जन में जवान को पछाड़ते हुए 67 करोड़ रुपये की कमाई की है.भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनर फिल्म आरआरआर है, जिसने पहले दिन 223.5 करोड़ रुपये कमाए, उसके बाद बाहुबली 2 (214.5 करोड़ रुपये) और कल्कि 2898 एडी (182.6 करोड़ रुपये) हैं. कई ट्रेड एनालिस्ट पुष्पा 2 के लिए 250 करोड़ रुपये से ऊपर का आंकड़ा बता रहे हैं. उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पुष्पा 2 और भी कई रिकॉर्ड अपने नाम करेगी.सुकुमार की निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स और मुत्तमसेट्टी मीडिया की निर्मित, फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल एक बार फिर अपने पुराने किरदार पुष्पा राज, श्रीवल्ली और भंवर सिंह शेखावत को दोहराते हुए नजर आए हैं.

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा को मिला ग्लोबल एंटरटेनर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

मशहूर कॉमेडियन, टेलीविजन होस्ट और अभिनेता कपिल शर्मा को एनडीटीवी के 'इंडियन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स' 2024 में 'ग्लोबल एंटरटेनर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें शुक्रवार को ये सम्मान दिया गया।

अवॉर्ड मिलने के बाद भावुक 'कॉमेडी किंग' ने कहा, आज से 20 साल पहले मैं इसी होटल में किसी गायक के साथ कोरस गायक के तौर पर परफॉर्म करने आया था। आज 20 साल बाद मुझे उसी होटल में अवॉर्ड मिल रहा है। मैं वास्तव में भगवान का बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

कपिल ने मनोरंजन इंडस्ट्री में अपने शानदार सफर के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने यह शो शुरू किया था, तो मुझे 24 एपिसोड से ज्यादा नहीं दिया गया था और आज इस शो को 12 साल हो चुके हैं। मेरा सफर बहुत शानदार रहा।

थिएटर से शुरुआत करने के बाद मैंने दिल्ली में कई साल बिताए और फिर मैं मुंबई आ गया। मैं भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझे रास्ता दिखाया। जब मैं एक रियलिटी शो के लिए चुना गया, तो मेरी जिंदगी में बहुत सी चीजें बदल गईं। जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मुझे लगता है कि यही जिंदगी है।सोशल मीडिया पर लोगों की बढ़ती एक्टिविटिज को लेकर भी कपिल शर्मा ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, हम सोशल मीडिया में बहुत ज्यादा डूबे हैं। हम जानना चाहते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन से क्या कहा है, लेकिन हमें नहीं पता कि हमारे पिता बगल के बाथरूम में गिर तो नहीं गए। सोशल मीडिया पर बहुत समय बिताकर हम लोगों को अपनी दुनिया में आने का मौका दे रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए और मैं इसके लिए कोशिश कर रहा हूं।

कपिल शर्मा ने कहा, मैंने प्लेटफॉर्म पर अपना समय सीमित कर दिया है। मुझे पता है कि किसी व्यक्ति के सोशल मीडिया पर समय बिताने के कई कारण हो सकते हैं। हम सभी की परिस्थितियां एक जैसी नहीं होती। लेकिन यह मत भूलिए कि हर दिन नया होता है।

राशि खन्ना ने डार्क ग्रीन कलर का सूट में नजर आई

बॉलीवुड एक्ट्रेस राशि खन्ना द साबरमती रिपोर्ट को लेकर काफी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस के तौर पर भूमिका निभाई हैं। हालांकि दर्शकों को उनकी एक्टिंग काफी पसंद भी आ रही है। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।साउथ और बॉलीवुड की खूबसूरत हसीना राशि खन्ना आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस राशि खन्ना ने डार्क ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में बड़े इयररिंग्स और नो मेकअप लुक कर के साथ ही न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस राशि खन्ना इन दिनों अपनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं।राशि खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। ये नहीं वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनके लुक को देखकर अक्सर फैंस उनका स्टाइल फॉलो करते हैं।

अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची का दमदार टीजर रिलीज

अजित कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची अब पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। इस बीच फिल्म के निर्माता ने अब यह आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी है कि यह फिल्म जनवरी 2025 में पोंगल के त्योहार के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी होगी। हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने बिना किसी पूर्व घोषणा के इसका टीजर जारी कर दिया। जारी किए गए टीजर लगभग दो मिनट लंबा है। इसमें फिल्म के सभी स्टार कास्ट, त्रिशा कृष्णन, अर्जुन सरजा, रेगिना कैसांड्रा, आरव समेत कई कलाकारों की झलकियां दिखाती हैं।इस टीजर को साझा करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, अडिग प्रयास और न रुकने वाला एक्शन! विदामुयार्ची का टीजर अब आ चुका है।

दृढ़ संकल्प ही विजय की राह दिखाता है।इस एक्शन से भरपूर टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में लोगों को थ्रिल और एक्शन का फुल डोज मिलने वाला है। इसमें अर्जुन सरजा, रेगिना कैसांड्रा और आरव नकारात्मक भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई देने वाले हैं। फिल्म के टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि अजित कुमार एक मिशन पर हैं, जिसमें वह अजरबैजान के इलाकों में यात्रा करते हुए सच्चाई का खुलासा करने का प्रयास में हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस टीजर में फिल्म के कोई संवाद नहीं हैं, केवल टीजर के अंत में यह लिखा हुआ दिखता है, जब हर कोई, जब सब कुछ, तुम्हें छोड़ दे, तो खुद पर विश्वास रखो।इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत होगा। इसका छायांकन निरव शाह ने किया है।

मां से योद्धा बनीं नयनतारा, हाथों में हथियार लेकर दुश्मनों को किया लहूलुहान

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा अपने 40 साल जन्मदिन पर उनकी जीवन पर बनी डॉयक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज किया गया। वहीं, एक्ट्रेस के खास दिन पर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक नई फिल्म का एलान कर फैंस को खुश कर दिया है।ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नयनतारा के फैंस को तोहफा देते हुए उनकी नई फिल्म के टाइटल टीजर का एलान किया है। उन्होंने फिल्म से नयनतारा का धांसू पोस्टर जारी करते हुए टाइटल का खुलासा किया है और कैप्शन में टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा है, युद्ध शुरू हो गया है। लेडी सुपरस्टार नयनतारा की रक्कई का धमाकेदार टाइटल टीजर पेश है। उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं।पोस्टर में नयनतारा अपने दोनों हाथों में हथियार लिए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर एग्रेशन साफ नजर आ रहा है। वहीं रक्कई के टीजर की बात करें सेंथिल नल्लासामी की निर्देशित फिल्म के टीजर में नयनतारा को एक ऐसी मां के अवतार में दिखाया गया है, जो अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए योद्धा बन जाती है।रक्कई के टीजर की शुरुआत बच्चे के रोने की आवाज से शुरू होती है। इसके बाद एक खुले मैदान की झलक दिखाई जाती है, जहां एक झोपड़ी, जिसमें से बच्चे के रोने की आवाज आती है, के बाहर मशाल लिए दुश्मन की सेना नजर आती है। इस दौरान बच्चे की झलक दिखाई जाती है, जो भूखा रहता है। इसके बाद नयनतारा की झलक दिखाई गई है। वह अपने दुश्मनों से लड़ने और अपने बच्चे को शांत कराने की तैयारी करती हैं। वह ओखली में लाल मिर्च का पाउडर तैयार करती नजर आती है।इसके बाद वह बच्चे को दूध पिलाकर उसे झूले में सुला देती है।

इस बीच दुश्मन की सेना उन पर वार करने के लिए उनकी झोपड़ी को ओर दौड़ पड़ते हैं। बच्चे को सुलाने के बाद नयनतारा हाथ में हथियार लेकर दुश्मनों से जंग करने मैदान में उतरती हैं। वह दुश्मनों को लहूलुहान करते हुई नजर आती हैं। टीजर का आखिरी में नयनतारा को झूले में सोए बच्चे साथ दिखाया जाता है। इस बीच फिल्म के टाइटल का खुलासा होता है। नयनतारा का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को काफी पंसद आया है।उधर, नयनतारा ने रक्कई का टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, एक ऐसी भूमि में जहां न्याय केवल एक स्मृति मात्र है। एक मां, जिसकी दुनिया उसका बच्चा था। लेकिन जब उसकी बच्चे की जान को एक राक्षस से खतरा होता है। तो वह भागती नहीं।।। वह डगमगाती नहीं। इसके बजाय, वह जंग का एलान करती है।नयनतारा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले अपने फैंस को अपनी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह अकेले दुश्मनों के सामने निडर होकर खड़ी नजर आ रही है। हाथ में भाला लिए नयनतारा का ये अवतार किसी बड़े युद्ध का संकेत दे रही है। पोस्टर पर बड़े अक्षरों में लिखा है, उसने जंग का एलान किया है। एक्ट्रेस के इस पोस्टर को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने साउथ स्टार धनुष के साथ चल रहे उनके अनबन से जोड़ा है।इससे पहले नयनतारा ने अपनी बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल का पोस्टर शेयर कर बताया कि उनकी डॉक्यूमेंट्री अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल में नयनतारा के पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक की झलक दिखाई गई है। एक्ट्रेस के करीबी लोगों ने खुद उनके जीवन के बारे में खुलासा करते हुए नजर आ रहे हैं। इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा और विग्नेश की अनसीन वेडिंग की भी झलक दिखाई गई है।

प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा में वापसी को तैयार

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर चर्चा में हैं।उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में देखा गया था, जिसमें वह फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और प्रियंका पिछले 5 साल से हिंदी सिनेमा से दूर हैं।अब प्रियंका ने हिंदी फिल्म करने के संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।प्रियंका ने कहा, मैं कई निर्माताओं से मिलती हूं और कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत व्यस्त रहा, लेकिन मेरे पास कुछ है। मैं आप सब लोगों को जल्द बताऊंगी।इसके अलावा जब प्रियंका से फिल्म जी ले जरा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।फरहान ने अपनी फिल्म जी ले जरा की घोषणा 2021 में की थी, लेकिन अभी तक उनकी यह फिल्म शुरू नहीं हो पाई है।इसकी स्टाकरस्ट और कहानी से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं, वहीं कई बार फिल्म के डिब्बा बंद होने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, फिल्म को ठंडे बस्ते में डालने की खबरों को फरहान नकार चुके हैं।इस फिल्म में प्रियंका के साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ भी नजर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आप–को अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जी–वनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। नये यार–दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 08 दिसंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 09:46 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 04:03 तक
योग : वज्र रात्रि 03:53 तक
करण : वणिज प्रातः 09:46 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : पंचक चालू है , नरसी मेहता जयंती , भद्रा प्रातः 09:46 से रात्रि 08:58 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मोदी जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का करेंगे शुभारंभ

जयपुर,07 दिसंबर (एजेंसियां)। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आरंभ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 09 दिसंबर को राजधानी जयपुर में समिट का उद्घाटन करने के साथ होगा। माननीय प्रधानमंत्री इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य अतिथि हैं और उद्घाटन के बाद वो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित भी करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्रिमंडल और राज्य मंत्रिमंडल के कई सदस्य, 5000 से अधिक निवेशक, कारोबार और व्यापार जगत के अधिकारी, डेलीगेट्स और अन्य प्रतिभागी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, माननीय प्रधानमंत्री राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो का भी उद्घाटन करेंगे।

इस कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्वागत भाषण से होगी, जिसके तहत राज्य के विकास के लिए किए जा रहे कामों, राज्य सरकार का एजेंडा और अगले 5 वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करके 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के बारे में मुख्यमंत्री चर्चा कर सकते हैं। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के लिए एमओयू किये जा चुके हैं।

उद्घाटन सत्र में कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल, गौतम अडानी, आनंद महिंद्रा, संजीव पुरी, अजय एस. श्रीराम जैसे शीर्ष उद्योगपति और जापान के राजदूत केइची ओए–नओ सहित कई व्यापारिक समूहों के शीर्ष अधिकारी और राजनयिक भी शामिल होने जा रहे हैं। उद्घाटन सत्र में कुछ प्रतिष्ठित उद्योगपति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत सुधारों और उसके जरिए राज्य में आ रहे बदलाव और कारोबार–व्यापार जगत की व्यावसायिक क्षमता के बारे में अपने–अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, इस इन–वेस्टमेंट समिट में 32 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, जिनमें 17 देशों की भागीदारी 'पार्टनर कंट्री' के रूप में होने जा रही है।

इस तीन दिवसीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रतिभागी देशों और राजस्थान के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए कुल 8 देशों के लिए कंट्री सेशन्स और राउंडटेबल का आयोजन भी किया जा रहा है। भाग लेने वाले 34 देशों में, 17 देश इन्वेस्टमेंट समिट के 'पार्टनर कंट्री' हैं, जिनमें डेनमार्क, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्ज़रलैंड, मलेशिया, स्पेन, क्यूबा, वेनेजुएला, मोरक्को, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, नेपाल, ओमान, पोलैंड और थाईलैंड शामिल हैं। बांकी देश, जो विभिन्न क्षमताओं में इस इन–वेस्टमेंट समिट में भाग ले रहे हैं, उनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मिस्र, फिनलैंड, रूस, सेशेल्स, चाड, इक्वाडोर, घाना, इराक, मेडागास्कर, पैराग्वे और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

इस तीन दिवसीय इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य आकर्षणों में, उद्घाटन और 'कंट्री सेशन्स' के अलावा, प्रवासी राजस्थानी कॉनक्लेव, एमएसएमई कॉन्क्लेव और 12 क्षेत्रों के लिए थीमैटिक सत्र शामिल हैं। इन सत्रों में देश और दुनिया के कई विशेषज्ञ, उद्योग और व्यापार जगत के शीर्ष अधिकारी, केंद्र और राजस्थान सरकार के अधिकारी वगैरह भाग लेंगे और इस दौरान संबंधित विषय से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों, तकनीकी परिवर्तनों और उभरते अवसरों पर चर्चा की जाएगी। 12 थीम आधारित सत्रों में महिला उद्यमिता, विनिर्माण, जल प्रबंधन और स्थिरता, सस्टेनेबल ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, सस्टेनेबल माइनिंग, स्टार्टअप, शिक्षा, सस्टेनेबल वित्त, कृषि–व्यवसाय, पर्यटन और इन्फ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई चेन के नाम शामिल हैं। ये सत्र आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए नवाचार, स्थिरता और समावेशिता का लाभ उठाने हेतु राजस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे। इन्वेस्टमेंट समिट के दूसरे दिन (10 दिसंबर) प्रवासी राजस्थानी कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में फैले हुए प्रवासी राजस्थानी को एक मंच पर लाना और उनके बीच आपसी सहयोग और राजस्थानी होने की भावना को बढ़ावा देना है। इस सत्र में प्रवासी राजस्थानी समुदाय के प्रति राजस्थान सरकार की प्रतिबद्धता और राज्य सरकार द्वारा इसके तहत किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की जाएगी।

एमएसएमई कॉन्क्लेव का आयोजन इन्वेस्टमेंट समिट के तीसरे दिन (11 दिसंबर) रखा गया है, जिसमें एमएसएमई उद्यमियों, निवेशकों, देश और दुनिया के कई विशेषज्ञ, उद्योग और व्यापार जगत के शीर्ष अधिकारी, केंद्र और राजस्थान सरकार के अधिकारी वगैरह शामिल होंगे और इस क्षेत्र की भविष्य की चुनौतियों व तैयारी पर चर्चा करेंगे। इस कॉन्क्लेव में पैनल डिस्क्शन, अनुभव साझा करने वाले सत्र होंगे और हितध–ारकों को नेटवर्किंग का अवसर दिया जाएगा। राजस्थान का एमएसएमई क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, और यह राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में लगभग 25% का योगदान देता है।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का एक प्रमुख आकर्षण राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो भी है, जिसमें राजस्थान पैवेलियन, कंट्री पैवेलियन, स्टार्टअप पैवेलियन और प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) सहित प्रमुख भारतीय और वैश्विक व्यापार समूहों द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाएगी। यह प्रदर्शनी न केवल राजस्थान की अपार संभावनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा ताकतों के बारे में जानकारी देगी, बल्कि व्यवसायों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने वाली राज्य की प्रगतिशील नीतियों को भी प्रदर्शित करेगी।

राजस्थान में होगी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

जयपुर,07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश में 85 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से राजस्थान में भी 9 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना होगी, जिससे प्रदेश में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह अभूतपूर्व निर्णय 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, इससे भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक अवसंरचना के विकास एवं युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री ने लिया दसवां संकल्प

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित होंगे

जयपुर,07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नया संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शनिवार को दसवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के साथ ही रोजगार के अवसर भी सृजित किए जाएंगे।शर्मा ने कहा कि इस समिट में भी राजस्थान की महत्वपूर्ण वर्कफॉर्स के हजारों लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुशल युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

राइजिंग राजस्थान समिट में रूमा देवी का होगा उद्बोधन

जयपुर,07 दिसंबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान में राजस्थान सरकार द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता व राजीविका की ब्रांड एंबेसडर रुमा देवी को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। समिट के तहत 'हर स्टोरी: एडवांसिंग इंक्लूसिव सोसाइटीज' थीमैटिक सेशन रखा जा रहा है। 9 दिसंबर को होने वाले इस सत्र में भारत की प्रमुख औद्योगिक कंपनियों जैसे वेदांता, किर्लोस्कर सिस्टम्स, वेलस्पन लिविंग की लीडरशिप टीम को टीम की प्रमुख महिला सख्शियतें अपने अनुभव साझा करेंगी। गौरतलब है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी के सीतापुरा स्थित जेईसीसी ग्राउंड पर होगा। जहां 6 देशो के प्रतिनिधियों के साथ देश के प्रमुख उद्योगपति व सीएमडी, सीईओ शिरकत करने वाले हैं।

माइंस धारकों को एकबारीय समाधान योजना में बड़ी राहत

जयपुर,07 दिसंबर (एजेंसियां)। माइनिंग सेक्टर में आधुनिकतम तकनीक के उपयोग और पारदर्शी व्यवस्था के तहत 1 अप्रेल, 2025 से सभी अप्रधान खनिज लीज धारकों को लीज क्षेत्र और उसके पास के 100 मीटर तक के क्षेत्र का ड्रोन/एरियल सर्वे कराकर क्षेत्र के खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता के कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा। नई व्यवस्था के तहत ड्रोन/एरियल सर्वे में प्राप्त खनन रिपोर्ट और संबंधित लीजधारक द्वारा पूर्व में प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में अंतर आने की स्थिति में राहत देने के लिए राज्य सरकार ने एकमुश्त समाधान योजना लागू की है। माइंस विभाग की एकमुश्त समाधान योजना 31 मार्च, 2026 तक प्रभावी रहेगी।

मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में लगातार सुधार और गति दे रहे हैं। हाल ही में राज्य की नई खनिज और एम–सेण्ड नीति जारी की है। उससे पहले अप्रधान खनिज लीज धारकों की लीज अवधि बढ़ाने के अधिकार संबंधित खनिज अभियंता व सहायक अभियंता को दे दिए हैं। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने एक ओर बड़ा निर्णय करते हुए एक हैक्टेयर से कम के प्लॉट की नीलामी की बिड राशि दस लाख से घटाकर दो लाख कर दी। इससे आर्थिक दृष्टि से कमजोर और स्थानीय नागरिकों की खनिज क्षेत्र में भागीदारी बढ़ सकेगी। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में अधिकारों का विकेन्द्रीकरण, लीजधारकों को राहत व व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के निर्णय लिए जा रहे हैं।

प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने परिवर्तित बजट घोषणा में प्रदेश में अप्रधान खनिजों के उत्पादन एवं निर्गमन में वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट की व्यवस्था करते हुए एकमुश्त समाधान योजना लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि परिवर्तित बजट घोषणा की क्रियान्विति में वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट व्यवस्था लागू करने और इससे होने वाले प्रभाव से खनिज लीज व क्वारी लाइसेंसधारकों को एकबारीय राहत प्रदान करते हुए एकमुश्त समाधान योजना लागू कर दी है। टी. रविकान्त ने बताया कि माइनर मिनरल खानों में वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट व्यवस्था लागू करने से खनन पट्टों के सर्वेक्षण एवं सीमांकन से सामने आने वाली विसंगतियों के कारण होने वाली शास्ति से एकबारीय समाधान के लिए राज्य सरकार ने लीजधारकों को राहत देने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन से कुरुक्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कुरुक्षेत्र,07 दिसंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में 8 दिसंबर को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान शहर में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। साथ ही, यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने विशेष एडवाइजरी जारी की है। हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक गीता जयंती महोत्सव में भाग लेने के लिए कुरुक्षेत्र आते हैं। इस वर्ष उपराष्ट्रपति के दौरे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर दिया है।

मौसम विभाग ने 8 दिसंबर को घने कोहरे की संभावना जताई है। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात डायवर्जन प्लान तैयार किया है। केडीबी रोड (सेक्टर 2/3 कट से ब्रह्मसरोवर तक) आम जनता के लिए बंद रहेगा। नंदाजी स्मारक मार्ग भी वीवीआईपी आगमन के दौरान प्रतिबंधित रहेगा।

भारी वाहनों को नरकटारी, मिर्जापुर, दयालपुर और किरमिच रोड जैसे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। पर्यटकों के लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था तिरुपति बालाजी मंदिर और 18 मंजिला मंदिर के पास की गई है।सुरक्षा व्यवस्था ब्रह्मसरोवर और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय क्षेत्र में विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।क्विक रिएक्शन टीम और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।सीसीटीवी कैमरों और सुरक्षा कर्मियों के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों और संपर्क सड़कों पर चेक पोस्ट लगाए गए हैं।

नायब सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का दौरा

पीडीडब्लूडी कर्मचारियों से की बैठक

कैथल,07 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने आज कैथल के पीडीडब्लूडी रेस्ट हाउस में कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने प्रदेश की सड़कों के जाल को और भी सशक्त बनाने, स्वस्थ जल आपूर्ति और नल योजनाओं पर ध्यान देने की बात की।

रणबीर गंगवा ने बैठक के दौरान कहा कि सरकार प्रदेश में बेहतर सड़कों का जाल बिछाएगी और नल से जल योजना को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने गुणवत्ता में कोई भी समझौता न करने की बात की। उन्होंने ठेकेदारों और एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो ठेकेदार गुणवत्ता से समझौता करेंगे या लेटलतीफी करेंगे, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए गंगवा ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नायब सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि चडझ और फसलों की खरीद में किसानों को बेहतरीन दाम मिल रहे हैं, और हरियाणा के किसान इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने वर्तमान में चल रहे किसान आंदोलन का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि यह आंदोलन पंजाब के किसानों से संबंधित है और हरियाणा सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आम जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं के लिए बड़ी योजना का सोमवार को पानीपत से शुभारंभ करेंगे नरेंद्र मोदी: सैनी

पानीपत,07 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को ऐतिहासिक नगरी पानीपत के सेक्टर 13–17 में सोमवार को आयोजित होने जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया व अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार हमेशा से गंभीर रही है व प्रधानमंत्री की महिलाओं को सशक्त करने की प्राथमिकता रही है। सरकार महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। 9 दिसंबर के कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह नजर आ रहा है। उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया की पानीपत का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा इसको लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमा सखी योजना से महिलाएं और सशक्त होंगी व रोजगार के नए अवसर सर्जित होंगे। सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से भी महिलाओं के जीवन स्तर को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति बिल पास करके महिलाओं को और सशक्त बनाया है। कुछ राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे थे लेकिन अब महिलाएं को और सशक्त बनाने के लिए सरकार कार्य कर रही है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की ऐतिहासिक भूमि से बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ का भव्य संदेश दिया था, जिसका लाभ लाखों महिलाओं को मिल रहा है। कार्यक्रम के बाद बेटियों को सुरक्षा मिली और लाखों बेटियों को जीवनदान मिला।

मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि किसानों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार मजबूती से कार्य कर रही है। कुछ राजनीतिक दल किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें वे सफल नहीं होंगे। प्रधानमंत्री ने मजबूती व गति से किसानों के हित में फैसले लिए हैं। किसानों को सशक्त किया है। किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की शत प्रतिशत फसल एमएसपी पर खरीदी जा रही है। एमएसपी का लाभ छोटे किसानों को भी मिल रहा है।

तेजस्वी का नीतीश पर तीखा वार

मुख्यमंत्री पूरी तरह बेकार गिरिराज समाज बांटने वाले

बेगूसराय (एजेंसियां)।

कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव बेगूसराय पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने नीतीश कुमार को पूरी तरह 'बेकार' करार देते हुए कहा कि अब उनका शासन प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा और विधान परिषद में भी मुख्यमंत्री संवाद करने से बचते हैं, जो उनके कमजोर नेतृत्व को दर्शाता है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को 400 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बिहार वासियों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी राजद बिहार में 200 यूनिट मुफ्त बिजली की मांग को लेकर संघर्ष करती रहेगी।

तेजस्वी ने बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह केवल समाज को बांटने और विवादित बयान देकर मीडिया में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस विभाग के मंत्री गिरिराज सिंह हैं, उसमें बेगूसराय के लिए अब तक कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ है।

राजद नेता ने शिक्षकों के मसले पर खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि उनकी 17 महीने की सरकार के दौरान पांच लाख नौकरियां दी गईं और नियोजित शिक्षकों को नियमित किया गया। तेजस्वी ने वादा किया कि भविष्य में भी उनकी पार्टी शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बीफ प्रतिबंध के सवाल पर तेजस्वी यादव ने तीखा जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा मणिपुर की गंभीर स्थिति पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन असम में बीफ पर पाबंदी लगाने जैसे मुद्दों पर राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा पर 'धार्मिक ध्रुवीकरण' का आरोप लगाते हुए इसे देश के लिए हानिकारक बताया।

कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव ने जनता से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने बिहार में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता को लेकर सरकार पर जमकर हमला किया।

उन्होंने कहा कि राजद एक मजबूत और समृद्ध बिहार के लिए प्रतिबद्ध है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनी तो विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी और बिहार को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाया जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार और भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी नीतियां बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेल रही हैं, जबकि राजद जनता के मुद्दों पर काम करना चाहती है।

आग लगने से तीन घर जलकर राख दो मवेशियों की झुलसने से मौत

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में आग लगने से तीन घर जलकर राख हो गया है। वहीं, दो मवेशियों की झुलसने से मौत हो गई और तीन मवेशी बुरी तरह झुलस कर घायल हो गए। यह घटना जिले के योगापट्टी प्रखंड के बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड-6 के बलुआ नेवाज राय मलाई टोला गांव की है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक, आग लगने की घटना में भोला ठाकुर, साहेब ठाकुर और मोतिलाल ठाकुर के घर सहित लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। साथ ही दो मवेशियों की झुलसने से मौत हो गई है। जबकि तीन अन्य मवेशी गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात सभी लोग खाना खाकर सोने चले गए। तभी अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। लोग जब तक जगते और आग को बुझाते तबतक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और अपने आगोश में भोला ठाकुर, साहेब ठाकुर और मोतिलाल ठाकुर के घर को ले लिया। इस हादसे में घर सहित लाखों की संपत्ति जल गई। पीड़ितों ने बताया कि अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी दमकल की गाड़ी नहीं पहुंची। वहीं, ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि घर में रखे अनाज, बर्तन और कपड़ा सहित अन्य आवश्यकता की सामग्री अग्नि की भेट चढ़ गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो मवेशियों की जलने से मौत हो गई है और तीन मवेशी झुलसकर बुरी तरह घायल हो गए।

इधर, सीओ प्रज्ञा नयनम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर राजस्व कर्मचारी को निरीक्षण के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि सूची तैयार होने के बाद अग्नि पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

सड़क हादसे में दो बैंक कर्मियों की मौत, घर लौटने के दौरान हुआ हादसा

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें दो निजी बैंक मैनेजर की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गये, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

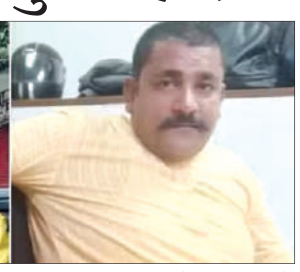

यह पूरा मामला बछवारा थाना क्षेत्र के फतेहा स्थिति एनएच 28 के समीप की है। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के विष्णुपुर डाक बंगला के रहने वाले आशीष कुमार और मुजफ्फरपुर के रहने वाले रवि कुमार के रूप में की गई है। वहीं घायल युवकों में वैशाली जिले के रहने वाले राहुल कुमार और धनबाद निवासी निरंजन सिंह हैं। सभी एक ही बैंक में एक साथ काम करते थे।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि चारों दोस्त वर्तमान में बेगूसराय में ही रहते थे। गुरुवार को समस्तीपुर से बैंक का काम निपटाकर चारों दोस्त अपनी कार से वापस बेगूसराय लौट रहे थे। तभी फतेहा स्थिति एनएच 28 के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के दौरान घटनास्थल पर ही आशीष कुमार एवं रवि कुमार की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि राहुल एवं निरंजन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टरों के अनुसार राहुल कुमार की स्थिति अभी भी चिंत-ाजनक बनी हुई है। वही इस घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसरा गया है। चारों जन स्मॉल फाइनेंस बैंक में कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही बछवारा थाने के पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है।

शराब मामले में छापामारी के दौरान पुलिस और ग्रामीणों में झड़प, दोनों पक्षों के 10 लोग घायल

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद जिले के परस बिगहा थानाक्षेत्र के झुनाठी गांव में उत्पाद विभाग की टीम की शराब छापामारी के दौरान पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों के बीच बड़ा विवाद हो गया।

इस झड़प में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर कुमार सत्यम समेत पांच पुलिसकर्मी और ग्रामीण पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर शाम उत्पाद विभाग की टीम ने झुनाठी इलाके में छापामारी की। टीम ने एक समोसे की दुकान के पास खड़ी गाड़ियों के आसपास कुछ संदिग्ध लोगों को देखकर

ब्रेथ एनालाइजर से जांच शुरू की। इस पर स्थानीय दुकानदार और ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

पहले बहस हुई, जो देखते ही देखते पथराव और मारपीट में बदल गई। पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर, सरिया और छनौटा से हमला किया गया। आरोप है कि चीनी की चाशनी भी पुलिसकर्मियों पर फेंकी गई। घटना में कैदी वाहन में मौजूद एक कैदी भी घायल हो गया।

सब इंस्पेक्टर कुमार सत्यम ने बताया कि जब टीम शराब चेकिंग कर रही थी, तो स्थानीय लोगों ने अचानक हमला कर दिया। किसी तरह पुलिसकर्मी अपनी जान बचाकर मौके से भागने में सफल हुए। वहीं, स्थानीय युवकों धर्मराज और जितेंद्र ने पुलिस पर आरोप लगाया कि वह शराब पीने का झूठा आरोप लगाकर दुकानदारों को परेशान कर रही थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो पुलिस ने खुद मारपीट शुरू कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही आरजेडी विधायक सुदय यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने उत्पाद विभाग पर मनमानी और पैसे वसूलने का आरोप लगाया।

विधायक ने कहा कि उत्पाद विभाग शराबबंदी के नाम पर निर्दोष लोगों को फंसा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के बिना ग्रामीणों पर कार्रवाई करना गलत है। अगर इस घटना की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो हम आंदोलन करेंगे।

फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल दोनों पक्षों का इलाज सदर अस्पताल में हो रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि घटना की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद उत्पाद विभाग लगातार छापामारी कर रहा है। लेकिन कई बार ऐसी कार्रवाइयों में विभाग पर मनमानी और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की कार्यशैली से वे भय और दहशत में हैं।

पटना में 12 घंटा के अंदर दो व्यवसायियों की हत्या, भड़के लोगों ने किया सड़क जाम

पटना (एजेंसियां)।

पटना में अपराधियों ने गुरुवार की देर रात सीमेंट एवं छड़ व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना नदी थाना क्षेत्र के मौजीपुर की है। मृतक की पहचान उदय यादव (45) के रूप में की गई है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और छनबीन में जुट गई।

घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि उदय यादव सीमेंट और छड़ का कारोबार करते थे। दुकान पर से वह अक्सर देर रात आते थे। इसी दौरान घात लगाए अपराधियों ने मृतक के घर के पास घेरकर उनके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीं पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर वहां पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। अपराधी घटना को अंजाम देकर कच्ची दरगाह की ओर फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

घटना से आक्रोशित होकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को पटना - बख्तियारपुर सड़क को जाम कर दिया है। घटना से भड़के लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। सड़क सुबह से ही जाम है, जिससे दोनों तरफ छोटी-बड़ी गाड़ियों की लम्बी कतार लग गई है। गुस्साए लोगों ने सड़क पर आगजनी कर अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग कर रहे है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना को ले कर फतुहा सीडीपीओ 1 निखिल कुमार ने बताया कि रेसिंग बाइक पर सवार रहे अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर रखा है। पुलिस मामले को ले कर परिजनों को समझाने बुझाने में जुटी है। जल्द ही परिजनों को समझा बुझा कर जाम हटाया जाएगा। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम भी पहुंची है। पुलिस आगे के कार्यवाही में जुटी है।

गुरूवार की सुबह अपराधियों ने एक किराना दुकानदार की हत्या कर दी थी। प्रतिदिन की तरह राजकिशोर गुरूवार को भी दुकान खोलकर अपने दूकान की साफ सफाई कर रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी आए और राज किशोर को गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग एवं उनके परिवार के लोग वहां जुट गए। खून से लथपथ राजकिशोर को देख परिजनों ने आनन फानन में उन्हें फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये, जहां राजकिशोर कुमार की मौत हो गई।

पटना में बीपीएससी कार्यालय के पास अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज

नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

पटना (एजेंसियां)।

पटना में बिहार लोक सेवा आयोग के पास पहुंचे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया। अभ्यर्थी 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में बीपीएससी कार्यालय के पास पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने अभ्यर्थियों को वहां जाने से रोक दिया। जब अभ्यर्थियों ने पुलिस का विरोध किया तो पुलिस ने उन अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज कर दिया। पुलिस ने अभ्यर्थियों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। इस घटना से वहां भगदड़ की स्थिति बन गई। अभ्यर्थियों की मांग थी कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं होना चाहिए। वहीं उन्होंने वन

शिफ्ट- वन पेपर की मांग की है। इस घटना में कई अभ्यर्थी चोटिल हुए हैं।

इस मामले में बीपीएससी के सचिव सत्य प्रकाश शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं होगा। इसको लेकर अफवाहें उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आयोग को बदनाम करना चाहते हैं। प्रश्नों के चार सेट का इस्तेमाल होगा। सभी सीट अलग-अलग रंग के होंगे। वही परीक्षा में किसी एक ही सेट को उसे किया जाएगा।

बिहार लोक सेवा आयोग 2035 पदों के लिए यह परीक्षा आयोजित कर रही है। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर को है, जिसके लिए पूरे बिहार के कुल 36 जिलों में 925 परीक्षा केंद्रों बनाये गये। वहीं पटना जिले में 60 से अधिक परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। प्रारंभिक परीक्षा एक ही पाली में होगी। परीक्षा का समय दोपहर 12 से 2 बजे तक निर्धारित की गई है। इस परीक्षा में लगभग 4 लाख 80 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक सप्ताह पहले परीक्षा स्थल बताया जायेगा। फिर परीक्षा के तीन -चार दिन पहले शहर के परीक्षा केन्द्र की जानकारी दी जाएगी।

शहीद संजीव भंडारी के परिजनों से मिले कांग्रेस नेता, दी श्रद्धांजलि

स्कूल और सड़क के नामकरण की मांग की

सुपौल (एजेंसियां)।

भारतीय सेना के जवान और सुपौल जिले के मरौना प्रखंड निवासी शहीद संजीव कुमार भंडारी को श्रद्धांजलि देने के लिए कांग्रेस नेता मिन्नत रहमानी उनके परिजनों से मिलने पहुंचे। हिमाचल प्रदेश में ड्यूटी के दौरान हुई एक दुर्घटना में शहीद हुए संजीव कुमार भंडारी के परिवार से मिलकर मिन्नत रहमानी ने गहरी संवेदना व्यक्त की और उनके बलिदान को अमर बनाने की अपील की।

मिन्नत रहमानी ने कहा कि शहीद संजीव भंडारी ने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जिला प्रशासन को पत्र लिखा। उसमें उन्होंने गम्हरिया प्राथमिक विद्यालय का नाम

शहीद संजीव भंडारी के नाम पर रखने और बेलही चौक से बेल्हा तक सड़क मार्ग का नामकरण शहीद के नाम पर करने की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने बिहार सरकार से शहीद जवान के परिवार को आर्थिक सहयोग और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहीद का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए और सरकार को उनके परिवार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शहीद संजीव भंडारी के भाई रमेश भंडारी भी भारतीय सेना में सेवा दे रहे हैं। संजीव की शहादत 30 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में चीन सीमा पर ड्यूटी के दौरान हुई, जब पैर फिसलने से वह पहाड़ से गिर गए थे। सेना की टीम ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

दो दिसंबर को शहीद संजीव भंडारी का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इधर, मिन्नत रहमानी के साथ स्थानीय मुखिया अशोक यादव, पूर्व मुखिया वीरेंद्र यादव, तबरेज हयात, पवन चौधरी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने भी शहीद के परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com